हिन्दी दैनिक

जन-जन की वाणी...

सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं रांची से प्रकाशित

Page 11

खेल

यानिक सिनर पहला विम्बलडन खिताब जीता दो बार के गत चैंपियन अल्काराज को हराया

Page 09

देश

छत्तीगढ़ में भाजपा विधायक खुशवंत साहेब पर हमला, गाड़ी का शीशा टूटा, हाथ में आई चोट

कृष्ण पक्ष, पूर्व भाद्रपद, विक्रम संवत् 2082

• औरंगाबाद • मंगलवार • 15 जुलाई 2025 • वर्ष 27 • अंक 214 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 99,880	₹ 1,15,000

आज का इतिहास

1955 : प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने देश के तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न देने की घोषणा की।

1926 : भारत के शहर मुंबई में पहली बार बसों की शुरआत की गयी।

न्यूज बाइट्स

सावन की पहली सोमवारी पर भक्तों में उत्साह

पटना (नि.सं.) । सावन की पहली सोमवारी को लेकर बिहार में शिवभक्तों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। सावन कृष्ण चतुर्थी में पहली सोमवारी पर बिहार में आस्था का सैलाब फूट पड़ा है। श्रद्धालु विभिन्न मंदिरों में उमड़ पड़े हैं। शिवालयों में शिवभक्तों का तांता लगा है। पटना के शिव मन्दिरों में भक्त सुबह से ही पूजा-अर्चना कर रहे हैं। सावन महीने में सोमवार के दिन को लेकर हिंदू धर्म में मान्यता है कि इस दिन पूजा पाठ एवं व्रत करने से भगवान शिव अपने आराध्य पर प्रसन्न होते हैं। सोमवारी व्रत करने से मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। माता पार्वती ने भगवान शिव को पति के रूप में प्राप्त करने के लिए सोमवारी व्रत किया था। सोमवार के व्रत का शिव की आराधना और आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए विशेष महत्व है।सावन महीने का दुनिया भर के शिव भक्त बेसब्री से इंतजार करते हैं। 11 जुलाई से शुरू हुआ यह पावन महीना नौ अगस्त को समाप्त होगा।इस बार जुलाई महीने में 14, 21 और 28 को सोमवार है। सावन की अंतिम सोमवारी चार अगस्त को है।

शुभांशु की रिटर्न जर्नी शुरू

नई दिल्ली (ए.) । शुभांशु शुक्ला सहित चार एस्ट्रोनॉट आज 14 जुलाई को शाम 4:45 बजे इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से पृथ्वी के लिए रवाना हुए। करीब 23 घंटे के सफर के बाद उनका ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट 15 जुलाई दोपहर करीब 3 बजे समुद्र में उतरेगा। इसे स्प्लैशडाउन कहते हैं। स्पेसक्राफ्ट 263 किलो से ज्यादा कार्गो के साथ वापस आएगा। इसमें नासा का हार्डवेयर और 60 से ज्यादा प्रयोगों का डेटा शामिल होगा। यह अंतरिक्ष अनुसंधान के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। चारों एस्ट्रोनॉट 26 जून को भारतीय समय के अनुसार शाम 4:01 बजे ISS पहुंचे थे। एक्सियम मिशन 4 के तहत 25 जून को दोपहर करीब 12 बजे एस्ट्रोनॉट रवाना हुए थे।

बिहार आइडिया फेस्टिवल 'समृद्ध बिहार' बनाने की दिशा में क्रांति : मंत्री

पटना (नि.सं.) । बिहार के उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा ने सोमवार को कहा कि बिहार आइडिया फेस्टिवल केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि 'समृद्ध बिहार' बनाने की दिशा में एक क्रांति है। श्री मिश्रा ने बिहार आइडिया फेस्टिवल पोर्टल के उद्घाटन के बाद मीडिया को संबोधित करते हुये कहा कि बिहार आइडिया फेस्टिवल युवाओं को बिहार की जमीनी चुनौतियों को हल करने और उद्यमिता अपनाने के लिए प्रोत्साहित करेगा। उन्होंने बताया कि 24 जुलाई से जिलास्तर पर इस कार्यक्रम की शुरूआत की जायेगी।

बिहार वन महोत्सव पर मुख्यमंत्री ने पौधारोपण अभियान का किया शुभारंभ, लगााया आम के पौधे

पांच करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य

निज संवाददाता | पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को पटना स्थित एक अणे मार्ग परिसर में आम का पौधा लगाकर 'वन महोत्सव-2025' का राज्यस्तरीय शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने घरों, कार्यालयों और आस-पास के क्षेत्रों में अधिक से अधिक पौधारोपण करें और पर्यावरण संरक्षण के इस महाअभियान में भागीदार बनें। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा आयोजित इस अभियान के तहत आगामी तीन महीनों में पूरे राज्य में बड़े पैमाने पर पौधारोपण किया जाएगा। वित्तीय वर्ष 2025-26 में 5 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य में वर्ष 2012 में शुरू हुए 'हरियाली मिशन' के तहत वृक्षारोपण को मिशन मोड में लागू किया गया, जिससे बिहार का हरित आवरण बढ़कर 15.05 प्रतिशत हो गया है। वर्ष 2028 तक इसे बढ़ाकर 17 प्रतिशत करने का लक्ष्य है।

इस अवसर पर पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की अपर मुख्य सचिव हरजोत कौर बम्हारा ने मुख्यमंत्री को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, पर्यावरण मंत्री सुनील कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि और विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक ठोस कदम

इस पौधारोपण अभियान को केवल औपचारिक कार्यक्रम समझना भूल होगी। यह वास्तव में एक गहरी सोच और भविष्य के प्रति चिंता को दर्शाता है। तेजी से कटते जंगल, घटते जल स्रोत और बिगड़ती जलवायु परिस्थितियों के बीच, ऐसे अभियान हमें हमारी ज़िम्मेदारी का एहसास कराते हैं। पेड़ न केवल वातावरण को शुद्ध करते हैं, बल्कि यह जैव विविधता को संरक्षित रखने में भी अहम भूमिका निभाते हैं। बिहार सरकार द्वारा वन महोत्सव के अवसर पर शुरू किया गया यह राज्यव्यापी पौधारोपण अभियान निश्चित ही एक सकारात्मक और प्रेरणादायक कदम है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की इस पहल से आमजन को यह संदेश मिलता है कि पर्यावरण संरक्षण किसी एक विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हम सभी की साझी जिम्मेदारी है। अब जरूरत है कि हम भी इस पहल से प्रेरणा लें और अपने आस-पास हरियाली बढ़ाने में योगदान दें, ताकि आने वाली पीढ़ियों को एक स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण मिल सके।

वन महोत्सव का उद्देश्य

वन महोत्सव का मुख्य उद्देश्य लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना और अधिक से अधिक पेड़ लगाने के लिए प्रेरित करना है। यह अभियान इस वर्ष यह अधिक व्यापक और संगठित रूप में शुरू हुआ है। पौधे लगाना केवल एक रस्म नहीं बल्कि पृथ्वी को बचाने की एक जरूरी पहल है। वनों की कटाई, बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की गंभीरता को देखते हुए ऐसे कार्यक्रम अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाते हैं।

सीएम ने की 'जल-जीवन-हरियाली' अभियान की चर्चा

मुख्यमंत्री ने इस मौके पर 'हरियाली मिशन' और 'जल-जीवन-हरियाली' अभियान की चर्चा भी की, जिसकी शुरुआत उन्होंने क्रमशः वर्ष 2012 और 2019 में की थी। इन अभियानों के तहत राज्य में वृक्षारोपण के साथ जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन और किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए कृषि वानिकी को बढ़ावा दिया जा रहा है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार हरियाली मिशन के माध्यम से राज्य का हरित आवरण बढ़कर 15.05% तक पहुँच गया है और इसे वर्ष 2028 तक 17% तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा फलदार पौधों को प्राथमिकता देते हुए जंगल से सटे गाँवों और जीविका समूहों से जुड़ी महिलाओं को निःशुल्क पौधे वितरित किए जा रहे हैं ताकि पर्यावरण के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर आर्थिक आत्मनिर्भरता भी बढ़े।

बालू घाटों की नीलामी प्रक्रिया तेज

बड़ी घाटों पर सरकार सख्त, आरक्षित राशि में हो सकता है संशोधन

निज संवाददाता | पटना

बिहार सरकार की ओर से देखने को मिल रही है, जहां खान एवं भूतत्व विभाग ने राज्य के बालू घाटों की नीलामी प्रक्रिया को फिर से गति दी है। खासकर उन बड़े घाटों पर फोकस किया जा रहा है, जिनकी नीलामी अब तक उच्च आरक्षित राशि या उनके आकार के कारण लंबित पड़ी थी।

हाल ही में उपमुख्यमंत्री एवं खान-भूतत्व मंत्री विजय कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में हुई विभागीय समीक्षा बैठक में नीलामी से वंचित रह गए घाटों की सूची पर विस्तार से चर्चा की गई। मंत्री ने साफ कहा कि यदि किसी घाट की ऊंची आरक्षित राशि नीलामी में बाधा बन रही है, तो उसमें यथासंभव संशोधन किया जाएगा।

उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने यह भी कहा कि घाटों की पारदर्शी और निष्पक्ष नीलामी सरकार की राजस्व नीति और स्थानीय विकास योजनाओं से सीधे तौर पर जुड़ी हुई है। इससे जहां एक ओर खनिज संसाधनों का व्यवस्थित दोहन होगा, वहीं दूसरी ओर अवैध खनन पर भी प्रभावी रोक लगाई जा सकेगी।

इस महत्वपूर्ण बैठक में विभागीय सचिव, निदेशक, और जिलों के खनिज विकास पदाधिकारी समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। बैठक में यह साफ संकेत दिया गया कि सरकार घाटों की नीलामी प्रक्रिया में अब किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं करेगी।

समयबद्ध नीलामी के निर्देश

उन्होंने सभी जिलों के सहायक निदेशक और खनिज विकास पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जिला प्रशासन से समन्वय बनाते हुए बालू घाटों की नीलामी को समयबद्ध ढंग से सुनिश्चित करें। साथ ही नीलामी की सूचनाओं को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए अखबारों में विज्ञापन देने का आदेश भी जारी किया गया है, ताकि अधिक बोलीदाता प्रक्रिया में भाग लें और राजस्व में वृद्धि हो।

एयरलाइन्स कंपनियों को डीजीसीए का बड़ा आदेश

सभी विमानों में चेक करें फ्यूल स्विच

एजेंसी | नई दिल्ली

अहमदाबाद के एयर इंडिया विमान हादसे पर एबीआईबी की शुरुआती जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद डीजीसीए ने एयरलाइन कंपनियों को बड़ा आदेश दिया है। डीजीसीए ने सभी रजिस्टर्ड विमानों के इंजन फ्यूल स्विच की अनिवार्य जांच के आदेश दिए हैं। यह जांच 21 जुलाई 2025 तक पूरी करनी होगी। डीजीसीए ने कहा है कि स्टेट ऑफ डिजाइन/मैन्युफैक्चर की तरफ से जारी किए गए एयरवर्दीनेस डायरेक्टिव्स के मुताबिक ही यह जांच अनिवार्य की जा रही है। डीजीसीए ने अपने आदेश में कहा कि कई अंतरराष्ट्रीय और घरेलू विमान ऑपरेटर्स ने निर्देशों के मुताबिक अपने विमानों की जांच शुरू कर दी है। एयरलाइन ऑपरेटरों को सलाह है कि वे 21 जुलाई तक अपनी जांच पूरी कर लें।

बिहार सहित कई राज्यों के हाईकोर्ट को मिले नए चीफ जस्टिस

पटना (नि.सं.)। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पटना हाई कोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस आशुतोष कुमार गुवाहाटी हाई कोर्ट, पटना हाई कोर्ट के वरिष्ठ जज विपुल एम पंचोली को पटना हाई कोर्ट और हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट के न्यायाधीश त्रिलोक सिंह चौहान को झारखंड हाई कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश बने बनाए जाने पर बनाने की अपनी अनुमति दे दी है। केंद्र सरकार ने इस संबंध में अधिसूचना भी जारी कर दिया है।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम द्वारा आश्रित हितलाभ का भुगतान

निज संवाददाता | पटना

कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) ने अपने सामाजिक सुरक्षा के वादों को निभाते हुए एक दिवंगत बीमित कर्मचारी के परिवार को आश्रित हितलाभ प्रदान किया। यह अवसर एक सादे लेकिन संवेदनशील समारोह में सामने आया, जब ईएसआईसी बिहार क्षेत्र के क्षेत्रीय निदेशक ए.सी.ए. निरंजन कुमार ने दिवंगत पिन्टु कुमार निराला की पत्नी संगीता कुमारी और पुत्री स्नेहा कुमारी को मासिक पेंशन और बकाया राशि का भुगतान किया। बता दें कि पिन्टु कुमार निराला, जो कि मेसर्स कॉन्स ऑफ पशुपतिनाथ डिस्ट्रीब्यूटर्स प्रा. लि. एवं सम्मान फाउंडेशन के अंतर्गत बेगूसराय में बतौर एम्बुलेंस ड्राइवर कार्यरत थे, उनकी मृत्यु 27 जनवरी 2023 को ड्यूटी के दौरान हुई थी। यह एक रोजगार चोट की श्रेणी में आता है, क्योंकि यह दुर्घटना कार्य के समय घटी थी। परिवार में वे ही एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे और पूरा परिवार उन पर निर्भर था।

पिन्टु कुमार की मृत्यु के बाद उनके नियोजक द्वारा ईएसआईसी को दुर्घटना की रिपोर्ट भेजी गई। इसके पश्चात निगम द्वारा जांच की गई और रोजगार चोट मानते हुए उनके परिजनों को आश्रित पेंशन योजना के तहत लाभ स्वीकृत किया गया। ईएसआई अधिनियम 1948 के प्रावधानों के अंतर्गत आश्रितों को प्रतिदिन 307 की दर से लगभग 9210 प्रतिमाह की पेंशन दी जाएगी। इसके अतिरिक्त दुर्घटना की तिथि से अब तक कुल 2,71,695 की बकाया राशि को भी सीधे उनके बैंक खाते में अंतरित किया जा रहा है। यह कदम न सिर्फ परिवार के लिए आर्थिक सहारा बना, बल्कि निगम की संवेदनशीलता और तत्परता को भी दर्शाता है। गौरतलब है कि ईएसआई अधिनियम, 1948 के अनुसार किसी भी बीमित कर्मचारी की कार्यस्थल या आवागमन के दौरान होने वाली मृत्यु को रोजगार चोट माना जाता है।

स्वास्थ्य मंत्रालय का फैसला, समोसे-जलेबी अब चेतावनी के साथ मिलेंगे

एजेंसी | नई दिल्ली

देश में मोटापा, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और दिल से जुड़ी बीमारियों के बढ़ते खतरे को देखते हुए अब आपके खाने की थाली पर भी नजर रखी जाएगी। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बड़ा कदम उठाते हुए सभी सरकारी दफ्तरों और संस्थानों की कैंटीनों में बिकने वाले खाद्य पदार्थों पर अब 'तेल और शक्कर' को लेकर चेतावनी देने का निर्देश दिया है। अब अगर आप समोसे, वड़ा पाव, जलेबी या लड्डू खा रहे हैं तो उनके साथ यह भी बताया जाएगा कि उनमें कितना तेल, कितनी शक्कर और कितनी कैलोरी है। यह व्यवस्था केंद्र सरकार के सभी मंत्रालयों, विभागों, स्वायत्त संस्थानों और यहां तक कि केंद्रीय विद्यालयों की कैंटीनों में भी लागू की जाएगी।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि देश में जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों में तेजी से इजाफा हो रहा है और इसका बड़ा कारण असंतुलित खानपान है। खासकर तली-भुनी चीजों और अत्यधिक मीठे खाद्य पदार्थों की अंधाधुंध खपत स्वास्थ्य के लिए बेहद नुकसानदेह है। इसी के मद्देनजर मंत्रालय ने अब कैंटीनों में बिकने वाले उत्पादों के पास साफ तौर पर यह लिखा जाना अनिवार्य कर दिया है कि उस वस्तु में कितना तेल और कितनी शक्कर है।

संक्षिप्त समाचार

रोटरी बोधगया रेजेंसी की बैठक, खेमका को दी श्रद्धांजलि

बोधगया। रोटरी बोधगया रेजेंसी की साप्ताहिक बैठक रविवार शाम को हुई। अध्यक्षता रोटेरियन मिथलेश कुमार ने की। शुरुआत में क्लब के वरिष्ठ सदस्य स्व. गोपाल खेमका के निधन पर शोक जताया गया। उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। रोटरी इंटरनेशनल के आर्थिस्टेट गवर्नर राजेश जी ने कहा, स्व. खेमका अद्भुत व्यक्तित्व के धनी थे। उनका योगदान रोटरी, उद्योग और समाजसेवा में यादगार रहेगा। बोधगया में उनकी सक्रियता हमेशा याद की जाएगी। बैठक में तय हुआ कि 20 जुलाई को संत कानन परिसर में 'सहेली केंद्र' का उद्घाटन होगा। यह केंद्र महिलाओं को प्रशिक्षण देकर स्वरोजगार के लिए तैयार करेगा। प्रशिक्षकों को तय दर से मानदेय मिलेगा। क्लब ने यह भी निर्णय लिया कि हर रोटेरियन 25 डॉलर वार्षिक अंशदान रोटरी इंटरनेशनल को देगा। बैठक में रोटेरियन मिलेन कुमार, राजेश कुमार राय, अखिलेश सिंह, देवेन्द्र शमी, राजू जी, सचिव अरविंद मेहता, सचिव वंदना देवी समेत कई सदस्य मौजूद रहे।

बोधगया में युवा शिक्षा सम्मान समारोह, मेधावी छात्र-छात्राओं को किया गया सम्मानित

बोधगया। राष्ट्रीय मुसहर-भुईयां विकास परिषद् की ओर से रविवार को बकरौर के एक निजी होटल में युवा शिक्षा सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। मकसद था समाज के पिछड़े वर्गों में शिक्षा के प्रति जागरुकता बढ़ाना और होनहार छात्रों को सम्मानित करना। कार्यक्रम की शुरुआत बिहार सरकार के लघु जल संसाधन मंत्री डॉ. संतोष कुमार मांझी ने दीप जलाकर की। मुख्य अतिथि सिकंदरा के विधायक प्रफुल्ल मांझी रहे। समारोह में सेनानी समाज विद्यालय की छात्राओं ने स्वागत गीत गाया। बच्चों ने नाटक के जरिए दशरथ मांझी की जीवनी प्रस्तुत की। अतिथियों ने कहा, शिक्षा ही सामाजिक बदलाव की कुंजी है। जब युवा शिक्षित होंगे, तभी समाज आगे बढ़ेगा। करीब 50 मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र, एसार का आईकोनिक टैब, लैपटॉप बैग और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। मंत्री संतोष मांझी ने कहा, भूईया-मुसहर समाज हर क्षेत्र में पिछड़ा है। इसे आगे लाना है। शिक्षा और शिक्षित होना अलग बात है। शिक्षा का मतलब है जागरूक होना। अपने अधिकार को जानना और समझना जरूरी है। बच्चों के भविष्य के लिए अभिभावकों को भी जागरूक होना होगा। उन्होंने कहा कि किताब के आगे झुकना पड़ेगा, तभी दुनिया हमारे आगे झुकेगी। शिक्षा ही तरक्की का रास्ता खोलती है। हमें पढ़ना है, ताकि समाज को आगे ले जा सकें। माता-पिता जो सपना देख रहे हैं, उसे पूरा करना है। कार्यक्रम का संचालन संतोष सागर ने किया। मौके पर हम पार्टी के जिलाध्यक्ष नारायण मांझी, ई. नंदलाल मांझी, राम सेहनिल मांझी, मुकेश मांझी, शंकर मांझी, सुधीर यादव, रामजी मांझी समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सत्संग जीवन को सही दिशा में ले जाने का माध्यम

राजगीर। संत निरंकारी मिशन द्वारा रविवार को सत्संग का आयोजन किया गया। सत्संग के दौरान ब्रांच के मुखी रामविलास महात्मा ने श्रद्धालुओं को संबोधित किया और उन्हें आध्यात्मिक जीवन के महत्व के बारे में बताया। सत्संग जीवन को सकारात्मक दिशा में ले जाने का एक माध्यम है। उन्होंने बताया कि सत्संग का आयोजन मिशन द्वारा नियमित रूप से किया जाता है। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने एक दूसरे को नमस्कारी किया और संत निरंकारी मिशन ब्रांच के सेवा कार्यों के बारे में जानकारी प्राप्त की।

गांव-गांव पहुंचकर जनसमस्याएं सुन रहे विधायक कुमार सर्वजीत

बोधगया। बोधगया प्रखंड के ग्राम ख़राटी, टिकुना, बगदाहा और बलजोरी में आज एक अलग ही दृश्य देखने को मिला, जब क्षेत्रीय विधायक एवं बिहार सरकार के पूर्व कृषि मंत्री कुमार सर्वजीत ने ग्रामीण जनता से सीधा संवाद किया। विधायक जी ने गांववासियों की समस्याएं सुनीं, कई मुद्दों पर तुरंत संबंधित पदाधिकारियों से फोन पर बात कर निर्देश दिए और आश्वासन दिया कि जनता की हर परेशानी का समय पर समाधान किया जाएगा। जनसंपर्क कार्यक्रम के दौरान ग्रामवासियों ने भव्य स्वागत किया। "कुमार सर्वजीत जिंदाबाद" के नारों से गांव की गलियां गूंज उठीं। महिलाएं, युवा, बुजुर्ग और जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सबने विधायक जी को स्नेह, आशीर्वाद और समर्थन से भर दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्री सर्वजीत ने कहा कि आप सबों के प्रेम, दुलार और आशीर्वाद से ही मैं जनता की सेवा कर पा रहा हूँ। मेरे पूर्वजों से जो संस्कार मिले हैं, वे जनसेवा के हैं और जब तक जीवन है, मैं इसी कर्तव्य पथ पर चलता रहूंगा। बस आपका सहयोग और आशीर्वाद बना रहे , यही मेरी कामना है। ग्रामीणों ने कहा कि विधायक जी ने जमीनी स्तर पर काम किया है और उनकी उपलब्धियों को हर कोई महसूस कर सकता है। विकास, संवाद और समाधान की यही भावना आज उन्हें हर दिल अज़ीज़ बना रही है।

राजगीर विधानसभा में कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन

नालंदा। नालंदा जिले के दीपनगर स्थित वास्तु बिहार के निकट राजगीर विधानसभा का एक महत्वपूर्ण कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने पार्टी की नीतियों और भविष्य की योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। सम्मेलन में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के ऑब्जर्वर और छत्तीसगढ़ के पूर्व मंत्री बिनोद चंद्राकर, महिला प्रभारी उषा चौबे विशेष रूप से उपस्थित रहे। राजगीर के पूर्व विधायक और कांग्रेस प्रत्याशी रवि ज्योति सहित जिला कांग्रेस कमेटी के सभी पदाधिकारी और विधानसभा के चारों प्रखंडों के प्रखंड अध्यक्ष भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

माई बहन योजना की घोषणाः अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य दिलीप कुमार ने इस अवसर पर कांग्रेस पार्टी की महत्वाकांक्षी 'माई बहन योजना' के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि जब बिहार में कांग्रेस की सरकार बनेगी तो इस योजना के तहत प्रदेश की 18 साल से अधिक आयु की सभी महिलाओं को प्रति माह 2500 रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। इस योजना की कोई आयु सीमा नहीं है और 50, 70 या 80 वर्ष की महिलाएं भी इसका लाभ उठा सकेंगी। दिलीप कुमार ने बताया कि यह योजना पहले से ही दक्षिण भारत में 'अम्मा योजना' के नाम से और झारखंड में अलग नाम से चल रही है। उन्होंने कहा की जिस घर में चार महिलाएं हैं, उन्हें 10,000 रुपए महीना उनके घर के राशन और खर्च के लिए दिया जाएगा। यह एक बहुत बड़ी बात है।

महिला सशक्तिकरण पर विशेष जोरः महिला प्रभारी उषा चौबे ने महिला सशक्तिकरण के मुद्दे पर विशेष जोर दिया। उन्होंने घोषणा की कि वे गांव-गांव जाकर महिलाओं को जागरूक करेंगी और उनके बीच बैठकें आयोजित करेंगी। उन्होंने प्रियदर्शिनी उड़ान योजना का भी जिक्र किया, जिसके तहत महिलाओं को सैनिटरी पैड वितरित किए जाएंगे और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी दी जाएगी।

रवि ज्योति के लिए टिकट की मांगः सम्मेलन में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक संदेश भी दिया गया। दिलीप कुमार ने कहा कि पूरे क्षेत्र की जनता और कांग्रेस कार्यकर्ता तथा महागठबंधन के सभी सदस्य रवि ज्योति के लिए तैयार हैं। उन्होंने पार्टी प्रभारी से अनुरोध किया कि निष्पक्ष रूप से देखते हुए रवि ज्योति को यहां से चुनाव में टिकट दिया जाए ताकि यहां की जनता इन्हें विधायक के रूप में नहीं, बल्कि कांग्रेस पार्टी के एक प्रतिनिधि के रूप में देख सके। इस कार्यक्रम में महिलाओं की भागीदारी विशेष रूप से उल्लेखनीय थी। कार्यकर्ताओं ने अपने विचार रखे और पार्टी की नीतियों को जमीनी स्तर तक पहुंचाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता जताई। सम्मेलन में कार्यकर्ताओं ने इन योजनाओं को गांव-गांव और बूथ-बूथ तक पहुंचाने की रणनीति पर भी चर्चा की।

गयाजी में आकाशीय बिजली से 3 की मौत

गया। गया में रविवार की शाम आकाशीय बिजली गिरने से 3 की हो गई है। एक गंभीर रूप से झुलस गया है। घायल और मरने वाले दो युवक एक बाइक पर सवार थे। तीनों सूरजमंडल से गुजर रहे थे, इसी दौरान बिजली गिरी, 2 ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। मृतकों में अंकित कुमार और विनेश कुमार शामिल हैं। वहीं, घायल वकील मांझी को इलाज के लिए मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया गया है। वहीं, तीसरी मौत दूसरी जगह हुई है। नीमचक बथानी अनुमंडल के अतरी प्रखंड के अभयपुर गांव में बिजली गिरने से 65 वर्षीय वृद्ध की मौत हो गई। वे भैंस चरा कर घर लौट रहे थे।

आहर में डूबे तीन किशोर दो की मौत, एक लापता

निज संवाददाता। गयाजी

जिले के मेडिकल थाना क्षेत्र अंतर्गत काजी चौक इलाके में सोमवार को दर्दनाक हादसा हुआ, जब नहाने के लिए गए चार किशोरों में से तीन गहरे पानी में डूब गए। घटना में दो सगे भाइयों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य किशोर अब तक लापता है। मौके पर पहुंची एसडीआरएफ की टीम उसकी तलाश में जुटी है। चौथा किशोर किसी तरह अपनी जान बचाने में सफल रहा। मृतकों की पहचान काजीचक गांव निवासी इरशाद और बिरशाद के रूप में हुई है। दोनों सगे भाई थे और उम्र करीब 15 वर्ष बताई जा रही है। तीसरे किशोर का नाम फैयाज है, जो अभी तक लापता है। चारों किशोर गांव के ही एक आहर (पानी भरा तालाबनुमा जलस्रोत) में दोपहर करीब दो बजे नहाने गए थे। अनुमान है कि नहाते-नहाते वे गहरे पानी में चले गए और एक-एक कर डूबने लगे।

चश्मदीद ने सुनाई दर्दनाक दास्तान : एकमात्र बचे किशोर ने गांव में जाकर शोर मचाया, जिसके बाद ग्रामीण घटनास्थल पर दौड़े आए। गांव के ही लालू कुमार ने बहादुरी दिखाते हुए आहर में गोता लगाया और दो किशोरों के शव बाहर निकाले। यह दृश्य देख गांव में कोहराम मच गया। घटना की सूचना मिलते ही मेडिकल थाना की पुलिस, चंदौती प्रखंड के बीडीओ राकेश कुमार और सीओ राजेश सिंह मौके पर पहुंचे। फिलहाल एसडीआरएफ की टीम डेढ़ घंटे से आहर में लापता किशोर फैयाज की तलाश कर रही है। चंडौती बीडीओ राकेश कुमार ने बताया, "घटना अत्यंत दुखद है। एसडीआरएफ के गोताखोरों की टीम लगातार तलाशी अभियान चला रही है।

मृतकों के शव पोस्टमॉर्टम के लिए मगध मेडिकल कॉलेज भेज दिए गए हैं। दोनों मृत किशोरों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सगे भाइयों की एक साथ मौत से गांव में शोक की लहर है। स्थानीय लोग प्रशासन से पीड़ित परिवारों को मुआवजा और उचित सहायता देने की मांग कर रहे हैं। गांव के ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जिन आहरों या जलाशयों में नहाने पर खतरा है, वहां सुरक्षा इंतजाम किए जाएं और चेतावनी बोर्ड लगाए जाएं, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।

स्कॉर्पियो से घूमने निकले 7 दोस्त हादसे के शिकार

निज संवाददाता। नालंदा

♦ खड़े ट्रक में मारी टक्कर, घायल सभी लड़कों को चंडी रेफरल अस्पताल में कराया एडमिट

नालंदा के चंडी थाना क्षेत्र के एसएच 78 बिहटा-सरमेरा टू-लेन पर भीमसेन पर मोड़ के पास रविवार की रात ट्रक और स्कॉर्पियो की जोरदार टक्कर में स्कॉर्पियो पर सवार सात लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। स्थानीय लोगों व पुलिस की मदद से सभी घायलों को इलाज के लिए रेफरल अस्पताल चंडी में भर्ती कराया। घायलों की पहचान चंडी निवासी निकेत कुमार, रोहित कुमार, आकाश कुमार, मनीष कुमार, पीयूष कुमार, उदित राय, राजा कुमार के रूप में की गई है।

खड़े ट्रक में पीछे से घुसी स्कॉर्पियोः जानकारी के अनुसार स्कार्पियो पर सवार होकर सात दोस्त घूमने निकले थे। इसी दौरान चंडी थाना क्षेत्र के भीमसेन पर मोड़ के समीप सड़क किनारे खड़ी ट्रक में स्कॉर्पियो ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी, जिसमें स्कॉर्पियो सवार सभी लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। वहीं घायलों को इलाज के लिए रेफरल अस्पताल चंडी लाया गया। जहाँ घटना के बाद आसपास के स्थानीय लोग अस्पताल में जुट गए। गम्भीर रूप से घायलों को बेहतर इलाज के लिए बिहार शरीफ़ एवं पटना रेफर कर दिया गया। चंडी थानाध्यक्ष सुमन कुमार ने बताया कि खड़े ट्रक में स्कॉर्पियो ने पीछे से टक्कर मार दी। जिससे स्कॉर्पियो पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया और स्कॉर्पियो पर सवार लोग जख्मी हो गए। वहीं घटना के बाद ट्रक चालक गाड़ी समेत मौके से फरार हो गया।

नालंदा जिले में खुलेआम हथियार लहराने वाला अरेस्ट

निज संवाददाता। नालंदा

♦ सोशल मीडिया पर वीडियो हुआ था वायरल, दूसरे के घर में कट्टा छिपाकर रखा था

नालंदा में खुलेआम हथियार लहराने वाले 2 युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जिसकी पहचान बिहार थाना क्षेत्र के खंदकपर निवासी चंदन कुमार और कारू पासवान के तौर पर हुई है। हथियार लहराते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। कारू पासवान 10 जुलाई की शाम में दोनों हाथों में हथियार लेकर गली में घूम रहा था। फिर अचानक भीड़भाड़ वाली सड़क पर भी आ जाता है। दोनों हाथों में हथियार लहराते हुए गाली गलौज कर रहा था। एक घर के दरवाजे को वह जोर-जोर से पिटता हुआ भी दिखाई दिया था। पूरी वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई थी।

हथियार दूसरे के घर में छिपाकर रखा थाः थानाध्यक्ष सम्राट दीपक ने बताया कि 12 जुलाई को सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था। दोनों हाथों में कट्टा लहरा रहा था। जिसकी पहचान कारू पासवान के तौर पर हुई। बिहार थाना में पदस्थापित रौशन कुमार के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन किया गया। खंदकपर से कारू पासवान को पकड़ा गया। निशानदेही पर चंदन कुमार के घर से कट्टा मिला। दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है। आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज किया गया है।

डीपीएस गया में राज्यपाल आरिफ़ मोहम्मद ख़ान का आगमन, मेधावी छात्रों को किया सम्मानित

निज संवाददाता। गयाजी

दिल्ली पब्लिक स्कूल, गया के लिए 14 जुलाई 2025 का दिन ऐतिहासिक और अत्यंत गौरवपूर्ण रहा, जब बिहार के राज्यपाल आरिफ़ मोहम्मद ख़ान विद्यालय के विशेष आमंत्रण पर पधारे। उनके आगमन ने पूरे विद्यालय परिसर को गर्व और उल्लास से भर दिया। यह अवसर था 'एक्सीलेंस अचीवमेंट अवार्ड सेरेमनी 2025' का, जिसका आयोजन विद्यालय द्वारा उन छात्र-छात्राओं को सम्मानित करने के लिए किया गया था, जिन्होंने शैक्षणिक, खेल, सांस्कृतिक और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया था। राज्यपाल महोदय ने मुख्य अतिथि के रूप में समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भारत सदियों से ज्ञान, संस्कृति और नैतिक मूल्यों की धरती रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल अंकों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह एक ऐसा माध्यम है जो व्यक्ति को विचारशील, नैतिक और समाज के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनाता है। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे अपनी क्षमताओं को पहचानें और जीवन में लक्ष्य प्राप्ति हेतु ईमानदारी से प्रयास करें। राज्यपाल ने डीपीएस गया की शिक्षण गुणवत्ता, अनुशासन और शैक्षणिक वातावरण की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे विद्यालयों में अध्ययन कर छात्र केवल परीक्षा पास नहीं करते, बल्कि एक बेहतर इंसान के रूप में तैयार होते हैं। उन्होंने सभी पुरस्कार प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं और उन्हें प्रेरित किया कि वे देश के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। समारोह में विद्यालय के निदेशक श्री संजीव कुमार ने राज्यपाल महोदय का स्वागत करते हुए उन्हें विद्यालय की उपलब्धियों और शैक्षणिक यात्रा की जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने माननीय अतिथि को स्मृति-चिह्न भेंट कर उनका आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का एक और विशेष आकर्षण था विद्यालय के छात्रों द्वारा प्रस्तुत बिहार की सांस्कृतिक विरासत और योग पर आधारित आकर्षक नृत्य-प्रस्तुति, जिसे उपस्थित अतिथियों और अभिभावकों ने खूब सराहा। रंग-बिरंगे परिधानों और भावपूर्ण अभिव्यक्ति के माध्यम से बच्चों ने न केवल अपनी प्रतिभा दिखाई, बल्कि बिहार की गौरवशाली परंपराओं को भी जीवंत कर दिया। समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ, जिसमें सभी उपस्थितगणों ने एक स्वर में राष्ट्र के प्रति अपनी आस्था और प्रतिबद्धता व्यक्त की।

निशुल्क बीपीएससी कोचिंग के लिए आवेदन की तारीख बढ़ीं

निज संवाददाता। गयाजी

♦ 14 जुलाई की प्रवेश परीक्षा स्थगित, अब अभ्यर्थी 19 जुलाई तक आवेदन कर सकते है

अल्पसंख्यक समुदाय के युवाओं के लिए राहत भरी खबर। बिहार सरकार की एक और बीपीएससी की तैयारी करने वालों को बड़ी राहत दी है। निशुल्क कोचिंग के लिए 19 जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं। खास बात यह कि अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, बिहार सरकार के बिहार राज्य हज समिति, पटना की ओर से संचालित राज्य अल्पसंख्यक कोचिंग योजना में बीपीएससी की 71वीं संयुक्त (प्रारंभिक) परीक्षा की तैयारी के लिए निःशुल्क ऑनलाइन कोचिंग का मौका दिया जा रहा है। दरसल इस योजना के तहत इच्छुक अभ्यर्थियों से 12 जुलाई, 2025 तक ऑफलाइन आवेदन मांगे गए थे। जिले के अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी कार्यालय में आवेदन जमा करने की अंतिम तारीख पर बड़ी संख्या में छात्र पहुंचे थे। इस बीच कई छात्रों ने समय कम रहने की वजह से आवेदन तिथि बढ़ाने की मांग की थी। इसे देखते हुए विभाग ने आवेदन लेने की तिथि में एक सप्ताह का विस्तार कर दिया है। अब अभ्यर्थी 19 जुलाई, 2025 तक अपने आवेदन जमा कर सकेंगे। इस बात की जानकारी गया जिले के अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के अधिकारी राहुल कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि मुख्यालय स्तर से यह निर्णय लिया गया है।

आवेदन की तारीख बढ़ने की वजह से प्रवेश परीक्षा को किया स्थगितः आवेदन तिथि बढ़ने के कारण 14 जुलाई, 2025 को होने वाली प्रवेश परीक्षा को भी स्थगित कर दिया गया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि प्रवेश परीक्षा की अगली तिथि की जानकारी जल्द ही छात्रों के साथ साझा की जाएगी। अल्पसंख्यक कल्याण पदाधिकारी राहुल कुमार ने बताया कि मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, बिहार राज्य हज समिति, पटना ने अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार न करें और जल्द से जल्द अपने आवेदन जमा कर दें, ताकि आगे की प्रक्रिया में कोई दिक्कत न हो।

सनातन की रक्षा के लिए एकजुटता का संकल्प

निज संवाददाता। गयाजी

विकसित गयाजी और संगठित हिंदू संस्था की ओर से स्वराजपुरी रोड स्थित एक धर्मशाला में सभा हुई। इसमें सनातन की रक्षा और समाज के दुख को अपना दुख समझने की अपील की गई। साथ ही यह तय किया गया कि धर्म विरोधी का बहिष्कार किया जाएगा। इसके अलावा सनातनी बच्चों को अच्छे और संस्कारी स्कूलों में पढ़ाने की मुहिम चलाने पर भी चर्चा हुई। सभा की अध्यक्षता संस्था के संयोजक और भाजपा के वरीय नेता रूपेश वर्मा ने की। सभा में पहुंचे सनातनियों ने कहा कि संगठन को किसी भी विपत्ति के दौरान समय पर सूचना देने और सभी सदस्य एकजुट होकर ताकत दिखाएं। तभी संगठन का उद्देश्य पूरा होगा। वक्ताओं ने कहा कि संगठन का सम्पर्क अभियान तेज हो और गयाजी के हित में काम हो।

च्चों को अच्छे स्कूलों में शिक्षा दिलाने की कोशिश होगीः संयोजक रूपेश वर्मा ने कहा कि कई हिंदू संगठन सनातनियों के साथ होने वाली समस्या के दौरान सक्रिय तो होते हैं पर कुछ दूर चल कर घर बैठ जाते हैं। इससे सनातनी समाज के बेहतर भविष्य की कल्पना नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि विकसित गया जी संगठित हिंदू संस्था का उद्देश्य गया जी का विकास और सनातनियों की एकजुटता है। उन्होंने कहा कि समाज के दुख को अपना दुख समझकर ही मजबूती लाई जा सकती है। तभी सनातनियों का सपना पूरा होगा। सभा में शहर के सभी वार्डों से लोग पहुंचे। सभा में यह तय किया गया कि सनातनी बच्चों को अच्छे स्कूलों में शिक्षा दिलाने की कोशिश होगी, ताकि उनका भविष्य संस्कारी और धर्मपरायण बन सके।

भामाशाह सम्मान समारोह सह चेतना सभा का आयोजन, कई मुद्दों पर चर्चा

निज संवाददाता। नालंदा

शहर के टाउन हॉल में रविवार को जिला तैलिक वैश्य महासभा द्वारा भामाशाह सम्मान समारोह सह तैलिक वैश्य चेतना सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाज को संगठित करने के उद्देश्य से विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने एक मंच साझा करते हुए सामाजिक विकास पर चर्चा की। समारोह में जदयू नेता प्रदुमन कुमार, राजद नेता अनिल कुमार अकेला, जदयू नेता शंकर कुमार एवं भाजपा नेता शैलेन्द्र कुमार ने संयुक्त रूप से समाज में फैली उपजातीय विभाजन पर चिंता जताते हुए कहा कि समाज को तोड़ने वालों से सतर्क रहना होगा। उन्होंने कहा कि समाज की मजबूती आपसी एकता में निहित है।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए शिक्षाविद प्रो. अनिल कुमार गुप्ता ने कहा कि यदि हम राजनीतिक चर्चाओं की बजाय बच्चों के शैक्षणिक विकास पर ध्यान दें, तो समाज का समग्र विकास संभव है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज को नई दिशा मिलती है। किया गया सम्मानित इस अवसर पर शैक्षणिक, सामाजिक एवं राजनीतिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाज के लोगों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं की भागीदारी भी उल्लेखनीय रही।समारोह में उपस्थित लोगों ने बिहारशरीफ में भामाशाह की प्रतिमा स्थापित करने की मांग की। शूरवीर भी थे भामाशाह : भाजपा महामंत्री शैलेन्द्र कुमार ने कहा कि भामाशाह केवल दानवीर ही नहीं, बल्कि महान शुरवीर भी थे। उन्होंने कहा कि उनके जीवन से प्रेरणा लेकर समाज को संगठित करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने सफल बच्चों को सम्मानित करना उनके मनोबल को बढाने वाला कहा। जदयू नेता शंकर कुमार ने कहा कि जब समाज संगठित होता है तो उसे तोड़ने वाले भी सक्रिय हो जाते हैं।

सोमनाथ सिद्धनाथ मंदिर में जलाभिषेक के लिए उमड़ी भीड़

नालंदा । श्रावण मास के चौथे दिन की पहली सोमवारी पर नालंदा जिले के राजगीर में शिवालयों में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी है। वैभार गिरी पर्वत पर स्थित बाबा सोमनाथ सिद्धनाथ महादेव मंदिर में जलाभिषेक के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचे हैं। बाबा भोलेनाथ के दर्शन के लिए सुबह से ही लंबी कतारों में लगे हुए हैं। प्रशासन की ओर से श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। पुलिस टीम के साथ स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मौजूद हैं। पर्वत पर चढ़ाई के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पानी की व्यवस्था भी की गई है। देवघर के बाद राजगीर को बिहार का दूसरा सबसे बड़ा शिव तीर्थ माना जाता है। हजारों श्रद्धालु दूर-दराज इलाकों से पहुंचे और वैभार गिरी पर्वत की कठिन चढ़ाई करके महादेव के दर्शन किए। इस मंदिर का इतिहास महाभारत काल से है। पुराणों के अनुसार, सम्राट जरासंध के पिता राजा बृहद्रथ ने पुत्र रत्न की प्राप्ति के लिए इस पर्वत पर बाबा सोमनाथ महादेव शिवलिंग की स्थापना की थी। मान्यता है कि स्वयं सम्राट जरासंध इसी पर्वत पर स्थित भेलवाडोल तालाब में प्रतिदिन स्नान करके शिव की पूजा-अर्चना करते थे। श्रद्धालुओं को ब्रह्म कुंड परिसर से 531 सीढ़ियों की चढ़ाई करनी पड़ती है। इस कठिन यात्रा के बावजूद भक्त पूरे परिवार के साथ पहुंचते हैं। श्रद्धालु गर्म कुंड में स्नान करके पवित्र जल लेकर महादेव के जलाभिषेक के लिए निकलते हैं।

जीर्णोद्धार की मांगः मंदिर की वर्तमान स्थिति चिंताजनक है। स्थानीय लोग लंबे समय से सरकार से मंदिर के जीर्णोद्धार की मांग कर रहे हैं। मंदिर की दयनीय स्थिति के बावजूद श्रद्धालुओं की आस्था में कोई कमी नहीं आई है।

पूर्व मध्य रेल

ई. निविदा सूचना

ई–निविदा नोटिस सं०–20 ऑफ 2025–26/ खुला/ इंजीनियरिंग, डीडीयू

मंडल रेल प्रबंधक/इंजीनियरिंग/डीडीयू एवं भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से अनुभवी तथा वित्तीय एवं तकनीकि दृष्टि से सम्पन्न ठेकेदारों के साथ–साथ उन ठेकेदारो से जो रेलवे, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, भारत संचार निगम लिमिटेड, मिलिटरी इंजीनियर सर्विस, लोक निर्माण विभाग तथा अन्य सार्वजनिक उपक्रमों में सूचीबद्ध है, निम्नलिखित कार्य के लिए ऑन लाईन (ई–निविदा) आमंत्रित की जाती है।

1. **निविदा सं०–12–डीडीयू–व०मं०इंजी०–II–25–26, कार्य का नाम एवं लोकेशन :** डीडीयू डिवीजन में सासाराम के 04 यूनिट टाइप–II क्वार्टरों का प्रतिस्थापन। **कार्य का अनुमानित लागतः** ₹ 7230623.80, **धरोहर राशि :** ₹ 144600.00,
2. **निविदा सं०–13–डीडीयू–व०मं०इंजी०–II–25–26, कार्य का नाम एवं लोकेशन :** गया जंक्शन – कोचिंग डिपो गया के पिट नंबर 2 पर वंदे भारत और अमृत भारत के रखरखाव के लिए बुनियादि ढ़ांचे की सुविधा का निर्माण। **कार्य का अनुमानित लागतः** ₹ 11380486.92, **धरोहर राशि :** ₹ 206900.00, **ई–निविदा बन्द होने की तिथि एवं समयः** 31.07.2025 को 12:00 बजे तक। **वेबसाईट पर ई–निविदा की विस्तृत जानकारी :** www.ireps.gov.in **नोट :** विवाद की स्थिति में अंग्रजी पाठ मान्य होगा।

मंडल रेल प्रबन्धक, पं० दीन दयाल उपाध्याय
पीआर/577/डी०डी०यू०/ईएनजीजी/टी/25–26/40

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

पुलिस ने कुर्की वारंटी को किया गिरफ्तार

काराकाट (रोहतास) (नि.सं.)। काराकाट पुलिस ने कुर्की वारंटी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। थानाध्यक्ष भागीरथ कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र अंतर्गत बेदवलिया निवासी स्वर्गीय मथुरा सिंह के पुत्र श्याम बिहारी सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध बिक्रमगंज व्यवहार न्यायालय से वारंट निर्गत था। जिसे गिरफ्तार कर जांच के उपरांत जेल भेज दिया गया।

सावन की पहली सोमवारी पर शिवमय हुआ रोहतास

सासाराम (रोहतास) (नि.सं.)। जिले के सभी क्षेत्र समेत आसपास के गांवों और शहरों में सावन की पहली सोमवारी पर आस्था की बाढ़ सी आ गई। सोमवार की अहले सुबह से ही शिवालयों के कपाट खुलते ही भोलेनाथ के भक्तों की कतारें उमड़ पड़ीं। हर दिल में आस्था, हर हाथ में गंगाजल और हर जुबां पर "बम-बम भोले" का जयघोष गूंजता रहा। डेहरी के सोन नदी के तट पर विराजमान झारखंडी मंदिर, डेहरी सिंचाई विभाग, भैसहां शिव मंदिर, सासाराम नगर में अवस्थित शिव मंदिर एवं कस्तर महादेव मंदिर से लेकर नगर परिषद बिक्रमगंज के धारुपुर वार्ड संख्या 19, 20 एवं 21 स्थित शिव मंदिर, सासाराम रोड डीएसपी आवास समीप शिव मंदिर,आरा रोड शिव मंदिर, धनगाई के बुढ़वा महादेव मंदिर में भक्तों की भीड़ देखते ही बन रही थी। वहीं काराकाट प्रखंड के काराकाट बाजार स्थित शिव मंदिर, प्रखंड मुख्यालय गोड़ारी के बकस बाबा, बुढ़वा महादेव मंदिर, कछवां के प्रसिद्ध बुढ़वा महादेव मंदिर और देव मार्कण्डेय के ऐतिहासिक शिव मंदिर समेत क्षेत्र के सैकड़ों शिवालयों में सुबह से ही जलाभिषेक का पावन क्रम निरंतर चलता रहा। श्रद्धालुओं ने बाबा को गंगाजल, दूध, बेलपत्र, भांग और धतूरा अर्पित कर सुख-शांति और परिवार की मंगलकामना की। सावन की पवित्र सोमवारी पर मंदिर परिसर आस्था की अलौकिक सजावट से दमक रहे थे। तोरण द्वारों से सजे मार्ग, फूलों की मालाओं और रंग- बिरंगी लाइटों से सजे शिवालय भक्तों को दिव्य अनुभूति दे रहे थे। पूरा वातावरण 'हर-हर महादेव' और 'बोल बम' के नारों से शिवमय हो उठा। स्थानीय पूजा समितियों, युवाओं और समाजसेवियों ने भी शिवभक्तों की सेवा में कोई कमी नहीं छोड़ी। जगह- जगह शीतल जल, शरबत, फल और प्रसाद वितरण की व्यवस्था कर श्रद्धालुओं की थकान मिटाई। सावन की इस पहली सोमवारी पर उमड़ी भीड़ और अपार आस्था ने साबित कर दिया कि आस्था की डोर आज भी लोगों को बाबा भोलेनाथ से गहराई से जोड़े हुए है। श्रद्धा, भक्ति और सेवा के इस अनूठे संगम ने पूरे क्षेत्र को एक दिन के लिए शिवमय बना दिया।

सिपाही भर्ती परीक्षा 16 व 20 जुलाई को

सासाराम (रोहतास) (नि.सं.)। केंद्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती) बिहार पटना द्वारा दिनांक 16 जुलाई 2025 एवं दिनांक 20 जुलाई 2025 को रोहतास जिला में एकल पाली में 12:00 बजे मध्यान्ह से 2:00 बजे अपराह्न तक बिहार पुलिस में सिपाही पद के लिए लिखित परीक्षा आयोजित की गयी है। रोहतास में दिनांक 16.07.2025 को सासाराम एवं डेहरी के कुल 29 केंद्रों पर परीक्षा आयोजित की गई है। जबकि दिनांक 20.07.2025 को भी सासाराम एवं डेहरी के 29 केन्द्रों पर परीक्षा आयोजित की गयी है। अभ्यर्थियों का रिपोर्टिंग टाइम सुबह 9.38 बजे से है। शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त परीक्षा आयोजन के मद्देनजर आज मल्टीपर्पस हॉल फजलगंज में जिला पदाधिकारी, रोहतास एवं पुलिस अधीक्षक, रोहतास के द्वारा परीक्षा में प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों की ब्रीफिंग की गई। उन्होंने कहा की परीक्षा शांतिपूर्ण वातावरण में स्वच्छ कदाचार रहित संचालित हो। परीक्षा संचालन से संबद्ध सभी पदाधिकारी एवं केंद्राधीक्षक पूरी तत्परता एवं निष्ठा से कार्य करेंगे और यह उनकी जिम्मेदारी होगी कि कदाचार रहित परीक्षा संचालन कराएं। किसी भी परीक्षा केंद्र पर कोई शिकायत मिली तो उस केंद्र के केंद्राधीक्षक, विक्षकगण, प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों के विरुद्ध भी कार्रवाई की जाएगी। प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर सीसीटीवी लगे होंगे। वीडियोग्राफी की व्यवस्था की गई है तथा जैमर भी लगाए जाएंगे।

खनन पर सख्ती, 52 वाहन जब्त

निज संवाददाता | सासाराम (रोहतास)

जिला पदाधिकारी, रोहतास की अध्यक्षता में जिलास्तरीय खनन टास्क फोर्स की बैठक सम्पन्न की गई, जिसमें रोहतास जिला के जिलास्तरीय खनन टास्क फोर्स के सभी सदस्यों ने भाग लिया। उक्त बैठक में खनिज विकास पदाधिकारी, रोहतास द्वारा बताया गया कि, रोहतास जिला के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए कुल-34535.76 लाख रूपया का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसमें दिनांक 01.04.2025 से 12.07.2025 तक कुल 3892.14 लाख रुपए की वसूली हुई है। जिला पदाधिकारी, रोहतास द्वारा विभाग से प्राप्त लक्ष्य के विरूद्ध शत्प्रतिशत वसूली हेतु निर्देशित किया गया। खनिज विकास पदाधिकारी, रोहतास द्वारा बताया गया कि रोहतास जिलान्तर्गत वर्तनान में 20 बालूघाटों में से कुल - 09 बालूघाट संचालित है। जिलान्तर्गत प्रत्यार्पित कुल 05 बालूघाटों यथा-रोहतास सोन ब्लॉक – 01, 02, 06, 10 15 एवं बंदोबस्ती राशि के किस्तों का भुगतान नहीं किये जाने के कारण कुल - 02 बालूघाट यथा-रोहतास सोन ब्लॉक - 01 एवं 12 की पुनः ई-नीलामी हेतु कार्रवाई की जा रही है। साथ ही बालूघाट संख्या - रोहतास सोन ब्लॉक - 16 का मामला माननीय उच्च न्यायालय, पटना में विचाराधीन है एवं कुल 03 बालूघाट यथा - रोहतास सोन ब्लॉक - 8, 9A, 9B की पर्यावरणीय स्वीकृति (EC) प्राप्त करने हेतु SEIAA, Bihar Patna में मामला प्रक्रियाधीन है। अवैध खनन, परिवहन एवं भण्डारण के बिन्दू पर खनिज विकास पदाधिकारी, रोहतास द्वारा बताया गया कि वित्तीय वित्तीय वर्ष 2025-26 में दिनांक - 12.072025 तक कुल - 724 छापेमारी करते हुए 32 प्राथमिकी दर्ज की गयी है, जिसमें कुल 52 वाहनों को जप्त करते हुए 66.39 लाख रूपये जुर्माना के रूप में वसूली की गई है। तत्पश्चात् समाहर्त्ता, रोहतास द्वारा सभी संबंधित पदाधिकारी को नियमित रूप से छापेमारी को बढ़ाने एवं अवैध खनन, परिवहन एवं भण्डारण से संबंधित की कार्रवाई का सप्ताहिक प्रतिवेदन उपलब्ध कराने हेतु निदेशित किया गया। खनिज विकास पदाधिकारी, रोहतास द्वारा बताया गया की वर्तमान में रोहतास जिलान्तर्गत कुल -09 बालूघाटों के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति में वर्णित प्रावधानों के आलोक में दिनांक - 15.06.2025 से 15.10.2025 तक बालूघाटों पर बालू खनन पर्यावरणीय हित में पूर्णत प्रतिबंधित रहेगा, जिसके आलोक में जिलान्तर्गत बालू बंदोबस्तधारियों द्वारा बालूघाट पर वर्षा ऋतु में बालू की बिक्री हेतु नदी तट / बांध से 300 मीटर दूरी (सेकेन्ड्री लोडिंग स्थल) तक बालू का भंडारण किया जा रहा है, जिससे वर्षा ऋतु में सुगमता पूर्वक उचित मूल्य पर कार्य विभागों एवं आमजन को बालू उपलब्ध कराया जायेगा। रोजगार सृजन के दृष्टिकोण से रोहतास जिलान्तर्गत बालू एव गिट्टी के भडारण एव बिक्री हेतु कुल 30 गडारण अनुज्ञप्ति निर्गत है, जिससे भी वर्षा ऋतु में कार्य विभाग / आमजन द्वारा बालू का क्रय किया जा सकता है।

विभिन्न मामले में दो अभियुक्त गिरफ्तार

बिक्रमगंज (रोहतास) (नि.सं.)। बिक्रमगंज एवं राजपुर पुलिस ने अलग-अलग मामले में दो अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। बिक्रमगंज थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र अंतर्गत भड़कुडिया (दुर्गाडीह)निवासी अशोक राम को शराब सेवन के मामले में गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध संबंधित मामला दर्ज करते हुए जेल भेज दिया गया। तो वहीं दूसरी ओर राजपुर पुलिस ने थाना क्षेत्र अंतर्गत राजपुर निवासी स्वर्गीय कल्लू मियां के पुत्र लल्लू मियां को गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। राजपुर थानाध्यक्ष शशि भूषण कुमार ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध सासाराम न्यायालय से वारंट निर्गत था। दोनों थाना के थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार दोनों अभियुक्त को जांच के उपरांत जेल भेज दिया गया।

डीएम और एसपी ने ई वी एम एवं वी वी पैट वेयरहाउस का किया मासिक निरिक्षण

निज संवाददाता | सासाराम (रोहतास)

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश के अनुरूप आज दिनांक 14 जुलाई 2025 को रोहतास जिला अंतर्गत ईवीएम (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन) एवं वीवीपैट (वोटर वेरीफाएबल पेपर ऑडिट ट्रेल) वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया गया। यह निरीक्षण जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक तथा उप निर्वाचन पदाधिकारी की संयुक्त उपस्थिति में संपन्न हुआ। निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने वेयरहाउस में संग्रहित ईवीएम और वीवीपैट मशीनों की स्थिति की जानकारी ली तथा उनके रखरखाव और संरक्षण की प्रक्रिया पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि मशीनों की सुरक्षा और निगरानी में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। इसके साथ ही, वेयरहाउस में लगाए गए सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता की समीक्षा की गई। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने उप निर्वाचन पदाधिकारी से यह सुनिश्चित करने को कहा कि सभी सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग नियमित रूप से हो रही हो और इनकी फुटेज समय-समय पर जांची जाती रहे। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि निगरानी व्यवस्था हर समय सक्रिय और प्रभावी होनी चाहिए। अग्निशमन यंत्रों की स्थिति की भी गहन जांच की गई। पदाधिकारी ने अग्निशमन उपकरणों की वैधता (एक्सपायरी डेट) की जानकारी ली और यह निर्देश दिया कि एक्सपायर होने से पहले ही इन्हें रिफिल करा लिया जाए, ताकि किसी भी आकस्मिक घटना के समय प्रभावी तरीके से उपयोग किया।

डीएम की अध्यक्षता में एनसीओआरडी एवं मद्य निषेध की समीक्षात्मक बैठक डीआरडीए सभागार में सम्पन्न

निज संवाददाता | सासाराम (रोहतास)

14 जुलाई आज दिनांक 14.07.2025 को जिला पदाधिकारी, रोहतास की अध्यक्षता में NCORD एवं मद्य निषेध समीक्षात्मक समाहरणालय स्थित डी०आर०डी०ए० सभागार सासाराम में बैठक आहूत की गयी। पुलिस विभाग एवं मद्य निषेध विभाग द्वारा माह जून 2025 में 182 शराब में संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी की गयी, जो मई 2025 की तुलना में थोड़ा कम है। पुलिस विभाग एवं मद्य निषेध विभाग द्वारा माह जून 2025 में 5609.120 लीटर शराब जप्त की गयी, जो मई 2025 की तुलना में अधिक है। पुलिस विभाग एवं मद्य निषेध विभाग द्वारा माह जून 2025 में 179 जप्त वाहनों का अधिहरण प्रस्ताव विधि शाखा, रोहतास को नहीं भेजा गया है। माह जुलाई 2025 में 72 वाहनों की नीलामी प्रकाशन हेतु कार्रवाई की जा रही है। पुलिस विभाग एवं मद्य निषेध विभाग द्वारा जप्त शराब का विनष्टीकरण कराया गया है। भूमी सुधार उप समाहर्त्ता, सासाराम एवं अनुमण्डल पदाधिकारी, सासाराम के न्यायालय में लंबित अधिहरण वादों के निष्पादन हेतु प्रेस विज्ञप्ति निकलवान हेतु आदेशित किया गया। इस कार्य में सहायक आयुक्त मद्य निषेध, रोहतास को निदेश दिया गया कि अपने स्तर से इनकी मदद कर अविलम्ब सहयोग करना सुनिश्चित करेंगें। जिला पदाधिकारी महोदया द्वारा डी०पी०एम०, जीविका, रोहतास को निदेशित किया गया कि मुख्यमंत्री नीरा संवर्धन योजना के तहत शत् प्रतिशत लाभ पहुंचाने का निदेश दिया गया, ताकि रोहतास जिला की रैंकिंग में सुधार हो सके। डी०पी०एम०, जीविका, रोहतास को नीरा लक्ष्य के अनुरुप प्राप्त करने का भी निदेश दिया गया। सभी पुलिस थानाध्यक्षों एवं उत्पाद थाना को निदेशित किया गया कि इस वर्ष बिहार विधान सभा आम चुनाव होना है। इसलिए अपने-अपने थानान्तर्गत जप्त शराब का विनष्टीकरण प्रस्ताव एक सप्ताह के अन्दर समर्पित करना सुनिश्चित करेंगें।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में भू-सामाधान पोर्टल के तहत भूमि विवाद की समीक्षात्मक बैठक की गई

निज संवाददाता | सासाराम (रोहतास)

जिला पदाधिकारी, रोहतास की अध्यक्षता में भू-समाधान पोर्टल के तहत भूमि विवाद की समीक्षा बैठक की गयी। समीक्षोपरान्त पाया गया कि पिछले बैठक की तुलना में इस बैठक में अपेक्षित प्रगति नहीं होने तथा दिनांक 14.06.2025 से दिनांक 12.07.2025 तक भू- सामाधान पोर्टल पर थानाध्यक्ष, कच्छवां/राजपुर/संझौली /यदुनाथपुर /आयरकोठा/ बघैला / धर्मपुरा/ अगरेर / करवन्दियाँ एवं धौड़ाँड थाना द्वारा एक भी आवेदन की इन्ट्री नहीं किये जाने के कारण समाहर्त्ता महोदया द्वारा नाराजगी व्यक्त की गयी तथा संबंधित थानाध्यक्षों को भू–सामाधान पोर्टल पर सभी लंबित मामलों को अपलोड करने का निदेश दिया गया। समाहर्त्ता महोदया द्वारा सभी थानाध्यक्ष को निदेश दिया गया कि भूमि विवाद से संबंधित मामलों की भू–समाधान पोर्टल पर नहीं इन्ट्री किये जाने पर संबंधित थानाध्यक्ष पर कार्रवाई की जायेगी। साथ ही समाहर्त्ता, रोहतास द्वारा निदेश दिया गया कि प्रत्येक शनिवार को भूमि विवाद की बैठक की कार्यवाही निश्चित रूप से भू- सामाधान पोर्टल पर अपलोड करना सुनिश्चित करेंगे तथा अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को निदेश दिया गया कि जिस थाना का इन्ट्री शून्य है वहाँ भूमि विवाद से संबंधित मामलों का बैठक में समीक्षा कर निश्चित रूप से भू–सामाधान पोर्टल पर अपलोड कराना सुनिश्चित करेंगे तथा बैठक की कार्यवाही की एक प्रति गृह विभाग, बिहार, पटना को भी भेजना सुनिश्चित करेंगे। सभी अंचल अधिकारी, भूमि विवाद से संबंधित बैठक का रोस्टर बनाकर प्रत्येक शनिवार को थाना स्तर पर आयोजित बैठक में भाग लेने तथा उसकी प्रति संबंधित अनुमंडल पदाधिकारी को भी भेजना सुनिश्चित करेंगे।

नप क्षेत्र में खुलेंगे तीन शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र

» स्वास्थ विभाग द्वारा अभिनव कला संगम के पत्र पर संज्ञान लेने के बाद अभिनव कला संगम की पूरी टीम ने मेल कर सिविल सर्जन व स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव को धन्यवाद देते हुए खुशी जाहिर की है।

निज संवाददाता | डेहरी (रोहतास)

शहरी क्षेत्र में लोगों को उनके क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग द्वारा डेहरी- डालमियानगर नगर परिषद क्षेत्र में तीन अतिरिक्त शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खोला जाएगा। बताते चले कि नगर परिषद क्षेत्र में करीब 3 वर्षों से दो स्थानों पर शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र संचालित है। जिसमें एक मकराईन व दूसरा ईदगाह मोहल्ला में संचालित है। उक्त दोनों शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र किराए के मकान में संचालित है। उक्त दोनों केंद्र के निजी भवन के लिए स्वास्थ्य विभाग की मांग पर अंचल द्वारा जमीन भी मुहैया करा दी गई है। नगर परिषद की वर्तमान में आबादी एक लाख 40 हजार है। जिसके लिए मात्र दो शहरी प्राथमिक केंद्र संचालित है। जबकि सरकार ने घोषणा किया है, की प्रत्येक 20 हजार की आबादी पर एक शहरी प्राथमिक स्वास्थ केंद्र खोला जाएगा। इसी को मुद्दा बनाकर दस दिन पूर्व अभिनव कला संगम अध्यक्ष कमलेश कुमार ने सिविल सर्जन समेत विभागीय मंत्री व प्रधान सचिव को पत्र लिखकर डेहरी नप क्षेत्र में 4 अतिरिक्त शहरी प्राथमिक स्वास्थ केंद्र की मांग की थी। जिस पर विभाग द्वारा आश्वासन दिया गया था। अब विभाग ने नगर परिषद क्षेत्र के कुल तीन स्थानों पर शहरी प्राथमिक स्वास्थ केंद्र खोलने की हरी झंडी दी है। इसके लिए विभाग ने डेहरी प्राथमिक स्वास्थ केंद्र के स्वास्थ प्रबंधक से चिन्हित तीनों शहरी प्राथमिक स्वास्थ केंद्र के लिए भूमि चयन कर सीओ को प्रस्ताव भेजने को कहा गया है। स्वास्थ विभाग द्वारा अभिनव कला संगम के पत्र पर संज्ञान लेने के बाद अभिनव कला संगम की पूरी टीम ने मेल कर सिविल सर्जन व स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव को धन्यवाद देते हुए खुशी जाहिर की है। वहीं स्वास्थ्य प्रबंधक गणेश प्रसाद ने बताया कि नगर परिषद क्षेत्र के प्रयाग बिगहा, चुन्ना भट्ठा और कमरनगंज में स्थल चिन्हित किया गया है। इन तीन स्थानों पर शहरी प्राथमिक स्वास्थ केंद्र खोलने का प्रस्ताव अभिनव कला संगम के पत्र के आलोक में आया है। इन तीनों स्थानों पर शहरी प्राथमिक स्वास्थ केंद्र खोलने के प्रस्ताव के आलोक में नगर परिषद के मुख्य पार्षद व सीओ से बात हुई है। तीनों स्थानों पर शहरी प्राथमिक स्वास्थ केंद्र खोलने के लिए भूमि का चयन किया जाएगा। पूर्व से संचालित मकराईन व ईदगाह मोहल्ला शहरी प्राथमिक स्वास्थ केंद्र के लिए अंचल से भूमि प्राप्त हो चुका है। अन्य नए शहरी प्राथमिक स्वास्थ केंद्र खोलने के लिए भूमि चयन का प्रयास जारी है। नगर परिषद क्षेत्र में तीन नए शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के चयन की जानकारी पर अभिनव कला संगम संरक्षक सिमल सिंह, डॉ यू के सिन्हा, डॉ वीरेंद्र कुमार, डॉ नवीन नटराज, भूपेंद्र नारायण सिंह, अध्यक्ष कमलेश कुमार, संयोजक आशुतोष श्रीवास्तव, संस्थापक रामकृष्ण शर्मा उर्फ बड़कू भैया, रमेश चंद्र गुप्ता उर्फ काका भैया, सचिव विनय मिश्रा, निदेशक कौशलेंद्र कुशवाहा, महासचिव प्रोफेसर रणधीर सिन्हा, उपाध्यक्ष ओम जी यादव, संजय यादव, कोषाध्यक्ष शिवजी गुप्ता, इंद्र कुमार बाघा, रवि तिवारी, संतोष राय समृद्धि, कृष्ण यादव, बैजू गुप्ता, शंभू गुप्ता, मनोज गुप्ता आदि ने खुशी का इजहार किया है। तथा कहां है कि कला, साहित्य, संस्कृति के साथ- साथ सामाजिक क्षेत्र में भी अभिनव कला संगम लगातार इस प्रकार के कार्यकरते रहेगी।

काराकाट के किरही गांव में किशोर की संदिग्ध स्थिति में मौत, जांच में जुटी पुलिस

निज संवाददाता | काराकाट (रोहतास)

काराकाट थाना क्षेत्र अंतर्गत किरही गांव में किशोर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। स्व.अरुण सिंह के 13 वर्षीय पुत्र रिमांशु कुमार का शव गांव के पुराने मकान में पंखे के फंदे से लटका मिला। परिजनों ने हत्या का आरोप पड़ोसियों पर लगाया है। घटना रविवार देर शाम की है। मृतक की बड़ी बहन ने बताया कि गली के रास्ते को लेकर पड़ोसियों से लंबे समय करीब 24 वर्षों से विवाद चल रहा था। इस मामले में पहले से भी मुकदमे दर्ज हैं और अंचलाधिकारी के पास भी मामला लंबित है। कहा कि पड़ोस में हीरानंद शर्मा के पांच बेटे है,जहां जमीन को लेकर झूठा मुकदमा करते रहते हैं। इसको देख हमलोग गांव के ही दूसरे मकान में रहते थे। यहां परिवार के एक लोग भी नही रहते थे, कल मेरा बाबू रिमांशु शाम को हमारे इस मकान पर आया था फिर रात हो गए घर वापस नहीं आया। जैसे ही छोटी बहन दीपक दिखाने इस मकान का ताला व चाभी ढूंढा तो नही मिला, बावजूद इसके मकान पर आई तो देखी की मकान बाहर से खुला है और एक कमरे को सीकड़ से बंद हैं। कमरे को खोला तो चिल्लाने लगी और पाया कि रिमांशु संदिग्ध हालात में पंखे से लगा दुपट्टा से लटका पड़ा हैं। कुल दुपट्टे को ग्यारह गांठ से बंधा हुआ था। मृत किशोर रिमांशु की मां रीना कुंवर ने रोते बिलखते हुए बताया कि हमलोगों से रिमांशु ने एक दिन पहले ही पड़ोसियों की धमकी की बात बताई थी। उसने कहा था कि पड़ोसी धमकी दे रहे हैं कि अगर गली से जाओगे तो मारकर टांग देंगे। शाम को रिमांशु अपने पुराने मकान पर अकेले गया था। परिजनों का आरोप है कि इसी दौरान पड़ोसियों ने हत्या कर शव को फंदे से लटका दिया और दरवाजा बाहर से बंद कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही बिक्रमगंज एसडीपीओ कुमार संजय और थानाध्यक्ष भागीरथ कुमार पुलिस बल के साथ पहुंचे। वहीं रोहतास पुलिस अधीक्षक रौशन कुमार भी देर रात गांव पहुंचे और मामले की जांच शुरू में जुट गए। पुलिस ने आज सोमवार को अहले सुबह शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सासाराम के सदर अस्पताल भेज दिया है। परिजनों का कहना है कि गली के रास्ते को लेकर पड़ोसियों से विवाद कई वर्षो से चल रहा है। मामले में दो बार एफआईआर दर्ज हो चुकी हैं। अंचलाधिकारी ने भी इस विवाद में हस्तक्षेप किया था। इसके बावजूद घटना हो गई। फिलहाल पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है। हत्या है या आत्महत्या इसकी पुष्टि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। वही घटना में उत्पन्न तनाव को देखते हुए पुलिस बल घटना स्थल पर कैंप कर रही है। क्या यह एक साजिश है, या फिर कुछ और क्षेत्र के निवासियों में चिंता और डर का माहौल है। काराकाट थानाध्यक्ष भागीरथ कुमार ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। कहा कि इस घटना को हर एंगल से जांच की जा रही है। थानाध्यक्ष के अनुसार परिजनों की आवेदन पर जांच शुरू कर दी गई है। उक्त मामले में मृत किशोर की मां रीना कुंवर ने 14 लोगों को नामित किया है।

सड़क हादसे में घायल वृद्ध की इलाज के दौरान मौत

निज संवाददाता | बिक्रमगंज (रोहतास)

अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत नटवार थाना क्षेत्र अंतर्गत राजपुर गांव के समीप रविवार की देर शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में 63 वर्षीय वृद्ध की मौत हो गई। मृतक की पहचान राजपुर गांव निवासी राम प्रवेश चौधरी के रूप में हुई है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार रविवार की देर शाम राम प्रवेश चौधरी खेत से लौटकर अपने घर जा रहे थे। इसी दौरान गांव के समीप एक तेज रफ्तार बाइक सवार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद बाइक सवार मौके से फरार हो गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि श्री चौधरी गंभीर रूप से जख्मी हो गए। घटना के बाद आसपास के लोग और परिजन उन्हें तुरंत प्राथमिक इलाज के लिए दिनारा पीएचसी ले गए। जहां चिकित्सकों ने उनकी नाजुक हालत को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए सासाराम हायर सेंटर रेफर कर दिया। परिजन इलाज के लिए उन्हें बनारस ले गए। लेकिन सोमवार की अहले सुबह इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। सोमवार को शव गांव पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया। घटना की सूचना मिलते ही नटवार थानाध्यक्ष अजीत कुमार दल-बल के साथ मृतक के घर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा तैयार किया।

शपथ पत्र

मैं मिन्हाजुल एकराम फरोग (MINHAJUL EKRAM FAROGH) उर्फ (MINAJUL EKRAM FAROGH) पिता - मोहम्मद एकराम (MOHAMMAD EKRAM) निवासी ग्राम- दुआरी (DUARI), पो. दुगुल (DUGUL) थाना - कासमा (Kasma) जिला - औरंगाबाद (बिहार) शपथ पूर्वक घोषणा करता हूँ कि :-
1. यह कि उक्त पते का स्थाई निवासी हूँ।
2. यह कि मिन्हाजुल एकराम फरोग (MINHAJUL EKRAM FAROGH) एवं (MINAJUL EKRAM FAROGH) दोनों नाम मेरा है तथा मैं दोनों नामों से जाना एवं पहचाना जाता हूँ।
3. यह कि मेरे नाम पता का मेरे अलावा कोई दूसरा व्यक्ति नहीं है।
4. यह कि यह शपथ पत्र में गजट प्रकाशन हेतु कर रहा हूँ।

सत्यापन
मैं पुनः शपथ पूर्वक घोषणा करता हूँ कि पारा 1 से 4 तक लिखी बातें मेरे व्यक्तिगत जानकारी में सत्य एवं सही हैं।

FORM NO. 14
[See Regulation 33(2)
By Regd. A/D, Dasti failing which by Publication.

OFFICE OF THE RECOVERY OFFICER - I/II
DEBTS RECOVERY TRIBUNAL PATNA

2nd Floor, (A. B & F Wing) Karpuri Thakur Sadan, Kendriya Karamchari Parisar (GPOA), Ashiana Digha Road, Patna-800025.

DEMAND NOTICE

NOTICE UNDER SECTIONS 25 TO 28 OF THE RECOVERY OF DEBTS & BANKRUPTCY ACT, 1993 AND RULE 2 OF SECOND SCHEDULE TO THE INCOME TAX ACT, 1961.

RC/12/2025 09-07-2025

PUNJAB NATIONAL BANK
Versus
PANKAJ KUMAR SINGH

To

(CD 1) PANKAJ KUMAR SINGH. LATE ISHWAR DAYAL SINGH, resident of Village- Bheria, P.O.- Bheriya, P.S.- Durgawati, Kaimur (Bhabua), BIHAR-821105

(CD 2) JANMEJAY SINGH (BORROWER/MORTGAGOR) S/o-Late Ishwar Dayal Singh, resident of Village- Bheria, P.O.- Bheriya, P.S.- Durgawati, District- Kaimur (Bhabua) -821105

(CD 3) PUSHKAR SINGH (BORROWER/MORTGAGOR) S/o- Late Ishwar Dayal Singh, Resident of Village-Bheria, P.O.- Bheriya, P.S.- Durgawati- District- Kaimur (Bhabhua) Bihar- 821105.

(CD 4) SMT. MEERA DEVI (BORROWER/MORTGAGOR) W/o- Late Ishwar Dayal Singh, Resident of Village- Bheria, P.O.- Bheriya P.S.- Durgawati, District- Kaimur (Bhabhua) Bihar- 821105

This is to notify that as per the Recovery Certificate issued in pursuance of orders passed by the Presiding Officer, DEBTS RECOVERY TRIBUNAL PATNA in OA/154/2024 an amount of Rs 3449348.90 (Rupees Thirty Four Lakhs Forty Nine Thousands Three Hundred Forty Eight And Paise Ninety Only) along with pendentellite and future interest @ 10% Simple Interest Yearly w.e.f. 04/03/2024 till realization and costs of Rs 37000 (Rupees Thirty Seven Thousands Only) has become due against you (Jointly and severally/ Fully/Limited).

2. You are hereby directed to pay the above sum within 15 days of the receipts of the notice, failing which the recovery shall be made in accordance with the Recovery of Debts Due to Banks and Financial Institutions Act, 1993 and Rules there under.

3. You are hereby ordered to declare on an affidavit the particulars of yours assets on or before the next date of hearing.

4. You are hereby ordered to appear before the undersigned on 22/08/2025 at 10:30 a.m. for further proceedings.

5. In addition to the sum aforesaid, you will also be liable to pay:

(a) Such interests as is payable for the period commencing immediately after this notice of the certificate/execution proceedings.

(b) All costs, charges and expenses incurred in respect of the service of this notice and warrants and other processes and all other proceedings taken for recovering the amount due.

6. The mortgaged or typothecated assets to serve the loan in questions are attached vide Horrible DRT, Patna order dated 16.01.2015.

Given under my hand and the seal of the Tribunal, on this date: 09/07/2025

Recovery Officer
DEBTS RECOVERY TRIBUNAL, PATNA

संक्षिप्त समाचार

सावन के पहले सोमवार को रुद्राभिषेक

रजौली (नवादा) (नि.सं.)। सावन के पावन महीने के पहले सोमवार को रजौली के राज शिव मंदिर नीचे बाजार में विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल द्वारा विश्व कल्याण और शांति के लिए महा रुद्राभिषेक का आयोजन किया गया। यह आयोजन दोपहर 1:00 बजे से शुरू हुआ। बजरंग दल के सुरक्षा प्रमुख राजा सिंह ने बताया कि यह महा रुद्राभिषेक विशेष रूप से पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में मारे गए निर्दोष व्यक्तियों की आत्मा की शांति के लिए किया गया। इसके साथ ही, उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' में भारतीय सैनिकों की लंबी उम्र के लिए भगवान शिव से प्रार्थना की। राज शिव मंदिर के अध्यक्ष संतोष सिंह ने जानकारी दी कि पूरे मंदिर को चाइनीज लाइटों और मरकरी से सजाया गया है, और सुबह-शाम भगवान शंकर के भक्तिमय गानों से पूरा रजौली बाजार भक्ति में लीन हो जाता है। श्री सूर्य नारायण मंदिर के अध्यक्ष संदीप वर्मा ने बताया कि सावन के पवित्र महीने के प्रत्येक सोमवार को विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल द्वारा महा रुद्राभिषेक किया जाएगा। इसके अलावा, संध्या में भजन-कीर्तन के साथ-साथ महाप्रसाद का वितरण भी किया जाएगा। मंदिर के उपाध्यक्ष नवीन कन्धवे ने बताया कि इस सोमवार को विश्व हिंदू परिषद के उपाध्यक्ष मनीष सिंह और बजरंग दल के सुरक्षा प्रमुख राजा सिंह की ओर से महाप्रसाद का वितरण किया जा रहा है। श्याम सुंदर पांडेय ने रुद्राभिषेक के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रुद्राभिषेक, रुद्रार्चन और रुद्राभिषेक से हमारी कुंडली से पातक कर्म और महापातक भी जलकर भस्म हो जाते हैं, साधक में शिवत्व का उदय होता है, और भगवान शिव का शुभाशीर्वाद भक्त को प्राप्त होता है, जिससे उनके सभी मनोरथ पूर्ण होते हैं। ऐसा माना जाता है कि एकमात्र सदाशिव रुद्र के पूजन से सभी देवताओं की पूजा स्वतः हो जाती है। इस अवसर पर जितेंद्र पांडेय, शिव बालक पांडेय, सुनील ताती, मोहन पांडेय, ज्योति पांडेय, शुभम पांडेय, काव्यांश सिंह, अचल सिंह, किट्टू सिंह, अमन कुमार सहित कई अन्य श्रद्धालु उपस्थित थे।

रजौली में बोनोफिक्स बना नया नशा

रजौली (नवादा) (नि.सं.)। शराबबंदी क़ानून को लागु हुए करीब 9बर्षो से अधिक का समय बीत गया हैं परन्तु न तो बिहार में शराब की बिक्री और भंडारण बंद हुई और न ही पीने बालों की कमी हुई। इसका घातक परिणाम यह हुआ की बिहार में नशे का एक नया और अधिक खतरनाक अध्याय जुड़ गया है। युवा और किशोर, यहां तक कि छोटे बच्चे भी, अब 'बोनोफिक्स' सॉल्यूशन के घातक नशे के आदी हो रहे हैं। यह स्थिति न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य के लिए एक बड़ा खतरा है, बल्कि सामाजिक ताने-बाने को भी तोड़ रही है और एक पूरी पीढ़ी के भविष्य को अंधकार में धकेल रही है। यह नशा किसी पारंपरिक मादक पदार्थ से भी कहीं अधिक खतरनाक है क्योंकि इसकी पहुंच आसान और कीमत कम है। युवा प्लास्टिक की पॉलिथीन में बोनोफिक्स सॉल्यूशन उड़ेलकर उसे नाक या मुंह से सूंघते हैं। इस प्रक्रिया से उन्हें तीव्र नशा महसूस होता है, जो उन्हें वास्तविकता से दूर कर देता है। इस नशे के बाद उनकी सोचने-समझने की शक्ति कम हो जाती है, और वे किसी भी गलत काम को अंजाम देने से नहीं हिचकिचाते, चाहे वह चोरी हो, हिंसा हो या कोई अन्य आपराधिक गतिविधि। अनुमंडलीय अस्पताल के प्रभारी उपाधीक्षक डॉ. दिलीप कुमार ने इस गंभीर स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा, 'बोनोफिक्स सॉल्यूशन का नशा सबसे खराब है। यह सीधे हमारे युवाओं के दिल और अन्य महत्वपूर्ण अंगों पर हमला करता है, जिससे उन्हें गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। इसकी सबसे भयावह बात यह है कि इससे अकाल मृत्यु की संभावना भी बढ़ जाती है।' यह नशा फेफड़ों, गुर्दों और मस्तिष्क को गंभीर नुकसान पहुंचाता है, जिससे दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याएं पैदा होती हैं। ग्रामीण उपेंद्र राजवंशी, संतोष ठाकुर, कैशर अंसारी और डब्लू अंसारी शामिल हैं, का मानना है कि बिहार में शराबबंदी के बाद ही बोनोफिक्स सॉल्यूशन के सेवन में तेजी आई है।शराब की अनुपलब्धता ने नशे के आदी लोगों को वैकल्पिक और अधिक खतरनाक माध्यमों की ओर धकेल दिया है।चौंकाने वाली बात यह है कि बोनोफिक्स जैसे औद्योगिक उत्पाद, जिनका उपयोग आमतौर पर जूते या अन्य वस्तुओं को चिपकाने के लिए होता है, अब किराना दुकानों और जनरल स्टोर्स पर धड़ल्ले से बेचे जा रहे हैं, जैसे कि वे कोई सामान्य घरेलू वस्तु हों। ग्रामीणों ने सरकार और प्रशासन से इस पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की पुरजोर मांग की है। उनका कहना है कि जब तक इसकी बिक्री पर प्रभावी रोक नहीं लगाई जाती, तब तक युवाओं को इस लत से बचाना असंभव है। केवल कानूनी कार्रवाई ही पर्याप्त नहीं है,व्यापक जागरूकता अभियान भी चलाए जाने चाहिए ताकि माता-पिता और अभिभावक अपने बच्चों में इस नशे के लक्षणों को पहचान सकें और समय रहते उनकी मदद कर सकें। थानाध्यक्ष राजेश कुमार ने स्वीकार किया कि यह एक चुनौती है। उन्होंने बताया, 'जब भी कोई बच्चा या युवा बोनोफिक्स सॉल्यूशन का नशा करते पकड़ा जाता है, तो हम तुरंत उनके परिजनों को सूचित करते हैं और उन्हें नशा मुक्ति केंद्र भेज देते हैं।' हालांकि, यह एक बड़ा सामाजिक मुद्दा है जिसे केवल पुलिस कार्रवाई से हल नहीं किया जा सकता। इसके लिए समुदाय, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग और स्थानीय प्रशासन के बीच समन्वय और सहयोग की आवश्यकता है। यह केवल एक नशा नहीं, बल्कि एक सामाजिक बीमारी है जो परिवार के भविष्य को खोखला कर रही है। यदि इस पर तुरंत और प्रभावी ढंग से अंकुश नहीं लगाया गया, तो यह बोनोफिक्स सॉल्यूशन युवा पीढ़ी को बर्बादी की ओर ले जाएगा। सरकार, समाज और परिवार - सभी को मिलकर इस खतरे से निपटने के लिएआगे आना होगा।

बीआरसी भवन में किया पदभार ग्रहण

कौआकोल (नवादा) (नि.सं.)। कौआकोल प्रखण्ड के प्रखण्ड सहकारिता पदाधिकारी (बीसीओ) अजित कुमार को कौआकोल प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी (बीईओ) का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। नवादा के जिला शिक्षा पदाधिकारी द्वारा निर्गत पत्र के आलोक में बीसीओ अजित कुमार ने सोमवार को बीआरसी भवन पहुंचकर पदभार ग्रहण कर लिया। निवर्तमान बीईओ सुशील कुमार ने उन्हें बुके देकर स्वागत किया तथा सम्पूर्ण प्रभार सौंपा। गौरतलब है कि कौआकोल के प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी सुशील कुमार के 30 जून को सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त हो जाने के कारण यह पद रिक्त हो गया था। जिसके बाद डीईओ के द्वारा बीसीओ को अगले आदेश तक अपने कार्यों के अतिरिक्त प्रभारी बीईओ नियुक्त किया गया। इधर प्रभार ग्रहण करने के बाद प्रभारी बीईओ सह बीसीओ अजित कुमार ने कहा कि क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा,मध्याहन भोजन एवं शिक्षा से संबंधित विभिन्न कार्यों को बेहतर ढंग से निष्पादन किया जायेगा। मौके पर एमडीएम प्रभारी संजय पासवान सहित अन्य उपस्थित थे।

कौआकोल में ध्रुवपति देवी को श्रद्धांजलि

कौआकोल (नवादा) (नि.सं.)। प्रखण्ड के रानीबाजार गांव में समाजसेवी व कौआकोल के सरपंच प्रतिनिधि शैलेष कुमार आर्य की माता स्वर्गीय ध्रुवपति देवी की 16 वीं पुण्यतिथि उनके आवास में मनाई गई। इस अवसर पर मौजूद परिवार के सदस्यों एवं अन्य गणमान्य लोगों ने स्वर्गीय ध्रुवपति देवी के तैलीय चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दिया एवं उनके आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना किया। मौके पर सरपंच मुन्नी देवी, पत्रकार नवीन कुमार, कुमार सानू, रौशन कुमार सोनु समेत अन्य लोग मौजूद थे।

विशेष गहन मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान को लेकर एसडीओ ने किया निरीक्षण

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

प्रखंड सभागार में सोमवार को विशेष गहन मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान को अंतिम रूप देने को लेकर एसडीओ स्वतंत्र कुमार सुमन ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान सहायक निर्वाची पदाधिकारी सह बीडीओ संजीव झा, सीओ मो. गुफरान मजहरी, ईओ राजेश एवं प्रभारी बीईओ राकेश कुमार के अलावे प्रखंड क्षेत्र में कार्यरत बीएलओ सुपरवाइजर और बीएलओ मौजूद रहे। एसडीओ ने बीएलओ को निर्देश दिया कि अभियान के तहत हर पात्र मतदाता को जोड़ने और अपात्र को हटाने की पहल पर विशेष बल देना है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग के निर्देश पर अभियान का उद्देश्य मतदाता सूची को त्रुटिरहित, अद्यतन और पारदर्शी बनाना है, ताकि हर पात्र नागरिक का नाम सूची में शामिल हो और किसी भी अपात्र व्यक्ति का नाम हटाया जा सके। इसके पूर्व आयोजित हुए बैठक में प्रत्येक मतदान केंद्र क्षेत्र में कार्यरत बीएलओ को घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क करने और नाम जोड़ने, हटाने अथवा सुधार संबंधी फॉर्म वितरित करने एवं इसे प्राप्त करने की बात कही गई थी।वहीं मतदाताओं द्वारा बीएलओ को प्राप्त फॉर्म को ससमय अपलोड करने की हिदायत दी गई थी।साथ ही कहा गया कि पुनरीक्षण के दौरान यह भी सुनिश्चित करना है कि वृद्ध, बीमार, दिव्यांग, निर्धन और अन्य वंचित वर्गों को किसी प्रकार की कठिनाई न हो। एसडीओ ने जानकारी देते हुए बताया कि रजौली प्रखंड के 70 प्रतिशत गणना पपत्र का काम पूरा कर लिया गया है। वहीं बीएलओ को मंगलवार तक 75 प्रतिशत तक गणना पपत्र को अपलोड करने को निर्देशित किया गया है। साथ ही मतदाताओं को दिए गए फॉर्म को शत प्रतिशत संग्रह करके अपने पास रखने को निर्देशित किया गया है। एसडीओ द्वारा प्राप्त निर्देश के बाद बीएलओ अपने क्षेत्रों में मतदाताओं से संपर्क साधकर फॉर्म कलेक्शन में जुट गए हैं।

दुख और सुख फल के रूप में मिलता है : बबिता बहन

नरहट (नवादा) (नि.सं.)। खनवां के प्रसिद्ध आदि शक्ति देवी मंदिर के प्रांगण में द्वादश ज्योतिर्लिंगम दर्शन मेले में ब्रह्माकुमारी बबिता बहन ने प्रवचन करते हुए बताये कि हमारे जीवन का सारी समस्या और उसका समाधान का मुख्य कारण हमारे संकल्प पर ही निर्भर करता है। हम जैसा पढ़ते हैं, सुनते हैं, देखते हैं, बोलते हैं वही कार्य करते हैं। उसके फलस्वरूप दुःख और सुख फल के रूप में मिलता है। भगवान कहते हैं उसमें मेरा कोई भी हस्तक्षेप नहीं होता है।

जो गीता में भी लिखा हुआ है कि आत्मा स्वयं अपना मित्र और स्वयं अपना शत्रु है। और बाइबिल में भी लिखा हुआ है कि गॉड ने सभी मानव को सबसे ऊंची ज्ञान देकर भेजा है जो जैसा कर्म करेंगे वैसा फल पायेंगे। जीवन में सुख - शांति, स्वस्थ,धन में वृद्धि के लिए सुबह उठते सबसे पहले भगवान शिव बाबा को प्रणाम करें और प्रतिदिन पांच बार निश्चय और विश्वास के साथ संकल्प करें कि मैं सर्वसमर्थ, सर्व शक्तिमान, सुख - शांति, प्रेम, ज्ञान के सागर परमपिता परमात्मा शिव की सन्तान परम सौभाग्यशाली सुख, शांति, प्रेम, आनन्द स्वरूप मैं सम्पूर्ण स्वास्थ हुं।

सफलता हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है। यह संकल्प प्रति दिन करने से सबकुछ अच्छाहोने लगेगा।

प्रपत्र VI 'क' समाहरणालय, गढ़वा
(जिला भू–अर्जन शाखा, गढ़वा)
या समाहर्त्ता या समुचित सरकार प्रारंभिक अधिसूचना

(अधिनियम–30/2013 की धारा–11(1) के अधीन)

अधिसूचना संख्या 352/भू0अ0,गढ़वा, दिनांक 12.07.2025

चूंकि झारखण्ड सरकार/समाहर्त्ता को यह प्रतीत होता है कि ग्राम–रारो, थाना नं0–394, थाना–डंडई, अंचल–डंडई, जिला–गढ़वा में भूमि सार्वजनिक प्रयोजन, यथा परियोजना मेराल–बाना–अम्बाखोरिया पथ (MDR-149) चौडीकरण योजना हेतु अपेक्षित है। प्रभावित परिवारों के पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन के प्रयोजनार्थ अपर समाहर्त्ता अथवा नियम 2 (1) (ख) के तहत नियुक्त पदाधिकारी प्रशासक के रूप में नियुक्त किए गए है। अतएव अधिसूचित किया जाता है कि ग्राम–रारो, थाना नं0–394, थाना–डंडई, अंचल–डंडई, जिला–गढ़वा में उपर्युक्त कथित परियोजना के लिए कमोवेश–1.790 एकड़ मानक माप का भूखंड, जिसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है, अर्जनाधीन है :–

क्र.	खाता संख्या	सर्वे भूखंड सं0	स्वामित्व का प्रकार	भूमि का प्रकार	अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (एकड़ में)	हितबद्ध व्यक्ति का नाम व पता	सीमा (भूखंड सं0) उ0,द0,पू0,प0
1	2	3	4	5	6	7	8
1	01	04	गै0मा0	–	0.773	नेजामुदिन मियां पिता–सेख लालमिर मियां, शेख रोस्तम पिता–विपत, शेख लाल मोहम्मद पिता–शफायत शेख, बसारत अली पिता–गुलाब मियां	उ0–01 द0–22 पु0–पनघटवा प0–03
2	132	03	रैयती	–	0.104	नान्हु मिस्त्री पिता–गुदन मिस्त्र	उ0–01 द0–04 पु0–04 प0–04
3	01	01	गै0मा0	–	0.227	हसन मियां पिता–जगन मियां, रामनाथ यादव पिता–हीरा यादव	उ0–बुलका द0–04 पु0–पनघटवा प0–18
4	01	18	गै0मा0	–	0.686	सत्येन्द्र प्रसाद गुप्ता पिता–विश्वनाथ साह, संतोश कुमार गुप्ता पिता–विश्वनाथ साव	उ0–बुलका द0–15 पु0–01 प0–मिलान शीट3
				कुल :–	1.790		

यह अधिसूचना भू–अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता अधिकार अधिनियम,2013 (अधिनियम संख्या 30/2013), की धारा–11 (1) के उपबंधों के अधीन सभी संबंधित व्यक्तियों के लिए जारी की जाती है।

भूमि की योजना का निरीक्षण जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, गढ़वा के कार्यालय में किसी कार्य दिवस को कार्यावधि में किया जा सकेगा। झारखण्ड सरकार/समाहर्त्ता–सह–समुचित सरकार उक्त अधिनियम की धारा 12 में यथा उपबंधित एवं यथा विनिर्दिष्ट कार्यो के समुचित निष्पादन हेतु अपेक्षित किसी भूमि का सर्वेक्षण एवं उसकी प्रविष्टि करने, किसी भूमि के किसी स्तर को मापने के लिए, अवभूमि खोदने या भू–वेधन–छिद्र करने सहित सभी अन्य कार्यो के संचालन करने हेतु जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, गढ़वा और उनके अमीन श्री फैजुल्लाह अंसारी को प्राधिकृत करता हूँ।

अधिनियम की धारा 11 (4) के अधीन कोई व्यक्ति जिला समाहर्त्ता के पूर्विक अनुमोदन के बिना इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से प्रारंभिक अधिसूचना में विनिर्दिष्ट भूमि का कोई अंतरण यथा क्रय/विक्रय नहीं करेगा या ऐसा कोई अंतरण नहीं करवाएगा या ऐसी भूमि पर कोई अवभार नहीं उत्पन्न करेगा। अधिनियम की धारा 15 के अधीन यथा उपबंधित इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से साठ (60) दिनों के अंतर्गत भू–अर्जन की बाबत किसी प्रकार की आपत्तियां हितबद्ध व्यक्ति द्वारा जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, गढ़वा के समक्ष दर्ज की जा सकेगी।

अमीन, जिला भू–अर्जन शाखा, गढ़वा। | कानूनगो, जिला भू–अर्जन शाखा, गढ़वा। | जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, गढ़वा। | अपर समाहर्त्ता, गढ़वा। | उपायुक्त, गढ़वा।

PR 357284 Land Reforms(25-26)D

प्रपत्र VI 'क'
समाहरणालय, गढ़वा
(जिला भू–अर्जन शाखा, गढ़वा),या, समाहर्त्ता या समुचित सरकार

प्रारंभिक अधिसूचना
(अधिनियम–30/2013 की धारा–11(1) के अधीन)

अधिसूचना संख्या 750/भू0अ0,गढ़वा, दिनांक 12.07.2025

चूंकि झारखण्ड सरकार/समाहर्त्ता को यह प्रतीत होता है कि ग्राम–डंडई, थाना नं0–388, थाना–डंडई, अंचल–डंडई, जिला–गढ़वा में भूमि सार्वजनिक प्रयोजन, यथा परियोजना **मेराल–बाना–अम्बाखोरिया पथ (MDR-149) चौडीकरण योजना** हेतु अपेक्षित है। प्रभावित परिवारों के पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन के प्रयोजनार्थ अपर समाहर्त्ता अथवा नियम 2 (1) (ख) के तहत नियुक्त पदाधिकारी प्रशासक के रूप में नियुक्त किए गए है। अतएव अधिसूचित किया जाता है कि ग्राम–डंडई, थाना नं0–388, थाना–डंडई, अंचल–डंडई, जिला–गढ़वा में उपर्युक्त कथित परियोजना के लिए कमोवेश–9.388 एकड़ मानक माप का भूखंड, जिसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है, अर्जनाधीन है :–

क्र.	खाता संख्या	सर्वे भूखंड सं0	स्वामित्व का प्रकार	भूमि का प्रकार	अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (एकड़ में)	हितबद्ध व्यक्ति का नाम व पता	सीमा (भूखंड सं0) उ0,द0,पू0,प0
1	2	3	4	5	6	7	8
1	72	25	रैयती	–	0.616	अलियार कुंवर पिता–धुन्ध कुंवर	उ0–24 द0–244 पु0–बुलाई प0–24
2	10	24	गै0मा0	–	0.855	सावत्री देवी पति–असर्फी राम सैरून बीबी, ठाकुर लाल साव, जानकि महतो वे अविलास महतो वो वान्धा महतो वो कालि महतो, वांगुर मियां, त्रिवेणी चमार वगैरह अलियार कुंवर पिता–धुन्ध कुंवर, रामकेवल सिंह, अनीता देवी, श्रीमती राज कुमारी देवी, कालिया देवी, नरेश खरवार वो प्रेम राम पिता–चिरई राम वो नन्हकु राम वगैरह	उ0–22 द0–मिलान शीट3 पु0–25 प0–1884
3	10	22	गै0मा0	–	0.435	जानकि महतो वा अविलास महतो वो वान्धा महतो वो कालि महतो अयोध्या साव मथुरा साव वगैरह पिता–अयोध्या साव	उ0–बुलाई द0–24 पु0–23 प0–20
4	1	20	गै0मा0	–	0.237	मुन्द्रिका सिंह वगैरह	उ0–19 द0–21 पु0–22 प0–67
5	10	67	गै0मा0	–	1.325	सुरेन्द्र चमार कान्ती देवी पति–बदन चमार शिवदत भुईया वो लक्ष्मण भुईया वो रामा भुईया शिव कुमार भुईया वो रामजी भुईया वो मुनी भुईया पिता–झरी भुईया, प्रगास महतो, उदन साव पिता–गोपी साव	उ0–18 द0–21 पु0–20 प0–158
6		18	रैयती	–	0.099	मंदीप प्रजापति वगैरह पिता–मिलु महतो	उ0–67 द0–67 पु0–19 प0–67
7	10	158	गै0मा0	–	0.664	जदु मांझी पिता–विठल मांझी, गुलाब मांझी पिता–जइल मांझी, रामजतन ठाकुर,जानकी महतो स्व0 ईन्द्रदेव ठाकुर कोदू ठाकुर पिता–वासदेव ठाकुर, शिवदत भुईयॉ पिता–लालजी भुईया पिता–स्व0 प्रगास महतो, मंगर भुईयॉ वो बुधू भुईयॉ वो रघुनंदन भुईयॉ	उ0–159 द0–157 पु0–67 प0–रास्ता
8	33	172	रैयती	–	0.134	दया प्रजापति पिता–केश्वर प्रजापति, सूर्यनाथ साह वो सूर्यदेव साह, महेन्द्र प्रजापति पिता–रामदास प्रजापति, श्रीमती झुवली देवी पति–महेन्द्र प्रजापति, सुनील प्रजापति पिता–महेन्द्र प्रजापति वगैरह	उ0–171 द0–रास्ता पु0–रास्ता प0–176
9	10	171	गै0मा0	–	1.016	राधा देवी पति–विफन प्रजापति, अनुग्रह नारायण साहू प्रभा देवी, छठू राम मो0 शकीर अंसारी, विफन प्रजापति, मुमताज अंसारी, ताजुदीन अंसारी मो0 आफताब आलम प्रभा देवी, गंगाजली कुंवर, वरूणेन्द्र कुमार मोहम्द, अजीमुदीन अंसारी, तसलीमा बीबी	उ0–03 द0–175 पु0–164 प0–181
10	41	180	गै0मा0	–	0.031	छठु राम पिता–बाबुलाल राम	उ0–171 द0–179 पु0–178 प0–181
11	141	181	गै0मा0	–	0.111	लालजी राम रामचन्दर नरेश राम वो अमर राम इलखोरी चमार पिता–नन्दु चमार, हलखोरी चमार वगैरह	उ0–171 द0–182 पु0–180 प0–मिलान शीट3
12	39	1585	रैयती	–	0.008	विश्वनाथ राम पिता हरी राम वो बिनोद राम पिता हरी राम वो बसु राम पिता रामप्रसाद राम वो	उ0–1591 द0–1588 पु0–1586 प0–1591
13	52	1574	रैयती	–	0.077	मो0 हनीफ अंसारी पिता–सोबराती मियां वो अजमुदीन असांरी वगैरह	उ0–1582 द0–1572 पु0–1588 प0–1576
14	10	1572	गै0मा0	–	0.293	अजमुदीन अंसारी वो सराजुदीन अंसारी	उ0–1574 द0–1508 पु0–1568 प0–1573
15	5	1508	रैयती	–	0.062	असर्फी राम पिता सुकन राम वो शंकर राम पिता महबीर राम	उ0–1572 द0–1519 पु0–1566 प0–1572
16	54	1519	रैयती	–	0.107	महमुद अंसारी पिता अमीनुदीन अंसारी	उ0–1508 द0–1518 पु0–1566 प0–1508
17	96	1518	रैयती	–	0.051	अनिकेत प्रसाद गुप्ता पिता स्व0 गोपाल गुप्ता जशवन्त राम वगैरह वो मोती साव पिता सुखदेव साव वो सुनील प्रसाद	उ0–1519 द0–1517 पु0–1522 प0–1508
18		1520	रैयती	–	0.137		उ0–1518 द0–1530 पु0–1526 प0–1517
19	97	1516	रैयती	–	0.016	मनोज साव पिता रामलाल साव वो छोटु साव वगैरह पिता गोर्बधन साव वो श्रवण कुमार वगैरह पिता मोतीचन्द्र साव	उ0–1517 द0–1515 पु0–1530 प0–1510
20	81	1515	रैयती	–	0.02	रामकुमार ठाकुर वगैरह पिता रामलाल ठाकुर वो मनोज प्रसाद पिता रामलाल साव	उ0–1516 द0–1514 पु0–1530 प0–1516
21	129	1514	रैयती	–	0.081	कृष्णा प्रसाद यादव पिता हरसु यादव वो रामलाल साव पिता रामधनी प्रसाद वो इन्द्रवती देवी पति मुन्द्रिका राम वो शिवटहल विश्वकर्मा वो अलख निरंजन प्रसाद पिता नरेश प्रसाद वो उदय सिंह पिता सोना सिंह वो कृष्णा प्रसाद पिता त्रिवेनी प्रसाद वो नितेश चौधरी वगैरह वो राम प्रसाद चौधरी वो कुमारी सीमा पति दिलीप प्रसाद गुप्ता वो रामेश्वर साव वगैरह पिता नारायण साव	उ0–1515 द0–रास्ता पु0–1533 प0–1511
22	106	1512	रैयती	–	0.02	बैजनाथ साव पिता भईया राम साव वो	उ0–1511 द0–1511 पु0–1513 प0–1513
23	141	1511	गै0मा0	–	0.025	आनन्द प्रकाश वो अनुज प्रकाश वो धर्म प्रकाश सत्य प्रकाश वो रवि प्रकाश पिता–मुन्नी लाल प्रसाद	उ0–1510 द0–1512 पु0–1514 प0–1506
24	106	1513	रैयती	–	0.041	देवनारायण उर्फ सुनील सोनी पिता शिवप्रसाद सोनी वो बच्चालाल गुप्ता पिता गुलाब साव वो आनन्द प्रसाद पिता मुन्नीलाल प्रसाद वो बुटन महतो पिता राजनाथ प्रसाद वो उमेश चौधरी पिता ठेगन चौधरी वो श्याम प्रसाद पिता रामलगन वो प्रमोद यादव वो बिनायक यादव पिता बासदेव यादव वो शंकर चन्द्रवंशी पिता मोती राम वो जयराम पिता मोती राम	उ0– द0– पु0– प0–
25	10	1506	गै0मा0	–	0.038	रामवृक्ष चमार गंगीया देवी पिता–स्व0 जदु चमार, नन्हक महरा पित–छठु महरा, काशी राम	उ0–1509 द0–मिलान शीट4 पु0–1500 प0–1467
26	1	1454	गै0मा0	–	0.051	सुनील सोनी पिता शिवप्रसाद सोनी वगैरह	उ0–1468 द0–मिलान शीट4 पु0–1500 प0–1467
27		1467	रैयती	–	0.036	रामआशीष प्रसाद वो अजय प्रसाद वो वरूणेन्द्र कुमार गुप्ता वो गुप्तेश्वर ठाकुर वो विजय साव पिता लाला साव वगैरह वो ओम प्रकाश संजय प्रसाद पिता ताराचन्द्र प्रसाद गुप्तेश्वर साव वो रामवृक्ष साव वो गुप्तेश्वर प्रसाद पिता रामवृक्ष साव वो विश्वनाथ साव वो सुनील सोनी	उ0–1466 द0–मिलान शीट4 पु0–1454 प0–1466
28	59	1466	रैयती	–	0.163	रामकिशुन ठाकुर वो विश्वनाथ ठाकुर पिता भगत ठाकुर वो सुनील सोनी पिता गणेश सोनी अमिरका ठाकुर वो बिरेन्द्र ठाकुर वो उदय ठाकुर पिता रामगती ठाकुर वो दयानन्द साव वो मन्टु साव वो रामकिशुन ठाकुर पिता भगत ठाकुर वो शिवनाथ ठाकुर पिता भगत ठाकुर वो सुनील सोनी पिता गणेश सोनी वो अम्बिका ठाकुर	उ0–1461 द0–मिलान शीट4 पु0–1467 प0–1464
29	10	1461	गै0मा0	–	0.432	महबीर सोनी वो रामकिशुन ठाकुर पिता भरत ठाकुर वो अनील चौधरी पिता विशुन चौधरी वो महबीर राम पिता चतुरी राम वो देनी भुईया पिता पदुम भुईया वो शिवलाल राम पिता हलखोरी भुईया वो मनु राम पिता भरत राम वो पप्पु कुमार पिता रामनाथ साव वो बिरेन्द्र ठाकुर पिता सुखाडी ठाकुर वो गुडु साव पिता बिरबल साव वो मनोज साव वगैरह वो बालदेव साव पिता हिरा साव वो रबिन्द्र साव वगैरह रामआशीष साव पिता रबिन्द्र साव वगैरह वो रामआशीष साव पिता रबिन्द्र साव वो नन्दु साव पिता मुगरू साव वो बिरबल साव पिता रोवन साव पिता रोवन साव वो अनील साव पिता रामनाथ साव	उ0–1639 द0–1466 पु0–1470 प0–1644
30	120	1462	रैयती	–	0.146	राज कुमार राम पिता मानदेव राम वो शिपनाथ साव वो महबीर राम पिता चतुरी राम वो वगैरह	उ0–1461 द0–1461 पु0–1461 प0–1461
31	10	1639	गै0मा0	–	0.181	मनोज पठवा पिता हरीहर पटवा	उ0–1638 द0–1461 पु0–1473 प0–1640
32	10	1640	गै0मा0	–	0.344	राजेन्द्र प्रसाद पिता रामप्रसाद गुप्ता वो अमित कुमार वो सुमित कुमार पिता शंम्भु प्रसाद वो सुरेन्द्र प्रसाद पिता रामप्रसाद गुप्ता वो राजदेव विश्वकर्मा पिता गोबिन्द विश्वकर्मा वो प्रिंस कुमार पिता उपेन्द्र प्रसाद वो राजकुमार साव वगैरह पिता बिहारी साव वो गोपाल प्रसाद प्रदीप पटवा वो उदय पटवा वो राजेश पटवा वो मनोज पटवा वो श्रीकिशुन वगैरह वो शिवपुजन ठाकुर वो सकेन्द्र भुईया वो बुटाई भुईया पिता कालीचरण भुईया वगैरह जवाहीर राम वगैरह	उ0–1637 द0–1645 पु0–1639 प0–झकरा
33	125	1882	रैयती	–	0.118	राजेन्द्र प्रसाद पिता रामप्रसाद गुप्ता वो अमित कुमार वो सुमित कुमार पिता शंम्भु प्रसाद	उ0–1640 द0–1883 पु0–1640 प0–1640
34	125	1883	रैयती	–	0.102	राजेश कुमार मेहता पिता रामअवतार महतो	उ0–1882 द0–1642 पु0–1642 प0–1645
35	10	1645	गै0मा0	–	0.473	अमित कुमार वो सुमित कुमार पिता शंम्भु प्रसाद वो सुरेन्द्र प्रसाद पिता रामप्रसाद गुप्ता	उ0–1640 द0–मिलान शीट4 पु0–1642 प0–झकरा
36	25	1571	रैयती	–	0.089	विफन प्रजापति वगैरह पिता रामजतन प्रजापति वो बुधन प्रजापति वगैरह	उ0–1588 द0–1568 पु0–1570 प0–1588
37	47	1568	रैयती	–	0.019	प्रहलाद प्रजापति पिता भंगी महतो वो बंगाली राम पिता रामगहन राम	उ0–1571 द0–1567 पु0–1569 प0–1572
38	97	1567	रैयती	–	0.048	देवन्ती देवी पति मुखलाल साव वो रामजी साव पिता बन्धु साव वो लक्ष्मी साव पिता सोमारू साव वगैरह	उ0–1572 द0–1566 पु0–1561 प0–1477
39	1	1566	रैयती	–	0.038	जगदीश साह वगैरह पिता–सहादेव साह, श्रमती सीता देवी पति–रामकेवल साह वगैरह	उ0–1567 द0–1508 पु0–1561 प0–1508
40	97	1526	रैयती	–	0.038	मुन्ना यादव पिता सोबरन यादव वो सुरेश राम पिता रामदुलार राम वो अजय प्रसाद पिता जगदीश साव वो विवेकानन्द वगैरह पिता रामवृक्ष साव वो विजय प्रसाद पिता श्यामलाल साव वो रमेश प्रसाद पिता मोतीचन्द वो नन्दु प्रसाद पिता जगदीश साव वो अजय प्रसाद पिता जगदीश साव वो विजय प्रसाद पिता केशव प्रसाद	उ0–1518 द0–1530 पु0–1522 प0–1517
41	106	1530	रैयती	–	0.097	रबी यादव वगैरह पिता स्व0 दुर्गेश यादव वो विनायक यादव पिता बासदेव यादव वो पप्पु यादव पिता बिनोद यादव वो नन्दु यादव पिता बासदेव यादव वो प्रमोद यादव वो श्यामनाराण यादव पिता रामलगन यादव वो विष्णु यादव पिता राधिका देवी वो रामदत यादव पिता काशी यादव वो छोटन यादव पिता रामप्रसाद यादव वो जयप्रकाश कुशवाहा पिता रामाधार मेहता वो संजय प्रसाद पिता श्यामलाल साव वो कृष्णा यादव पिता हरसु महतो वो मुन्ना यादव पिता सखीबरन यादव	उ0–1526 द0–1533 पु0–1535 प0–1516
42	106	1068	रैयती	–	0.051	रबी प्रसाद वगैरह पिता रामकेवल साव वो सुनील यादव वगैरह पिता सुखदेव यादव वो सुरेश प्रसाद वगैरह पिता मोतीचन्द्र साव वो मुन्नीलाल साव पिता भिक्षु साव वो श्रवण साव वगैरह पिता चन्द्रिका साव	उ0–1533 द0–मिलान शीट4 पु0–1066 प0–1533
43	23	1642	रैयती	–	0.258	नहर बेड	उ0–1882 द0–1645 पु0–1640 प0–1645
44	10	1645	गै0मा0	–	0.205	लक्ष्मी साव पिता–रघुनन्दन साव, धनेश मोची पिता–मंगरू मोची, मुरली पटवा पिता–स्व0 मुन्शी पटवा जगदिश साहु	उ0–1640 द0–मिलान शीट4 पु0–1642 प0–झकरा
कुल :–					9.388		

यह अधिसूचना भू–अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता अधिकार अधिनियम,2013 (अधिनियम संख्या 30/2013), की धारा–11 (1) के उपबंधों के अधीन सभी संबंधित व्यक्तियों के लिए जारी की जाती है।

भूमि की योजना का निरीक्षण जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, गढ़वा के कार्यालय में किसी कार्य दिवस को कार्यावधि में किया जा सकेगा। झारखण्ड सरकार/समाहर्त्ता–सह–समुचित सरकार उक्त अधिनियम की धारा 12 में यथा उपबंधित एवं यथा विनिर्दिष्ट कार्यो के समुचित निष्पादन हेतु अपेक्षित किसी भूमि का सर्वेक्षण एवं उसकी प्रविष्टि करने, किसी भूमि के किसी स्तर को मापने के लिए, अवभूमि खोदने या भू–वेधन–छिद्र करने सहित सभी अन्य कार्यो के संचालन करने हेतु जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, गढ़वा और उनके अमीन श्री फैजुल्लाह अंसारी को प्राधिकृत करता हूँ।

अधिनियम की धारा 11 (4) के अधीन कोई व्यक्ति जिला समाहर्त्ता के पूर्विक अनुमोदन के बिना इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से प्रारंभिक अधिसूचना में विनिर्दिष्ट भूमि का कोई अंतरण यथा क्रय/विक्रय नहीं करेगा या ऐसा कोई अंतरण नहीं करवाएगा या ऐसी भूमि पर कोई अवभार नहीं उत्पन्न करेगा। अधिनियम की धारा 15 के अधीन यथा उपबंधित इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से साठ (60) दिनों के अंतर्गत भू–अर्जन की बाबत किसी प्रकार की आपत्तियां हितबद्ध व्यक्ति द्वारा जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, गढ़वा के समक्ष दर्ज की जा सकेगी।

अमीन, जिला भू–अर्जन शाखा, गढ़वा। | कानूनगो, जिला भू–अर्जन शाखा, गढ़वा। | जिला भू–अर्जन पदाधिकारी, गढ़वा। | अपर समाहर्त्ता, गढ़वा। | उपायुक्त, गढ़वा।

PR 357271 Land Reforms(25-26)#D

संक्षिप्त समाचार

वीकेएसयू : एनसीटीई, दिल्ली व नोडल सेंटर ललित नारायण मिथिला विवि, आदेश पर भी गंभीर नहीं

आरा। आरा वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय का शिक्षा (बीएड) विभाग एनसीटीई, दिल्ली के आदेश को गंभीरता से नहीं लेता है। ना नोडल सेंटर ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा के आदेश को। यह विभाग अपने मन-मुताबिक खुलता और बंद होता है। 12 जुलाई 2025 को नोडल सेंटर ललित नारायण मिथिला यूनिवर्सिटी दरभंगा ने राज्य के सभी बीएड विभाग/ महाविद्यालय को यह निर्देश दिया कि रविवार को विभाग/ महाविद्यालय खोला जाए एवं प्रथम चक्र में चयनित अभ्यर्थियों का नामांकन लिया जाए। लेकिन वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के शिक्षा (बीएड) विभाग ने इस आदेश का अनुपालन नहीं किया। रविवार को बीएड विभाग नहीं खोला गया। इस वजह से रविवार को नामांकन शून्य रहा। विभाग के शिक्षकों से इसके बारे में पूछा गया। उनलोगों ने बताया कि नोडल सेंटर ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय दरभंगा के इस आदेश के बारे में हमलोगों को कोई जानकारी नहीं थी। पत्र प्राप्त होने उसका अनुपालन किया जाता। दूसरी तरफ दोनों बीएड विभाग यह कह कर सीधे पल्ला झाड़ रहा कि विभाग को कोई पत्र नहीं मिला है। हाल के दिनों में भी एक ऐसा मामला आया था। जिसमें विभाग का पक्ष था कि एनसीटीई, दिल्ली ने विश्वविद्यालय को कोई पत्र नहीं भेजा है। इसकी वजह से विभाग की मान्यता समाप्त कर दी गई। बाद में यह खुलासा हुआ कि एनसीटीइ दिल्ली द्वारा वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के बीएड विभाग को दो बार पत्राचार किया गया था। जवाब नहीं देने पर अंत में एनसीटीई दिल्ली ने मान्यता समाप्त करने का पत्र जारी कर दिया। इसके बाद विश्वविद्यालय के गलियारों में हड़कंप मच गई थी। गौरतलब हो कि प्रथम सूची में चयनित अभ्यर्थियों का नामांकन 15 जुलाई तक होगा। 16 जुलाई तक दस्तावेज सत्यापन का कार्य होगा। इसके बाद दूसरे राउंड की काउंसलिंग 19 जुलाई को होगी। दूसरे राउंड में आवंटित कॉलेजों में नामांकन 21 जुलाई से एक अगस्त तक होगा। तीसरे राउंड की काउंसलिंग 7 अगस्त को होगी। तीसरे राउंड में आवंटित कॉलेजों में नामांकन 8 से 19 अगस्त तक होगा। एनसीटीई के मानक के अनुसार नहीं विभाग में शिक्षक वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के शिक्षा (बीएड) विभाग में एनसीटीई, दिल्ली के मानक के अनुसार शिक्षक नहीं है। इससे एनसीटीई के मानकों पर विभाग का खरा नहीं उतरने का सवाल उठता रहा है। एनसीटीई के मानक अनुसार विभाग में 15 शिक्षक और 5 कर्मचारी होने चाहिए। परन्तु ऐसा नहीं है। विभाग में केवल 6 शिक्षक ही कार्यरत हैं। खुद विभाग के कई छात्र-छात्राएं शिक्षकों की कमी को लेकर आंदोलन भी कर चुके है। मानकों पर खरा नहीं उतरने के मामले में विश्वविद्यालय के बीएड विभाग की पूर्व में भी मान्यता एक सत्र के लिए समाप्त की गई थी। आनन-फानन में विश्वविद्यालय को अतिथि शिक्षक बहाल कराना पड़ा था। एक बार फिर बीएड विभाग की मान्यता एनसीटीई, दिल्ली ने समाप्त कर दी है।

अस्पताल में लकवा पीड़ित महिला मौत से जूझ रही, इलाज के लिए नहीं है पैसे

आरा। आरा/तरारी करथ गांव की 55 वर्षीय चंदन देवी ब्रेन हेमरेज के बाद आरा सदर अस्पताल में जिंदगी और मौत से जूझ रही हैं। पति राम बिहारी गोसाई के पास इलाज और खाने तक के पैसे नहीं हैं। डॉक्टरों ने चंदन देवी को पीएमसीएच रेफर किया है। लेकिन आर्थिक तंगी के कारण वह पटना नहीं जा पा रहे हैं। चंदन देवी को पहले से लकवा था। इलाज गांव के एक झोलाछाप डॉक्टर से कुछ महीनों से चल रहा था। हालत बिगड़ने पर दो दिन पहले उन्हें आरा लाया गया। राम बिहारी गोसाई की उम्र करीब 60 साल है। मिट्टी के जर्जर मकान में रहते हैं। भिक्षाटन कर गुजारा करते हैं। उसी से पत्नी का इलाज भी कराते थे। परिवार में दो बेटियां हैं। बड़ी बेटी दिव्यअंग है। छोटी की शादी के बाद पति की मौत हो गई। ससुराल वालों ने उसे मायके भेज दिया। अब दोनों बेटियां माता-पिता के साथ रहती हैं। राम बिहारी का एक बेटा था, जिसकी पांच साल पहले मौत हो गई। राम बिहारी का आरोप है कि बेटे की हत्या हुई थी, लेकिन पुलिस ने केस दर्ज नहीं किया। समाजसेवी अमरदीप कुमार जय ने अस्पताल पहुंचकर डॉक्टरों से बेहतर इलाज का आग्रह और सहयोग किया। उन्होंने कहा कि चंदन देवी का आरा में इलाज संभव नहीं है। परिवार बेहद गरीब है। राम बिहारी ने बताया कि दो दिन से भूखे हैं। कोई मददगार नहीं है। चुनाव के समय समाजसेवी दिखते हैं, बाद में गायब हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने भी धोखा दिया।

भोले को जल देने निकले कांवरिये

बक्सर। बक्सर रविवार को स्थानीय रामरेखा घाट पर दिन के दो बजे से ही भोले बाबा के भक्त कांवरियों का पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। शाम होते-होते रामरेखा घाट से लेकर सड़क तक हर तरफ केसरिया ही केसरिया रंग नजर आ रहा था। पूरा रामरेखा घाट कांवरियों से पट गया था। भक्तों की भीड़ सावन की पहली सोमवारी को लेकर जुटी थी। भक्तों में महिलाओं की भी अच्छी खासी संख्या दिखी। सावन की पहली सोमवारी पर भोलेनाथ को जलाभिषेक करने का उत्साह हर कांवरियों में दिखा। हर थोड़ी देर पर बोल बम के जयघोष से रामरेखा घाट गुंजायमान हो रहा था। कांवरियों ने सबसे पहले गंगा स्नान कर जल उठाया। फिर वहां मौजूद पंडित जी से संकल्प लिये। रामरेखा घाट से हर थोड़ी देर पर कांवरियों का जत्था दूसरी सोमवारी पर ब्रह्मपुर स्थित बाबा ब्रह्मेश्वर नाथ मंदिर में जलाभिषेक करने के लिए रवाना होता रहा। शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए कांवरियों का जत्था निकल रहा था। पूरा शहर भोले नाथ के जयघोष से गूंज रहा था। यह सिलसिला रात के बारह बजे तक चलता रहा। 40 किलोमीटर की पैदल यात्रा कांवरिया लगभग 40 किलोमीटर का पैदल यात्रा कर बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ के मंदिर में जलाभिषेक करने के लिए रामरेखा घाट से रवाना होते रहे। सभी कांवरिया भगवा वस्त्र धारण किए एक रंग में रंगे दिख रहे थे। सभी भक्त भोले भंडारी की भक्ति में लीन दिखे। बोल बम का नारा बोलते हुए कांवरियों का हर कदम बाबा ब्रह्मेश्वर धाम की ओर बढ़ रहा था।

इंस्पायर अवार्ड में नवाचार अपलोड कराने में विद्यालय नहीं ले रहे रुचि

बक्सर। जिले के सरकारी विद्यालय इंस्पायर अवार्ड में नवाचार अपलोड कराने में रूचि नहीं ले रहे हैं। विज्ञान शिक्षक भी कार्य की प्रति लापरवाही बरत रहे हैं। जिले में अब तक मात्र 11 प्रखंडों में 6 विद्यालय ने ही नवाचार अपलोड किया है। भारत सरकार के महत्वाकांक्षी योजना इंस्पायर अवॉर्ड मानक में डुमरांव के जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान से इन्नोवेटिव चैंपियन 60 शिक्षक है, पुणे में प्रशिक्षण प्राप्त विज्ञान के ,5 शिक्षक हैं जो अपनी अपने विद्यालयों के इंस्पायर अवार्ड मानक में विचार अपलोड करने में असफल साबित हो रहे हैं। भारत सरकार विज्ञान शिक्षकों की प्रशिक्षण पर विशेष खर्च और ध्यान रखती है, जागरूकता कार्यक्रम की बावजूद शिक्षक अपनी-अपने विद्यार्थियों में कार्य के प्रति सजग नहीं है। शिक्षा विभाग बक्सर व बिहार सरकार और भारत सरकार की संयुक्त प्रयास से जिला के कक्षा 6 से वर्ग 12 के विद्यार्थियों के बीच नई सोच, नई शक्ति , नए विचार, इन्नोवेटिव आईडियाज को लेकर इंस्पायर अवार्ड मानक भारत में आगे बढ़ाने की योजना है। भारत सरकार की ईएमआईएएस ऑनलाइन पोर्टल पर विगत 15 जून 2025 से एक यू डाइस कोड 5-5 इन्नोवेटिव आईडियाज को चिन्हित पोर्टल पर अपलोड कर रहे हैं। बक्सर अभी धीमी गति से आगे बढ़ रहा है।

कांट गांव पहुंचे विधायक ने परिजनों से की मुलाकात

ब्रह्मपुर। ब्रह्मपुर थाना क्षेत्र के कांट पंचायत अंतर्गत बाबुडेरा गांव में युवक की हत्या के बाद परिजनों से मिलने स्थानीय विधायक शंभूनाथ सिंह यादव पहुंचे। विधायक ने स्थानीय पुलिस को जल्द से जल्द इस मामले का उद्भेदन करने का निर्देश दिया। बता दें कि शनिवार की सुबह स्थानीय गांव के पास खेत में 25 वर्षीय युवक लल्लू यादव का शव संदिग्ध हालत में मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी। वह शुक्रवार की रात खेत में पटवन करने गया था और वहीं सो गया था। सुबह जब ग्रामीण खेतों की ओर निकले तो उसकी लाश देखकर स्तब्ध रह गए। लल्लू के पेट पर संदिग्ध निशान मिले हैं, जिससे गोली मारे जाने की आशंका जताई जा रही थी। विधायक ने बताया कि स्थानीय पुलिस ने आश्वासन दिया है कि जल्द से जल्द वह इस मामले का उद्भेदन कर लेगी।

शराब की सूचना पर रेड मारने गई पुलिस पर हमला

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर में रविवार देर शाम छापेमारी के दौरान दीवार तोड़कर शराब निकाल रही उत्पाद विभाग की टीम पर तस्करों ने हमला कर दिया। इसी दौरान कुछ लोगों ने पत्थरबाजी शुरू कर दी। जिसके बाद टीम आत्मरक्षा में फायरिंग की, जिसमें एक व्यक्ति के सीने में गोली लग गई। अस्पताल ले जाने के दौरान सुशील यादव(45) की मौत हो गई। मौत के बाद ग्रामीण आक्रोशित हो गए। गोली चलाने वाले सैप जवान को पकड़कर बेरहमी से पिटाई कर दी। भीड़ ने जवान को लात-घूंसे से पीटकर अधमरा कर दिया। जवान को बंधक बना लिया। मौके पर सीनियर अधिकारी के पहुंचने के बाद भी नहीं छोड़ा। जख्मी हालत में जवान जमीन पर पड़ा रहा। 6 घंटों की मशक्कत के बाद जवान को छोड़ा। ग्रामीणों ने शव को सड़क के बीच बीच रखकर शाहपुर थाने के पास आगजनी की। करीब 4-5 घंटे तक रोड जाम रखा। घटना शाहपुर थाना क्षेत्र के नगर पंचायत वार्ड- 3 की है।

जवान बोला- ASI ने आत्मरक्षा में गोली चलाने को कहा था: घायल सैप जवान अरविंद कुमार जगदीशपुर उत्पाद टीम में तैनात हैं। उन्होंने बताया- 'गुप्त सूचना के आधार पर ASI अजय कुमार के नेतृत्व में वार्ड 3 में छापेमारी करने के लिए आए थे। छापेमारी के दौरान कुछ लोगों ने हमला कर कर दिया। इसकी सूचना हमने ASI को दी।

पुलिस को लगा भीड़ हमला करेगी, उन्होंने फायरिंग कर दी: ग्रामीण मनमोहन मिश्रा ने बताया कि 'हम लोग गांव की फील्ड से फुटबॉल मैच खेलकर आ रहे थे। इसी बीच फोन पर सूचना मिली कि वार्ड 3 में गोली चल रही है। जगदीशपुर उत्पाद की टीम मोहल्ले में छापेमारी करने के लिए आई है।' 'टीम छापेमारी कर रही थी। तभी ग्रामीणों की भीड़ इकट्ठी हो गई थी। पुलिस को लगा कि ये लोग घेरकर हमला करेंगे। उसी दौरान सैप जवान ने गोली चला दी। सीने में बुलेट लगने से सुशील यादव की मौत हो गई।' 'उत्पाद की टीम बिना सूचना दिए किसी के घर में घुसकर जांच पड़ताल शुरू कर देती है। पूछने पर उन लोगों के द्वारा धमकी दी जाती है। सैप जवान समेत छापेमारी करने आई टीम पर कार्रवाई होनी चाहिए।'

पापा ने कहा था- खाना बनाकर रखो: मृतक की बेटी किरण कुमारी ने कहा- '20 दिन पहले बीमारी से मेरी मां सुंदरी देवी की मौत हो गई थी। मां ने मेरे पापा सुशील यादव से दूसरी शादी की थी। अभी हम लोग उस दर्द से उबरे भी नहीं थे कि अब उनकी मौत हो गई। शाहपुर बाजार पर लिट्टी की दुकान चलाते थे। मछली भी बिकवाते थे।

SDM बोले- पुलिस ने सेल्फ डिफेंस में गोली चलाई: जगदीशपुर SDM संजीत कुमार ने बताया, 'सूचना मिली थी कि एक घर में भारी मात्रा में शराब रखी गई है। वहां से खरीद बिक्री का काम चल रहा है। तभी कुछ लोगों ने टीम पर हमला कर दिया गया। हमले के दौरान आत्मरक्षा में गोली चलाई गई है। जिसमें एक व्यक्ति को गोली लगने से मौत हो गई है।' 'घटनास्थल पर FSL की टीम को बुलाया गया है। जिसको गोली लगी है, उसकी शराब बेचने में संलिप्तता है या नहीं, इसकी जांच की जा रही है। गोलीबारी की घटना के बाद ग्रामीणों ने जवान को बंधक बना लिया गया था। उन्हें छुड़ा लिया गया है। पुलिस अभिरक्षा में इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है। इसमें जो भी दोषी होंगे, उस पर कार्रवाई की जाएगी।'

पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है: पुलिस अधीक्षक राज ने बताया कि 'शाहपुर वार्ड में छापेमारी करने गई उत्पाद की विभाग की टीम पर हमला किया गया है। स्थिति तनावपूर्ण हो गई थी।

बक्सर में किसान ने जहर खा दी जान

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर में राजपुर थाना क्षेत्र के तियारा गांव में खेत और पैसों के विवाद में एक किसान ने अपनी जान गंवा दी। गांव के मुन्ना चौहान (40) ने रविवार देर रात जहर खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे अस्पताल ले गए, जहां सोमवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि मुन्ना ने गांव के ही धीरज राम को एक लाख रुपए देकर उसका खेत गिरवी पर लिया था। जब वो खेत जोतने पहुंचा तो धीरज ने उसे रोक दिया। धीरज ने ना तो खेत दिया, न ही पैसे लौटाए।

खेत के लिए कर्ज लेकर दिए थे पैसे: पंचायत मुखिया राजेश कुमार ने बताया कि मुन्ना चौहान ने कर्ज लेकर पैसे जुटाए थे। खेत न मिलने और पैसे डूबने की वजह से वो तनाव में था। इसी गहरे सदमे में उसने जहर खा लिया।

पुलिस और फोरेंसिक टीम ने की जांच: घटना की जानकारी मिलते ही राजपुर थाना प्रभारी ज्ञान प्रकाश मौके पर पहुंचे। FSL (फोरेंसिक साइंस लैब) की टीम ने भी साक्ष्य जुटाए। थाना प्रभारी ने बताया कि अब तक परिजनों की तरफ से कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और फोरेंसिक जांच के बाद आगे की कार्रवाई होगी।

गांव में पसरा मातम: मुन्ना चौहान जलहरा गांव निवासी बाल बच्चन चौहान का बेटा था। किसान की अचानक मौत से गांव में शोक की लहर है। ग्रामीणों के बीच इस घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं।

पहली सोमवारी को लेकर शिवालयों की हुई सफाई

निज संवाददाता। आरा

आरा सावन की पहली सोमवारी से एक दिन पहले रविवार को, नगर निगम ने शहर के प्रमुख शिवालयों और मंदिरों में विशेष सफाई अभियान चलाया। अभियान का नेतृत्व मेयर इंदु देवी ने किया। नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में स्थित पौराणिक शिवालयों की सफाई की गई। मंदिरों के आसपास चूना और ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव किया गया। सिद्धनाथ मंदिर बिन्दटोली टोली, बुढ़वा महादेव मंदिर महादेवा रोड, पातालेश्वर नाथ मंदिर महाजन टोली, जोड़ा मंदिर टाउन थाना समेत कई शिवालयों में सफाई की गई। मेयर ने पुजारियों और मंदिर कमेटी से आग्रह किया कि सोमवारी के दिन पूजन के बाद बेलपत्र और अन्य सामग्री नए डस्टबिन में ही डलवाएं। इन सामग्रियों को विशेष गाड़ी से गांगी नदी में प्रवाहित किया जाएगा। मेयर इंदु देवी ने कहा कि सावन की दूसरी और तीसरी सोमवारी से पहले भी इसी तरह का अभियान चलेगा।

40 किलोमीटर की यात्रा कर भक्तों ने किया जलाभिषेक

निज संवाददाता। बक्सर

सावन की पहली सोमवारी पर बक्सर के प्रसिद्ध ब्रह्मेश्वरनाथ और रामेश्वरनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। अहले सुबह 3 बजे से ही 500 मीटर लंबी कतार लग गई। भक्त 'हर-हर महादेव' के जयकारों के साथ जलाभिषेक कर रहे हैं। बक्सर जिला मुख्यालय से 40 किलोमीटर दूर ब्रह्मेश्वरनाथ मंदिर में UP, बिहार और झारखंड से श्रद्धालु पहुंचे। रामरेखा घाट से कांवर में गंगाजल भरकर 40 किलोमीटर की पदयात्रा कर कांवड़िए बाबा के दरबार में जल चढ़ा रहे हैं। अब तक करीब 20 हजार श्रद्धालु जलाभिषेक कर चुके हैं। अनुमान है कि दिनभर में यह संख्या 50 हजार के पार हो जाएगी।

मनोकामना पूरी करने वाले महादेव: मान्यता है कि बाबा ब्रह्मेश्वरनाथ को 'मनोकामना महादेव' कहा जाता है। सालभर जलाभिषेक का महत्व है, लेकिन सावन में खास तौर पर कांवड़ियों की भीड़ उमड़ती है। मंदिर प्रबंधन ने बाबा के दरबार को फूल-मालाओं और लाइट से दुल्हन की तरह सजा दिया है। हर तरफ भक्ति का माहौल है।

सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, गाड़ियों पर रोक: श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए मंदिर की तरफ जाने वाले रास्तों पर गाड़ियों की आवाजाही रोक दी गई है। जाम से बचने के लिए विशेष ट्रैफिक प्लान बनाया गया है। चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात है। भक्तों को नियंत्रित तरीके से गर्भगृह में प्रवेश दिया जा रहा है। मंदिर परिसर के आसपास दुकानों की कतार लग गई है। माहौल पूरी तरह मेले जैसा हो गया है।

रामेश्वरनाथ मंदिर में भी भक्तों का सैलाब: बक्सर जिला मुख्यालय स्थित रामेश्वरनाथ मंदिर में भी सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी। रामरेखा घाट पर गंगा स्नान के बाद भक्त बाबा के दरबार में जलाभिषेक कर रहे हैं। यह मान्यता है कि जब भगवान राम बक्सर आए थे, तब उन्होंने अपने हाथों से इस शिवलिंग की स्थापना की थी। इसी वजह से इस मंदिर को रामेश्वरनाथ कहा जाता है। 35 CCTV की निगरानी में पूरी व्यवस्था की गई है। दर्जनों स्वयंसेवी भी श्रद्धालुओं की सेवा में लगे हैं। महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग भी बाबा पर जल चढ़ाने के लिए पहुंचे। सुबह से ही युवा शिवभक्त दूध और जल से अभिषेक कर रहे हैं। पूरा जिला शिवमय हो गया है।

रामरेखा घाट पर उमड़े श्रद्धालु: रविवार देर शाम रामरेखा घाट पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई। सावन की पहली सोमवारी पर जलाभिषेक करने के लिए लोग उत्तरवाहिनी गंगा तट से जल लिए। इसके बाद पैदल यात्रा करने वाले कांवड़िए रात में ही बाबा ब्रह्मेश्वर नाथ मंदिर के लिए निकल गए। कांवड़िए हर-हर गंगे और बोल बम के जयघोष के साथ रवाना हुए। वहीं, कुछ लोग DJ और भक्ति गीतों के साथ नृत्य करते दिखे। जिले के ब्रह्मपुर, इटाढ़ी, चौसा, सिमरी के साथ रोहतास के कोचस, सासाराम और गुप्ताधाम से श्रद्धालु घाट पहुंचे थे। प्रशासन ने घाट पर विशेष सुरक्षा व्यवस्था की। गहरे पानी वाले क्षेत्रों में बैरिकेडिंग की गई। पुलिस बल, होमगार्ड, गोताखोर और नाव तैनात किए गए। घाट पर पर्याप्त रोशनी और साफ-सफाई की व्यवस्था की गई।

30 वर्षों का रुका हुआ का एरियर मिलने से खुशी

निज संवाददाता। बक्सर

आईईएएम बक्सर की बैठक रविवार को सैनिक कार्यालय मां मुंडेश्वरी अस्पताल में हुई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष सूबेदार हरेंद्र तिवारी व संचालन जिला उपाध्यक्ष सूबेदार विद्या सागर चौबे ने किया। मौके पर जिला के सभी प्रखंडों से लगभग 200 पूर्व सैनिकों एवं वीरांगनाएं मौजूद थी। कार्यक्रम में नगर परिषद के उप चेयरमैन प्रतिनिधि सुनील मिश्रा एवं राजपुर पूर्व थाना प्रभारी संतोष यादव को डॉ पीके पांडेय ने सम्मानित किया। आईइएसएम हेल्थ केयर शाहाबाद जोन के अध्यक्ष डाक्टर मेजर पीके पाण्डेय ने बताया कि हमारा संगठन हर जीते हुए प्रत्याशी हो या प्रतिभावान बच्चे जिन्होंने बक्सर का मान बढ़ाया है उसे हमारे मंच से सम्मानित किया जाता है। पूर्व सैनिकों एवं वीरांगनाओं ने जब नायक कपिल मुनि सिंह जिन्हें 30 वर्षों का रुका हुआ एरियर 34 लाख 49 हजार रुपये मिलने की खबर सुनी तो तालियों की गड़गड़ाहट से सभा स्थल गूंज उठा। पीसीडीए प्रधान नियंत्रक संदीप सरकार, ज्वाइंट कंट्रोलर विजय शर्मा और पीसीडीए अधिकारी मनोज सिंह की जयघोष और गगनचुंबी नारों से सारा वातावरण गुंजयमान हो गया। पूर्व सैनिक हवलदार एसीपी धर्म राज त्रिपाठी को 4 लाख 69 हजार रुपए एरियर और वीरांगना फारुका बेबी को 2 लाख 45 हजार रुपए एरियर मिला है। पूर्व सैनिक विनोद प्रसाद को 4 लाख 93 हजार रुपए एरियर मिला है। जिला उपाध्यक्ष विद्या सागर चौबे ने बताया कि हमारा संगठन बिल्कुल निशुल्क एवं निस्वार्थ कार्य करता है । इंडियन एक्स सर्विसमेन मूवमेंट के चेयरमैन मेजर जनरल सतवीर सिंह की पत्नी की स्वर्गवास होने पर दो मिनट का मौन धारण किया गया। मौके पर महासचिव कैप्टन निवास सिंह, कार्यकारिणी चेयरमैन कैप्टन संजय पाठक, पूर्ण कार्यकारिणी चेयरमैन सूबेदार मेजर अलख नारायण श्रीवास्तव, उप सभापति द्वारिका पाण्डेय, सचिव हरेंद्र मिश्रा, कोषाध्यक्ष आरबी सिंह, उप चेयरमैन बलिराम मिश्रा, सुरेंद्र सिंह, कैप्टन कन्हैया पंडित, संयोजक राम नाथ सिंह, लेफ्टिनेंट लक्षण चौबे, लेफ्टिनेंट अशोक उपाध्याय, सूबेदार राजेंद्र चौबे, उप संयोजक भरत मिश्रा, काशी नाथ उपाध्याय आदि मौजूद थे।

बदलते और प्रगतिशील बिहार की गाथा लिखेंगे विद्यार्थी

निज संवाददाता। बक्सर

जिले के सरकारी विद्यालय के छात्र छात्रा बदलते और प्रगतिशील बिहार की गाथा निबंध लेखन के माध्यम से लिखेंगें। इसको लेकर माध्यमिक शिक्षा के निदेशक दिनेश कुमार ने पत्र जारी कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिया है। पत्र जारी कर प्रतियोगिता का आयोजन कराने का निर्देश दिया गया है। प्रतियोगिता का आयोजन पंचायत स्तर से लेकर राज्य स्तर तक किया जाएगा। राज्य स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले छात्रों को पुरस्कृत भी किया जाएगा।विद्यालय स्तर पर उक्त प्रतियोगिता का आयोजन 26-30 जून को कराया गया था। अब उक्त प्रतियोगिता का आयोजन पंचायत, प्रखंड, जिला, प्रमंडल व राज्य स्तर पर आयोजित की जाएगी। विभाग के निर्देश पर जिला शिक्षा विभाग द्वारा प्रतियोगिात का आयोजन कराने की तैयारी शुरू कर दी गई है। प्रतियोगिता के माध्यम से बच्चे नशामुक्त बिहार, बिहार के गांवों की तस्वीर, विद्यालयों में बच्चों के लिए संचालित कल्याणकारी योजनाओं के अंर्गत साइकिल, पोशाक, सेनेटरी पैड, छात्रवृति, विद्यालयों में गुणवत्ता शिक्षा, कंप्यूटर शिक्षा के लाभ, प्रगतिशील बिहार और तकनीकी विषय पर बच्चे निबंध लिखेंगे। सरकार का उद्देश्य है कि बिहार में अब तक हुए बदलाव की जानकारी भी सरकार को हो जाए।प्रतियोगिता में कक्षा-06-12 तक के छात्र-छात्राएं शामिल होंगे।पंचायत स्तर पर प्रतियागिता की शुरूआत 16 जुलाई से होगी। बदलते एवं प्रगतिशील बिहार की तस्वीर विषय पर निबंध लेखन, परिचर्चा, पेंटिंग/पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। जिसमें विद्यालय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र शामिल होंगें। वहीं 22 जुलाई को प्रखंड स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में पंचायत स्तर पर चयनित छात्र-छात्रा शामिल होंगी। जिला स्तर पर प्रतियोगिता 25 जुलाई, प्रमंडल स्तर पर 30 जुलाई व राज्य स्तर पर 11 अगस्त को आयोजित की जाएगी। संकुल समन्वयक को पंचायत स्तर पर प्रतियोगिता का आयोजन के लिए नोडल पदाधिकारी बनाया गया है। वहीं प्रखंड स्तर पर प्रतियोगिता का आयोजन कराने की जिम्मेदारी बीडीओ को दी गई है। छात्रों को 2 ग्रुप में बांट कर प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। जिसमें वर्ग 06-8 तक के बच्चों को एक ग्रुप व वर्ग 09-12वीं तक के बच्चों को दूसरे ग्रुप में रखा गया है। दोनों गुप्र के लिए हर स्तर पर प्रतियोगिता का विषय भी निर्धारित किया गया है। पंचायत स्तर पर वर्ग 06-08 तक के बच्चों के लिए नशामुक्त बिहार और खुशहाल परिवार, सुरक्षित समाज के लिए मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम विषय पर निबंध लिखना होगा। कक्षा 09-12वीं तक के छात्रों के लिए बिहार के गांव में बदलाव की नई तस्वीर और बच्चियों का सम्मान सेनेटरी पैड का इंतजाम विषय पर निबंध लिखना होगा। प्रखंड स्तर पर कक्षा 06-08 के छात्रों के लिए इतना बदल गया बिहार और विद्यालय बदल रहा है। वहीं 09-08 के छात्रों के लिए बदलाव की बहार मुफ्त साइकिल, पोशाक, पाठ्य पुस्तक एंव शिक्षण सामग्री का उपहार और सुनहरे भिवष्य के लिए छात्रवृति योजना विषय पर निबंध लिखना होगा। जबकि जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिए वर्ग 06-8 के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा बिहार की पहचान और कंप्यूटर शिक्षा से बिहार में बदलाव विषय शामिल है। जबकि 09-12 वीं के छात्रों को कला खेल और वर्तमान बिहार के साथ प्रगतिशील बिहार और तकनीकी विषय पर निबंध लिखना होगा।

भोजन बैंक ने गरीबों को कराया भोजन

निज संवाददाता। बक्सर

सावन माह के पहले सोमवार से ठीक एक दिन पूर्व रविवार 13 जुलाई को बक्सर में भागीरथी सहयोग सेवा संस्थान के भोजन बैंक द्वारा गरीबों और जरूरतमंदों को प्रसाद रूपी भोजन कराया गया। यह लगातार चौदहवां सप्ताह रहा जब स्टेशन परिसर में मुफ्त भोजन का आयोजन किया गया। यह सेवा आयोजन न केवल सामाजिक उत्तरदायित्व का उदाहरण बना, बल्कि मानवीय संवेदना का भी प्रतीक रहा। कार्यक्रम का संचालन अनिल वर्मा, मदन वर्मा एवं शिक्षक शाहिद कुरैशी ने संयुक्त रूप से किया। इस मौके पर अनिल कुमार और मदन वर्मा ने कहा कि "नर सेवा ही नारायण सेवा" की भावना के तहत जिस प्रकार भोजन बैंक जरूरतमंदों की सेवा कर रहा है, वह सराहनीय है। उन्होंने आमजन से आह्वान किया कि इस तरह के आयोजन में तन, मन और धन से सहयोग देकर पुण्य के भागी बनें। भोजन बैंक को सहयोग देने वालों में कृष्णा भोग ब्रह्मपुर, अभिनव कुमार सिंह, राहुल वर्मा, विवेक मौर्या, रवि प्रकाश सिंह, मनोरंजन सिंह, अरुण कुमार, अधिवक्ता मुक्ति नारायण पाठक और विकास वर्मा प्रमुख रहे जिन्होंने आर्थिक रूप से इस अभियान को सहयोग दिया। मौके पर अधिवक्ता कुमार मानवेन्द्र, अधिवक्ता राज कुमार श्रीवास्तव, चन्दन वर्मा, अजित वर्मा, अमर वर्मा, मनोज वर्मा, शिक्षक बाला जी, मनोज गुप्ता, प्रभात शर्मा, सोनू वर्मा, भरत गोंड, जय राम सिंह, रिशु लाल, संजीत यादव, अभिषेक वर्मा, शिक्षक अर्जुन कुमार, सौरभ गुप्ता, शिवम राय सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में अधिवक्ता मुक्ति नारायण पाठक, अधिवक्ता मुहम्मद अकरम एवं ललन राम ने सभी सहयोगियों और उपस्थितजनों का आभार व्यक्त किया। साथ ही आगामी रविवार 20 जुलाई को सुबह 9 बजे पुनः स्टेशन परिसर में आयोजित होने वाले भोजन वितरण कार्यक्रम में भाग लेने और सहयोग देने का आग्रह किया।

संक्षिप्त समाचार

सम्मेलन में पूर्व आचार्यों ने अपने अनुभव किए साझा

मुंगेर। मुंगेर सरस्वती विद्या मंदिर, लल्लू पोखर में रविवार को पूर्व आचार्य सम्मेलन का आयोजन हुआ। मुंगेर विभाग के विभिन्न विद्यालयों से जुड़े पूर्व आचार्य इस अवसर पर एकत्र हुए। उन्होंने संस्था से अपने जुड़ाव, शिक्षण अनुभव और भावनात्मक स्मृतियों को साझा किया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रदेश सचिव प्रदीप कुमार कुशवाहा, सतीश कुमार सिंह, प्रो. रामादर्श प्रसाद सिंह और अमरनाथ केसरी ने संयुक्त रूप से किया। संचालन पूर्व आचार्य प्रमुख कुंज बिहारी ने किया। प्रधानाचार्य राजेश कुमार ने स्वागत भाषण दिया। प्रदेश सचिव ने कहा कि पूर्व आचार्य संस्था की रीढ़ हैं। वे अतीत के गौरवशाली पृष्ठ हैं। उनके अनुभवों से वर्तमान को दिशा मिलती है।

बीसीए के छठे व बीबीए के अंतिम दिन की परीक्षा आज

मुंगेर। मुंगेर विश्वविद्यालय बीसीए सेमेस्टर-1, 3 और 5 के साथ बीबीए पार्ट-1 और 3 की परीक्षा 8 जुलाई से ले रहा है। सोमवार को बीसीए की परीक्षा का छठा दिन होगा। इसी दिन बीबीए की अंतिम परीक्षा भी होगी। सोमवार को पहली पाली में बीसीए सेमेस्टर-3 के कंप्यूटर ऑर्गेनाइजेशन एंड आर्किटेक्चर विषय की परीक्षा होगी। दूसरी पाली में बीसीए सेमेस्टर-1 के एईसीसी-1 पेपर हो गी। आरडी कॉलेज, शेखपुरा केंद्र पर पहली पाली में बीबीए पार्ट-1 के फाइनेंशियल अकाउंटिंग की परीक्षा होगी। दूसरी पाली में बायोटेक के इन्वायरमेंटल बायोटेक्नोलॉजी की परीक्षा ली जाएगी।

स्नातक पार्ट टू के ऑनर्स विषय की 21 और सब्सिडियरी की परीक्षा 23 से होगी

मुंगेर। मुंगेर विश्वविद्यालय सत्र 2022-25 के स्नातक पार्ट-2 की परीक्षा 21 जुलाई से लेगा। इसमें नियमित और बैकलॉग दोनों तरह के विद्यार्थी शामिल होंगे। परीक्षा दो पालियों में होगी। पहली पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक चलेगी। दूसरी पाली दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक होगी। परीक्षा नियंत्रक डॉ. अमर कुमार ने बताया कि 21 और 22 जुलाई को ऑनर्स विषयों की परीक्षा होगी। सभी ऑनर्स विषयों को दो ग्रुप में बांटा गया है। ग्रुप-ए में अकाउंटिंग एंड फाइनेंस, बॉटनी, कैमेस्ट्री, भूगोल, होम साइंस, गणित, संगीत, भौतिकी, साइकोलॉजी, जूलॉजी और हिंदी शामिल हैं। ग्रुप-बी में एआईएच एंड कल्चर, बंग्ला, इकोनॉमिक्स, अंग्रेजी, इतिहास, आईआरपीएम, पाली, फिलॉस्फी, पॉलिटिकल साइंस, रूरल इकोनॉमिक्स, संस्कृत, सोशयोलॉजी और उर्दू शामिल हैं। 21 जुलाई को पहली पाली में ग्रुप-ए और दूसरी पाली में ग्रुप-बी की परीक्षा होगी। यही क्रम 22 जुलाई को भी रहेगा। सब्सिडियरी विषयों की परीक्षा 29 तक 23 जुलाई से सब्सिडियरी विषयों की परीक्षा शुरू होगी। यह 29 जुलाई तक चलेगी। प24 जुलाई को पहली पाली में बॉटनी, साइकोलॉजी, इकोनॉमिक्स और रूरल इकोनॉमिक्स की परीक्षा होगी। दूसरी पाली में प्री. ऑफ इकोनॉमिक्स और फिलॉस्फी की परीक्षा होगी। 25 जुलाई को केमेस्ट्री और सोशयोलॉजी की परीक्षा पहली पाली में होगी। बिजनेस ऑर्गेनाइजेशन और होम साइंस की परीक्षा होगी। 26 जुलाई को पहली पाली में लैंग्वेज एंड लिटरेचर और दूसरी पाली में फिजिक्स और इतिहास की परीक्षा होगी।

1.65 करोड़ रुपए का अधूरा हिसाब

भागलपुर। नगर निगम में गाड़ियों का हिसाब-किताब भी कचरे में ही दिखता है। शहर की सड़कों पर बीते दो साल से 110 ई-रिक्शा बिना रजिस्ट्रेशन दौड़ते रहे। और किसी ने कान तक नहीं हिलाया। जब बीते 8 जुलाई को स्टैंडिंग कमेटी की बैठक में यह मुद्दा उठा, तो निगम कर्मियों ने गोलमोल जवाब देकर जनप्रतिनिधियों को गुमराह कर दिया। अब कहा जा रहा है कि फाइलें देख रहे हैं, कागजात चेक हो रहे हैं। बतादें कि एक गाड़ी की कीमत करीब 1,50,000 है। ऐसे में 110 गाड़ियों पर कुल 1.65 करोड़ रुपए खर्च हुए। लेकिन रजिस्ट्रेशन नंबर का पता नहीं हैं। कई गाड़ियों की हालत इतनी खराब हो गई है कि वो अब कबाड़ की स्थिति में पहुंच चुकी हैं।

मुंगेर विश्वविद्यालय : कल से भरा जाएगा परीक्षा फॉर्म

मुंगेर। मुंगेर विश्वविद्यालय 15 जुलाई से स्नातक सत्र 2024-28 के सेमेस्टर-2 और सत्र 2023-27 के सेमेस्टर-1 के लिए परीक्षा फॉर्म भरवाएगा। परीक्षा नियंत्रक डॉ. अमर कुमार ने बताया कि स्नातक सेमेस्टर-2 और 4 के लिए फॉर्म भरने की प्रक्रिया 15 जुलाई से शुरू होगी। बिना विलंब शुल्क के फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 21 है। 22 और 23 जुलाई को 100 रुपये विलंब शुल्क के साथ फॉर्म भरे जा सकेंगे। डॉ. कुमार ने कहा कि दोनों सत्रों में फॉर्म भरने से पहले दस्तावेजों का भौतिक सत्यापन कराना जरूरी होगा।

स्कूल में महीने में 3 बार चोरी, चोर अबतक फरार, दो बार एफआईआर भी हुई

भागलपुर। भागलपुर में एक ऐसा स्कूल है जिसमें एक महीने में 3 बार चोरी हुई। एफआईआर भी दर्ज कराई गई, पर चोर नहीं पकड़ा गया। स्कूल में 17 जून, 20 जून और 22 जून 3 बार चोरी हुई। पहली बार चोरों ने तांबे की वायरिंग उखाड़ ली। दूसरी बार स्मार्ट क्लास के उपकरण, वेब कैमरा, पंखा और प्रयोगशाला सामग्री ले गए। तीसरी बार 12 कंप्यूटर सेट, सीपीयू, कैमरा, साउंड बॉक्स और सेनेटरी पैड मशीन तक चोरी कर ली। कुल मिलाकर करीब 7 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। छात्रा साक्षी कुमारी, मानसी प्रिया और छोटी कुमारी ने फोन पर कहा कि अब वे कंप्यूटर की पढ़ाई नहीं कर पा रही हैं। मामला रसलपुर थाना क्षेत्र के भोलसर गांव नंदकिशोर सिंह भगवती देवी बालिका उच्च विद्यालय की है। विद्यालय के शिक्षक अनूप लाल सिंह ने बताया कि हर घटना के बाद थाने में शिकायत दी गई। 2 एफआईआर दर्ज हुईं, लेकिन अब तक न तो चोर पकड़ा गया और न ही कोई सामान बरामद हुआ। उन्होंने कहा हम शिकायत करते-करते थक चुके हैं। पढ़ाई पर असर पड़ रहा है। जब आईजी ने फोन किया, तब जाकर पुलिस हरकत में आई। प्रधानाचार्य विकास प्रसाद सिंह ने बताया कि चोरी के मामले में कुछ संदिग्धों से पूछताछ की गई, लेकिन उन्हें छोड़ दिया गया। एक घड़ी स्कूल परिसर में मिली थी, जो पंकज मंडल नामक युवक की बताई जा रही है, लेकिन पुलिस ने उसे भी छोड़ दिया।

भागलपुर में वज्रपात से बुजुर्ग महिला की मौत

भागलपुर। भागलपुर में वज्रपात की चपेट में आने से बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। रविवार को घर से 200 मीटर दूरी पर बकरी चराने खेत पर गई थी। इस बीच वज्रपात की चपेट में आ गईं। घटना बुद्धचक थाना क्षेत्र के किशनदासपुर गांव की है। मृतका के पुत्र सौरव ने बताया कि मां बकरी लेकर खेत पर गई थी। इस दौरान बारिश शुरू हो गई। जोरदार आवाज के साथ ठनका गिरा। झुलसने से उनकी मौत हो गई। मृतका की पहचान भागीरथ मंडल की पत्नी सुरभि देवी(80) के तौर पर हुई है। बुद्धचक थानाध्यक्ष ने बताया कि जानकारी मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई थी। मायागंज में शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया गया है। छानबीन की जा रही है। आपदा के तहत आश्रितों को सहायता दी जाएगी।

अजगैबीनाथ में सावन की पहली सोमवारी पर उमड़ी भीड़

2 लाख कांवड़िए जल लेकर बाबा धाम होंगे रवाना, सीसीटीवी से निगरानी, घाटों पर एनडीआरएफ की तैनाती

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर के सुल्तानगंज में पहली सोमवारी पर कांवड़ियों की भारी भीड़ है। अजगैबीनाथ धाम में उत्तरवाहिनी गंगा तट पर श्रद्धालु स्नान कर कांवड़ में गंगा जल भरकर बैधनाथ धाम रवाना हो रहे हैं।

कांवड़ियों की भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने गोताखोर, नाविक और SDRF की टीम को तैनात किया है। अब सवा लाख से अधिक कांवड़िए जल लेकर बैद्यनाथ धाम के लिए रवाना हो चुके हैं। आज 2 लाख से ज्यादा कांवड़ियों के आने की संभावना है।

भीड़ को देखते हुए प्रशासन अलर्ट मोड में: 'बोल बम, हर-हर महादेव' के जयकारों से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया है। शिव भक्त भगवा रंग के वस्त्र और माथे पर चंदन का तिलक लगाए भक्तिरस में डूबे नजर आए। सुरक्षा के लिए घाटों पर CCTV कैमरे, कंट्रोल रूम और अनाउंसमेंट सिस्टम भी लगाया गया है। अजगैबीनाथ मंदिर की ओर जाने वाले सभी मार्गों पर कांवड़ियों की काफी भीड़ है। दुकानों पर पूजा सामग्री, फल और प्रसाद खरीदने के लोग पहुंच रहे हैं। श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए स्वयंसेवक भी लगातार सेवा में जुटे हैं।

सोमवार को जल भरना सौभाग्य की बात है: मध्य प्रदेश से पहुंचे उत्तम ने बताया कि आज का दिन बहुत महत्वपूर्ण है। सावन की पहली सोमवारी में हम लोगों ने जल भरा है। ये बहुत ही सौभाग्य की बात है। पैदल यात्रा कर बाबा बैजनाथ धाम जाएंगे। वहां पर जल अर्पण करेंगे। भगवान के प्रति आस्था है। मनोकामना है पूर्ण हो जाने के बाद हर साल जाएंगे।

श्याम परिवार की बैठक में फिर से अध्यक्ष बने श्याम सुंदर माहेश्वरी

निज संवाददाता। अररिया

फारबिसगंज की कोठीहाट रोड स्थित श्री सिद्धसागर भवन में श्याम परिवार की एक आवश्यक बैठक सोमवार को हुई। बैठक की अध्यक्षता श्याम परिवार के अध्यक्ष श्याम सुंदर माहेश्वरी एवं संचालन राजू पांडिया ने किया।

बैठक में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी श्री श्याम परिवार का वार्षिक महोत्सव आगामी दिसंबर माह में मनाने का निर्णय लिया गया।बैठक में उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से श्रीश्याम परिवार की नई कमिटी का गठन किया।जिसमें सर्वसम्मति से सत्र 2025-2027 के लिए पुनः श्याम सुंदर माहेश्वरी को संस्था का अध्यक्ष बनाया गया।इसके अलावे सचिव पद पर विद्यासागर अग्रवाल, उपाध्यक्ष पद पर अभिषेक लोहिया,सह सचिव पद पर सौरभ अग्रवाल, कोषाध्यक्ष पद पर राजेश पांडिया, सह कोषाध्यक्ष पद पर मयंक अग्रवाल का चयन किया गया।इसके अलावे पांच सदस्यों को कार्यकारिणी समिति में शामिल किया गया है। जिसमें शिव भगवान फिटकरीवाला,पवन अग्रवाल,शशि गोयल,दिनेश अग्रवाल और आदर्श गोयल शामिल है।

बैठक के उपरांत नवनियुक्त अध्यक्ष श्याम सुंदर माहेश्वरी ने बताया कि बैठक में शामिल सदस्यों ने आगामी दिसंबर माह में होने वाले श्याम महोत्सव पर भी चर्चा की गई। इसके लिए आगामी बैठक में महोत्सव की रूप रेखा तैयार की जायेगी।बैठक में उपरोक्त चयनित पदाधिकारियों व सदस्यों के अलावे हरीश अग्रवाल,विक्रम अग्रवाल, दिलीप गौतम,शुभम फिटकरी, सीए नितेश अग्रवाल, आनंद अग्रवाल, मनोज मल्लिक, पिंटू अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, आनंद डोकानिया आदि सदस्य मौजूद थे।

कुर्साकांटा सुन्दरनाथ धाम मंदिर का डीएम एसपी ने किया निरीक्षण

निज संवाददाता। अररिया

सावन मास में कुर्साकांटा सुन्दरनाथ धाम मंदिर में उमड़ने वाले श्रद्धालुओं के भीड़ और विधि व्यवस्था को लेकर सोमवार को डीएम अनिल कुमार और एसपी अंजनी कुमार ने अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान डीएम और एसपी ने विधि व्यवस्था और भीड़ को नियंत्रित करने को लेकर कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

कुर्साकांटा सुन्दरनाथ धाम मंदिर में सावन माह में शिव भक्तों की अपार भीड़ उमड़ती है।न केवल जिला के बल्कि दूरदराज जिलों और नेपाल से बड़ी संख्या में शिव भक्त सुन्दरनाथ धाम मंदिर पहुंचते हैं और मंदिर के गर्भ गृह में स्थापित शिवलिंग पर जलाभिषेक के साथ पूजा अर्चना करते हैं।बड़ी संख्या में शिव भक्त कांवर लेकर भी मंदिर पहुंचते हैं और शिवलिंग पर जलाभिषेक करते हैं।सावन भर मेला लगा रहता है।

मौके पर जहां डीएम अनिल कुमार ने मंदिर प्रबंधन समिति के सदस्यों के साथ बातचीत कर स्थानीय स्तर पर भी शिव मंदिर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को सुरक्षा प्रदान करने और विधि व्यस्था में प्रशासन को सहयोग करने का निर्देश दिया।वहीं एसपी अंजनी कुमार ने कुर्साकांटा और कुआड़ी थाना पुलिस को सुरक्षा और विधि व्यवस्था के मद्देनजर कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

वहीं नेपाल से आने वाले शिव भक्तों के साथ भारतीय परिक्षेत्र से आने वाले श्रद्धालुओं के सहायता के लिए पुलिस को तत्पर रहने की नसीहत दी। मौके पर सदर एसडीएम समेत बीडीओ, सीओ ,पुलिस पदाधिकारी समेत बड़ी संख्या में मंदिर प्रबंधन समिति के सदस्य और एसएसबी के अधिकारी मौजूद रहे।

खेत में काम कर रहे किसान को मारी गोली मायागंज अस्पताल में कराया एडमिट, गंभीर

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर में सोमवार सुबह खेत में काम कर रहे एक किसान को गोली मारकर घायल करने का मामला सामने आया है। घटना के बाद घायल किसान को बेहतर इलाज के लिए मायागंज अस्पताल में एडमिट कराया गया है। फिलहाल, किसान की हालत नाजुक बनी हुई है। घटना की सूचना के बाद पुलिस मामले की पड़ताल में जुटी है। घटना घोघा थाना क्षेत्र के पन्नूचक इलाके की है। घायल किसान की पहचान 35 साल के राजेश मंडल के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, राजेश अपने भाई कारू मंडल के साथ सुबह खेत में काम करने गया था। दोनों भाई अलग-अलग खेत में कुछ दूरी पर काम कर रहे थे। इसी दौरान कारू को अचानक गोली चलने की आवाज आई।

कारू के मुताबिक, गोली चलने की आवाज के बाद मैंने देखा कि राजेश गिरा हुआ है। मैं भागकर अपने भाई के पास पहुंचा और उसे उठाकर तत्काल पुलिस को इसी जानकारी देते हुए मायागंज अस्पताल में एडमिट कराया। कारू ने बताया कि वारदात के बाद गोली चलाने के आरोपी घटनास्थल से फरार हो गए।

पत्नी बोली- किसी से कोई विवाद नहीं: वारदात को लेकर घायल किसान राजेश मंडल की पत्नी गुड़िया देवी ने बताया कि किसी से कोई विवाद नहीं था। आज सुबह 7 बजे घर से खेत पर काम करने की बात बोलकर पति निकले थे। सुबह करीब 8:30 बजे जानकारी मिली कि जख्मी हालत में खेत में पति पड़े हुए हैं। मैं भागते-भागते वहां पहुंची और परिजनों की मदद से अस्पताल लेकर पहुंचे।

हाथ को छूते हुए पंजड़े में लगी है एक गोली: कारू के मुताबिक, घटना सुबह साढ़े आठ बजे की है। एक गोली मेरे भाई के हाथ को छूते हुए पंजड़ा में लगी है। उन्होंने बताया कि राजेश दो बेटियों का पिता है। उसकी बड़ी बेटी दो साल की जबकि छोटी बेटी एक साल की है। राजेश की साल 2020 में शादी हुई है। उन्होंने बताया कि गोली किसने और क्यों मारी, इस बारे में हम लोगों को कुछ नहीं पता है। फिलहाल, घटना की जानकारी के बाद पुलिस मामले की पड़ताल में जुटी है।

डीएम और एसपी ने महावीरी झंडा जुलूस रूट सहित डाक बांग्ला का किया निरीक्षण

निज संवाददाता। अररिया

फारबिसगंज में श्री सांवलिया कुंज ठाकुरबाड़ी से हरेक साल निकलने वाले महावीरी झंडा जुलूस को लेकर जुलूस के रूट का सोमवार को डीएम अनिल कुमार और एसपी अंजनी कुमार ने अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। इस दौरान रूट का निरीक्षण करते हुए फारबिसगंज काली मंदिर के पास स्थित ब्रिटिश काल में निर्मित हेरिटेज बिल्डिंग वाले डाक बांग्ला का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान डीएम और एसपी ने अधिकारियों को कई आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए।डीएम और एसपी का काफिला शिव मंदिर के पास चौक पर भी रुका और विधि व्यवस्था के साथ सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

फारबिसगंज में श्री सांवलिया कुंज ठाकुरबाड़ी मंदिर से रामायण परिषद की स्थापना की मौके पर निकलने वाला महावीरी झंडा जुलूस इस साल 24 अगस्त को निकाला जाएगा।महावीरी झंडा जुलूस ने शहर के सभी मंदिर के अखाड़ों के साथ बड़ी संख्या में ग्रामीण क्षेत्रों के अखाड़े शामिल होते हैं।जुलूस से पूर्व 72 घंटे का अष्टयाम संकीर्तन से माहौल पूरा भक्तिमय रहता है और पूरा शहर को तोरण द्वार और भगवा पताका से पाट दिया जाता है।

वर्षों से जुलूस बड़ी मस्जिद वाली गली से होकर गुजरती है,जिसको लेकर सांप्रदायिक सौहार्द्र बिगड़ने का डर बना रहता है।महावीरी झंडा जुलूस को लेकर इस बार जिला प्रशासन पूरी तरह सचेत है और यही कारण है कि डेढ़ माह पहले ही इसकी तैयारी में जुट गई है। डीएम और एसपी के साथ फारबिसगंज एसडीएम रंजीत कुमार रंजन,एसडीपीओ मुकेश कुमार साहा,नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी सूर्यानंद सिंह,बीडीओ संजय कुमार, सीओ ललन कुमार ठाकुर,थानाध्यक्ष राघवेंद्र कुमार सिंह समेत अन्य अन्य पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे।

सावन की पहली सोमवारी पर महिलाओं के बीच साड़ी वितरण, निकाली गई कलश यात्रा

निज संवाददाता। भागलपुर

सावन की पहली सोमवारी को लेकर जिले के जिच्छो गांव में महिलाओं के बीच साड़ी वितरण किया गया। साथ ही कलश यात्रा निकाली गई। लगभग एक हजार से अधिक महिलाओं के बीच साड़ी वितरण किया गया। इसके पूर्व सोमवार सुबह विशाल कलश यात्रा निकाली गई। इस कार्यक्रम का आयोजन समाजसेवी एवं वरिष्ठ भाजपा नेता दीपक सिंह के द्वारा किया गया। इस मौके पर पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष विनीता सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष संतोष शाह सहित भाजपा के कई अन्य वरिष्ठ पदाधिकारीगण उपस्थित रहे। साड़ी वितरण कार्यक्रम जिच्छो में आयोजित किया गया। जिसमें काफी संख्या में ग्रामीण महिलाओं ने भाग लिया। उल्लेखनीय है कि यह कार्यक्रम सामाजिक समरसता एवं महिलाओं के सम्मान का प्रतीक माना जा रहा है। वहीं कलश यात्रा में सैकड़ों महिलाएं सिर पर कलश लेकर गंगा तट तक गई। जहां से वे पवित्र जल भरकर जिछो महादेव स्थान पहुंची और वहां शिवलिंग पर जलाभिषेक किया। श्रावण मास के पहले सोमवार को आयोजित इस पावन कार्यक्रम को लेकर गांव सहित पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल है। आयोजन को सफल बनाने में स्थानीय युवाओं, महिला मंडलों और सामाजिक संगठनों का भी भरपूर सहयोग मिल रहा है। कार्यक्रम संयोजक मनजीत सिंह कुशवाहा ने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य केवल धार्मिक परंपराओं का निर्वाह करना ही नहीं, बल्कि समाज में महिला सशक्तिकरण, सामाजिक सहयोग और सामूहिक एकता का संदेश देना भी है।

केवीके परसौनी ने प्राकृतिक खेती से तैयार लौकी का किया प्रत्यक्षण, प्राकृतिक तरीके जीवामृत बनाने की बताया विधि

निज संवाददाता। पूर्वी चंपारण

जिला के परसौनी स्थित कृषि विज्ञान केन्द्र ने प्राकृतिक खेती से तैयार लौकी का प्रत्यक्षण किया है। इसकी जानकारी देते केन्द्र के मृदा विशेषज्ञ डॉ आशीष राय ने बताया कि बीते कई वर्षों से कृषि क्षेत्र में रसायनिक उर्वरकों एवं कीट-नाशकों का अत्यधिक प्रयोग ने प्रकृति व मानव स्वास्थ्य के साथ भूमि के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर डाला है। ऐसे में ''प्राकृतिक खेती'' जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है कि यह एक ऐसी कला या विद्या है जिसका अभ्यास व्यवहार वैज्ञानिक रूप से प्रकृति के साथ समन्वय से किया जाता है।जिसमे न्यूनतम लागत से अधिकतम लाभ की प्राप्ति की जा सकती है।

उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती में पशुधन के अध्यवसाय के समन्वय से पारिस्थितिकी तंत्र सुव्यवस्थित और सुदृढ़ होता है। पर्यावरण सुरक्षित जैव उत्पाद यथा जीवामृत एवं बीजामृत, गाय के गोबर, मूत्र व अन्य प्राकृतिक पदार्थों से ही तैयार किये जाते हैं। प्राकृतिक खेती एक फसल उत्पादन पद्धति है जिसमें मूल रूप से स्थानीय प्रक्षेत्र पर उपलब्ध परंपरागत संसाधनों के अच्छी शस्य क्रियाओं के माध्यम से प्रयोग पर बल दिया जाता है जिससे सह अस्तित्व, मृदा स्वास्थ्य पारिस्थितिकी, प्राकृतिक चक्रण, प्राकृतिक सूक्ष्म जीवाणुओं एवं वनस्पतियों, विविधता, सघन उत्पादन एवं बेहतर उत्पादन प्रबंधन तंत्र का विकास होता है।

उन्होंने कहा कि इस पद्धति में बीजों का उपचार देशी गाय के गोबर,मूत्र, चूना, स्वस्थ्य मिट्टी और जल से तैयार बीजामृत से किया जाता है। खेतों में पोषक तत्वों की उपलब्धता को बढ़ावा देने के लिए इस पद्धति में जीवाणु समृद्ध संवर्ध, जीवामृत व धन जीवामृत जो कि देशी गाय के गोबर मूत्र गुड़ बेसन, स्वस्थ्य मिट्टी से तैयार किया जाता है। कीट-व्याधि प्रबंधन विभिन्न जैव फारमुलेशन उत्पाद यथा नीम सीड करनेल एक्सट्रैक्ट, देशी गाय के गोबर, मूत्र, छाछ, तम्बाकू, हरी मिर्च, लहसुन, नीम, करंज, अण्डी, शरीफा व धतूरा आदि की पत्तियों से तैयार फारमुलेशन यथा नीमास्त्र, ब्रह्मास्त्र, आग्नेयास्त्र एवं दशपर्णी के प्रयोग से किया जाता है। इस मौके पर किसानों को जीवामृत बनाना सिखाया गया। जिसमे बताया गया कि जीवामृत एक सूक्ष्मजीवाणु उत्प्रेरक निर्मित घोल है जो मृदा में सूक्ष्मजीवाणुओं की सक्रियता में वृद्धि करता है। साथ ही इसके छिड़काव से पर्णमंडलीय लाभकारी सूक्ष्म जीवाणुओं की भी सक्रियता बढ़ती है। यह मूल रुप से लाभकारी सूक्ष्म जीवाणुओं की सक्रियता के लिए एक प्राईमर की तरह कार्य करता है जो स्थानीय सूक्ष्मजीवाणुओं की संख्या में भी वृद्धि करता है।

कैसे तैयार करे जीवामृत: देशी गाय का ताजा गोबर - 10 किलोग्राम,देशी गाय का गोमूत्र 10 लीटर,गुड़ 02 किलोग्राम,चने का बेसन 02 किलोग्राम,खेतों की मेड़ों या बड़े वृक्षों की जड़ों की साफ मिट्टी एक मुट्ठी,जल 200 लीटर ले और 10 किलोग्राम देशी गाय का गोबर, गोमूत्र, गुड़ बेसन, मिट्टी को एक ड्राम में 200 लीटर पानी में अच्छी तरह मिला दें। घोल को फरमेंटेशन के लिए 48 घंटे छाया में रखें। घोल को एक साफ लकड़ी से सुबह और शाम अच्छी तरह मिलाते रहें। इससे तैयार उत्पाद व्यवहार के लिए उपयुक्त है।

एसआई हत्याकांड में मुख्य आरोपी के घर की कुर्की

मुंगेर । मुंगेर में एसआई संतोष कुमार सिंह हत्याकांड में फरार आरोपी रंजीत कुमार के घर न्यायालय के आदेश पर कुर्की-जब्ती की गई। मुफस्सिल थाना प्रभारी विपिन कुमार सिंह के नेतृत्व में नंदलालपुर गांव में यह कार्रवाई की गई। एसआई दीपक कुमार की मौजूदगी में चार घंटे तक चली कार्रवाई में घर का सारा सामान जब्त किया गया। इसमें चौखट, दरवाजा, बर्तन, ट्रंक, फ्रीज, पंखा और पलंग शामिल हैं।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं.: एसएएनडीटी/सीओएन/एचडब्ल्यूएच/टीएन/12/2025, निविदा सं.: एसएएनडीटी-सीओएन-12-2025-एचडब्ल्यूएच, दिनांक 11.07.2025, उप मुख्य संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर (निर्माण), पूर्व रेलवे, हावड़ा, 371, तेलकल घाट रोड, हावड़ा-711101 द्वारा उचित वित्तीय क्षमता एवं पर्याप्त अनुभव के साथ वैध ठेकेदार का लाइसेंस रखने वाले अनुभवी सिग्नलिंग एवं टेलीकम्यूनिकेशन ठेकेदारों, पार्टनरशिप फर्म आदि से निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा प्रणाली के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम:** पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल में मल्टीट्रैकिंग कार्य के संबंध में बकतारनगर से प्रधानखुंटा तक इंजीनियरिंग कार्य के सिलसिले में शेष अतिक्रमण हटाना एवं संबंधित गतिविधि। **अनुमानित निविदा मूल्य:** रु.23,09,41,606/-, **बयाना राशि जमा:** रु.13,04,700/- जो एफए एंड सीएओ/कॉन/पूर्व रेलवे/कोलकाता के पक्ष में जमा की जाएगी। **निविदा कागजात का मूल्य:** रु.0.00, **कार्य की समापन अवधि:** एलओए जारी करने की तिथि से 12 (बारह) माह। प्रस्ताव और बयाना राशि की वैधता निविदा के खुलने की तिथि से 90 दिन रहनी चाहिए। **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** दिनांक 04.08.2025 को 11.00 बजे। निविदा कागजात वेबसाइट **www.ireps.gov.in** से डाउनलोड किया जा सकता है एवं इस निविदा के लिए उल्लिखित अंतिम तिथि और समय पर या उससे पूर्व वर्णित ''निविदा कागजात की लागत'' एवं ''बयाना राशि'' के ऑनलाइन भुगतान के बाद बोली उक्त वेबसाइट पर जमा की जा सकती है। इस निविदा के लिए हर पहलू से संपूर्ण निविदा, ऊपर वर्णित सभी कागजातों के साथ **www.ireps.gov.in** पर अपलोड की जानी चाहिए। निविदा के लिए बोली उपर्युक्त वेबसाइट पर ई-निविदा प्रणाली के माध्यम से जमा की जानी चाहिए। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं दी जाती है एवं इस प्रकार प्राप्त किसी मैनुअल प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया जाएगा एवं तत्काल रद्द कर दिया जाएगा। निविदा कागजात, निविदा सूचना का विवरण, समय-समय पर जारी शुद्धिपत्र (यदि कोई है) एवं अन्य बुनियादी जानकारी **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध हैं। विस्तृत निविदा सूचना उप मुख्य संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर/निर्माण, पूर्व रेलवे, 371, तेलकल घाट रोड, हावड़ा-711101 के सूचना पट पर भी देखा जा सकता है।

CON-25/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

संक्षिप्त समाचार

वोटर लिस्ट में विदेशी नाम! बिहार में चुनावी धांधली का खुलासा

पटना, एजेंसी। चुनाव आयोग की रिपोर्ट से मचा हड़कंप -बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान चुनाव आयोग ने चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। चुनाव आयोग ने बताया कि बिहार में एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) के दौरान किए गए घर-घर सर्वेक्षण में बूथ लेवल अधिकारियों को बड़ी संख्या में नेपाल, बांग्लादेश और म्यांमार के लोग मिले हैं।

बता दें कि जिन लोगों के नाम 1 अगस्त को जारी होने वाली मतदाता सूची के प्रारूप में नहीं हैं, वे मतदाता पंजीकरण अधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी और फिर राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के समक्ष अपील दायर कर अपने प्रमाण पत्रों के साथ दावा कर सकते हैं। मतदाताओं की अंतिम सूची 30 सितंबर को प्रकाशित की जाएगी।

बिहार में 100 यूनिट फ्री बिजली मिलने के दावे में कितनी सच्चाई? सब कुछ हुआ क्लियर

पटना, एजेंसी। वित्त विभाग का कहना है कि उसने प्रति परिवार प्रति माह 100 यूनिट मुफ्त बिजली देने के किसी भी प्रस्ताव पर अपनी सहमति नहीं दी है। वित्त विभाग ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि विभाग की ओर से न तो ऐसी कोई सहमति दी गई है और न ही इस संबंध में कोई निर्णय लिया गया है। वित्त विभाग द्वारा ऐसे किसी प्रस्ताव पर सहमति दिए जाने की खबर झूठी और भ्रामक है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि हम राज्य के लोगों को मुफ़्त नहीं, बल्कि सस्ती बिजली देने के पक्षधर हैं और हम लोगों को सबसे कम दर पर बिजली भी उपलब्ध करा रहे हैं। उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए हम इतनी सब्सिडी दे रहे हैं। दूसरे राज्यों में मुफ़्त बिजली देने की बात करना उचित नहीं है।

मुख्यमंत्री ने यह बात शुक्रवार को बिहार विधानसभा में ऊर्जा विभाग की अनुदान मांग पर चर्चा के बाद कही। ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव जब सरकार का पक्ष रख रहे थे, तभी विपक्ष के कुछ विधायक अपनी जगह से खड़े होकर टोकते हुए दूसरे राज्यों में मुफ़्त बिजली दिए जाने का मुद्दा उठाने लगे। उल्लेखनीय है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिजली दरों पर बिहार विधानसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा, ...मैं शुरू से ही कह रहा हूँ कि बिजली मुफ़्त में नहीं दी जाएगी। हम इसे बहुत कम कीमत पर उपलब्ध कराते हैं। कुछ राज्य तो इसे मुफ़्त देने की घोषणा करते हैं,

पटना में भाजपा नेता की गोली मारकर हत्या, आरोपियों ने सीने में दागी चार गोलियां

पटना, एजेंसी। बिहार में आरोपियों के हौसले बुलंद हैं. आए दिन हत्या के मामले सामने आते रहते हैं. इसी क्रम में अपराधियों ने पुनपुन के पूर्व भाजपा किसान मोर्चा अध्यक्ष सुरेंद्र केवट की गोली मारकर हत्या कर दी है. वहीं, घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल है. खेत पर गए थे भाजपा नेता-बताया जा रहा है कि भाजपा नेता सुरेंद्र केवट शनिवार की रात घर से खाना खाकर गांव से बाहर बिहटा-सरमेरा स्टेट हाइवे-78 के किनारे स्थित अपने खेत में लगे केबिन पर मोटर को बंद करने गए थे. आरोपी ने अंधाधुंध चलाई गोलियां-मोटर बंद करने के बाद वो घर के लिए बाइक पर सवार हो रहे थे, तभी दो बाइक पर चार आरोपी आए और सुरेंद्र केवट पर अंधाधुंध गोली चला दी. आरोपियों ने सुरेंद्र केवट को चार गोलियां मारी हैं. पटना एम्स में तोड़ा दम- घटना को अंजाम देने के बाद सभी आरोपी फरार हो गए. सूचना मिलने के बाद ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घायल अवस्था में सुरेंद्र केवट (मृतक) को उपचार के लिए पटना एम्स लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. ग्रामीण पशु चिकित्सक भी थे सुरेंद्र केवट- सुरेंद्र केवट (मृतक) परिवार के साथ शेखपुरा गांव में ही रहते थे. पद पर नहीं होने के बावजूद उनकी राजनीति में हमेशा सहभागिता रहती थी.

गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंजा पटना

पटना, एजेंसी। राजधानी के कंकड़बाग थाना क्षेत्र में शनिवार शाम बदमाशों ने खुलेआम फायरिंग की है. दरअसल एफ सेक्टर स्थित एक सार्वजनिक पार्क में शाम करीब 7 बजे बेखौफ अपराधी घुसे और 4 से 5 राउंड गोलियां चलाईं. बताया जा रहा है कि घटना के समय लोग पार्क में टहल रहे थे. जिससे गोलियों की आवाज सुनते ही अफरा-तफरी मच गई. सार्वजनिक पार्क में फायरिंग- मिली जानकारी के अनुसार स्कूटी सवार बदमाशों ने सार्वजनिक पार्क में फायरिंग की थी. घटना के बाद सभी मौके से फरार हो गए. आरोपियों के पास हथियार होने की वजह से किसी ने भी उनका पीछा नहीं किया. मौके से कट्टा बरामद- फायरिंग के संबंध में पुलिस को सूचना दी गई. सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की. इसी बीच घटनास्थल से एक कट्टा बरामद किया गया है. साथ ही गोलियों के खाली खोखे भी तलाशे जा रहे हैं. छापेमारी में जुटी पुलिस- इसके अलावा पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का अवलोकन भी कर रही है. बदमाशों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करने के लिए छापेमारी भी शुरू कर दी गई है.

अगर 112 सीटों पर लड़ेगा जदयू तो बाकी 131 में बीजेपी और चिराग-मांझी-कुशवाहा क्या करेंगे?

पटना, एजेंसी। बिहार के तमाम राजनीतिक दल विधानसभा चुनाव की तैयारी में जोर-जोर से जुटे हैं. राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के घटक दल भी सीट शेयरिंग को लेकर जोर आजमाइश कर रहे हैं. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 2025 के चुनाव भी बड़े भाई की भूमिका में रहना चाहते हैं. वहीं बीजेपी का स्वाभाविक रूप से अधिक सीटों पर दावा बनता है. इसी बीच जेडीयू ने एक सूची जारी कर एनडीए के अंदर थर्मामीटर लगाने की कोशिश की है. जिससे गठबंधन के अंदर पारा बढ़ गया है.

जेडीयू का 112 सीटों पर दावा

सीट बंटवारे पर एनडीए की खामोशी के बीच जेडीयू ने 112 सीटों पर तैयारी शुरू कर दी है-एनडीए में सीट बंटवारे को लेकर जारी खामोशी के बीच नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू ने 112 सीटों पर तैयारी शुरू कर दी है. 109 विधानसभा सीटों की तो लिस्ट भी जारी कर दी गई है. अगर 112 सीटों पर जेडीयू लड़ता है तो बाकी की 131 सीटों में बीजेपी, चिराग पासवान, जीतनराम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा को एडजस्ट करना होगा.

सभी जिलों में चुनाव लड़ेगा जेडीयू

2020 के विधानसभा चुनाव में जनता दल यूनाइटेड ने कैमूर को छोड़कर सभी 37 जिलों में चुनाव लड़ा था लेकिन इस बार पार्टी सभी 38 जिलों में उम्मीदवार खड़े करने की तैयारी में है. विधानसभा प्रभारी की जो बैठक हुई, उसमें 109 सीट पर जेडीयू ने अपनी मजबूत स्थिति बताई है. इसके अलावे नालंदा सदर और हरनौत सीट पर भी दावा ठोका है.

2020 में कौन कितनी सीटों पर लड़े

2020 विधानसभा चुनाव में जेडीयू ने 115 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े किए थे लेकिन 43 पर ही जीत मिली थी, जबकि भारतीय जनता पार्टी 110 सीटों पर लड़ी और 74 पर जीती. एनडीए के दूसरे घटक दलों में जीतनराम मांझी ने 7 सीटों पर लड़कर 4 और मुकेश सहनी की वीआईपी ने 11 पर लड़कर 4 पर जीत हासिल की थी. चिराग पासवान तब गठबंधन में नहीं थे.

बीजेपी का सबसे अधिक सीटों पर दावा

भारतीय जनता पार्टी और जनता दल यूनाइटेड में सीटों को लेकर एक स्वाभाविक टकराव है. बीजेपी का दावा यह है कि वह 80 विधायकों के साथ सबसे बड़ी पार्टी है और ज्यादा विधायक होने के चलते वह ज्यादा सीटों की हकदार है. इसके उलट जेडीयू के पास मात्र 46 विधायक हैं तो उसे अपेक्षाकृत कम सीटों पर दावा करना चाहिए. संकट की स्थिति यह है कि जब जेडीयू 109 से अधिक सीटों पर लड़ेगा तो पासवान-मांझी और उपेंद्र कुशवाहा के हिस्से में कितनी सीटें जाएंगी?

बीजेपी की सीटों पर भी जेडीयू की नजर

महत्वपूर्ण बात तो ये भी है कि जो सूची जारी हुई है, उसमें कई सीटें बीजेपी की रही है. ऐसे में भारतीय जनता पार्टी के लिए उन परंपरागत सीटों को छोड़ना आसान नहीं होगा. इनमें सुगौली, पिपरा, कहलगांव, चैनपुर और वजीरगंज विधानसभा सीट को जेडीयू इस बार बीजेपी से झटकना चाहता है. नालंदा जिले में बीजेपी की जो सीटिंग सीट है, उस पर भी नजर है.असल में जनता दल यूनाइटेड विधानसभा चुनाव में बड़े भाई की भूमिका में रहना चाहता है. इसी सोच के साथ पार्टी ने अधिक सीटों पर लड़ने की रणनीति बनाई है और उसी हिसाब से काम भी शुरू कर दिया गया है. 109 सीटों की सूची को प्रचारित कर जेडीयू की ओर से यह संकेत दिया गया है कि जिन सीटों की सूची जारी की गई है, कम से कम उतनी सीटों पर तो वह उम्मीदवार खड़े करेंगे और उन सीटों पर पार्टी की तैयारी भी मजबूत है.

विधानसभा चुनावों में जेडीयू का प्रदर्शन

2020 विधानसभा चुनाव में जनता दल यूनाइटेड को 43 सीटों पर जीत मिली थी. हालांकि चिराग पासवान की बगावत के कारण उसे 42 सीटों पर सीधा नुकसान हुआ था. वहीं 2015 में 71 सीटों पर सफलता मिली थी, उस चुनाव में आरजेडी के साथ गठबंधन था. 2010 में सबसे अधिक 115 सीटों पर जीत मिली थी, जबकि अक्टूबर 2005 के चुनाव में 88 और फरवरी 2005 के चुनाव में 55 सीटों पर जीत हासिल हुई थी.

किस चुनाव में कितने उम्मीदवार उतारे

2020 में जेडीयू ने 115 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे, जिसमें 43 पर जीत मिली थी. उससे पहले 2015 में आरजेडी के साथ गठबंधन के तहत 101 सीटों पर चुनाव लड़ा था. 2010 में सबसे अधिक 141 सीटों पर जेडीयू ने प्रत्याशी दिए थे. वहीं अक्टूबर 2005 के चुनाव में 139 और फरवरी 2005 के विधानसभा चुनाव में जनता दल यूनाइटेड ने 138 सीटों पर चुनाव लड़ा था.

क्या बोलीं जेडीयू प्रवक्ता

दावेदारी के सवाल पर जेडीयू प्रवक्ता अंजुम आरा मानती हैं कि अन्य दलों की तरह हमलोग भी अधिक से अधिक सीटों पर लड़ना चाहते हैं. 109 सीटों की लिस्ट जारी होने के सवाल पर वह सफाई देते हुए कहती हैं कि आधिकारिक तौर पर पार्टी की ओर से फिलहाल कोई सूची नहीं जारी की गई है. हालाकि वह दावा करती हैं कि एनडीए में समय रहते सीटों को बंटवारा हो जाएगा.

अब नहीं कटेगा पैर, इलिजारोव तकनीक से विकसित होंगी हड्डियां

पटना, एजेंसी। पैर बड़ा हो या छोटा, जटिल विकृति हो, संक्रमण से पैर के कटने की आशंका हो, हड्डियों के बीच गैप हो तो इसके इलाज में इलिजारोव तकनीक काफी कारगर है। इस तकनीक में जटिल विकृति या घाव होने पर बोन ट्रांसपोर्ट यानी हड्डियों को उगाया जाता है। अब दुर्घटना या संक्रमण की स्थिति में पैर काटने की बजाय इलिजारोव तकनीक से बोन ट्रांसपोर्ट के जरिए हड्डियों को दोबारा उगाया जा सकेगा। बिहार ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन और असम इंडिया के मिड टर्म मीट में देश भर से आए हड्डी रोग विशेषज्ञों ने विभिन्न जटिल मामलों पर प्रेजेंटेशन और कार्यशाला में इसकी बारीकियां सिखाईं। सभी ने इसे भविष्य की सर्जरी बताया।

शुक्रवार की सुबह आयोजन सचिव डॉ. शमशुल होदा ने विषय परिचय प्रस्तुत करते हुए कहा कि मिड टर्म मीट का उद्देश्य युवा हड्डी रोग विशेषज्ञों को इलिजारोव पद्धति और घुटने की जटिल सर्जरी तकनीक का प्रशिक्षण देना है ताकि वे भविष्य में बिना अंग काटे अंगों को बचाने की दिशा में बेहतर काम कर सकें। वैज्ञानिक सत्र की शुरुआत घुटने के पास चोट विषय पर चर्चा से हुई। अध्यक्ष डॉ वीके सिन्हा, डॉ एचएन दिवाकर, डॉ एनके सिंह और डॉ एसएन सर्राफ थे। ट्रॉमा सीक्वेल सत्र में डॉ भरत सिंह, डॉ उपेंद्र प्रसाद, डॉ अशोक कुमार सिन्हा और डॉ विनोद कुमार ठाकुर ने जटिल मामलों को प्रस्तुत किया। फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में डॉ प्रवीण साहू, डॉ मधुसूदन कुमार, डॉ सुभाष चंद्रा और डॉ राजीव आनंद अध्यक्ष थे।डॉ मंगल परिहार, डॉ जयंत शर्मा और डॉ अमर सोनी समन्वयक थे।

डॉ जयदीप मंडल ने सीपीटी के साथ क्रॉस यूनियन प्रोटोकॉल पर चर्चा की, जबकि डॉ मनीष कुमार ने एचटीवीओ के बाद एसीएल पुनर्निर्माण पर अपने विचार प्रस्तुत किए। आयोजन अध्यक्ष डॉ जन मुखोपाध्याय, असम इंडिया के संरक्षक डॉ एसएस झा, अध्यक्ष इंदौर के डॉ जयंत शर्मा, गुजरात के डॉ अमर सोनी, एम्स पटना के डॉ रितेश पांडे, आईजीआईएमएस के डॉ आशुतोष कुमार और डॉ विकास कुमार मौजूद थें ।

मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए एमसीसी ने जारी किया काउंसलिंग कार्यक्रम, जानें तारीख

पटना, एजेंसी। मेडिकल काउंसलिंग कमेटी (एमसीसी) ने केंद्रीय विश्वविद्यालय, एम्स, जिपमर, डीम्ड विश्वविद्यालय, ईएसआईसी, मेडिकल कॉलेज, एएफएमसी पुणे और केंद्रीय नर्सिंग संस्थान में दाखिले के लिए कार्यक्रम जारी कर दिया है। नीट यूजी 2025 रैंक के आधार पर उक्त कॉलेजों में एमबीएसएस समेत मेडिकल के विभिन्न स्नातक पाठ्यक्रमों की 15 प्रतिशत सीटों पर ऑल इंडिया कोटा के तहत नामांकन होगा।

पहली काउंसलिंग की सीट सत्यापन प्रक्रिया 18 और 19 जुलाई तक और रजिस्ट्रेशन 21 जुलाई से 28 जुलाई तक चलेगा। 22 से 28 जुलाई के बीच छात्रों को मेडिकल, डेंटल और नर्सिंग कॉलेजों का विकल्प भरना होगा।छात्रों को निर्धारित शुल्क भी देना होगा। 28 को च्वाइस लॉकिंग, 29 और 30 जुलाई को सीट आवंटन और 31 को चयनित छात्रों को सीट आवंटन पत्र जारी किया जाएगा। 1 से 6 अगस्त तक आवंटित कॉलेज में दस्तावेजों और फीस के साथ रिपोर्टिंग करनी होगी। एमसीसी 7 और 8 अगस्त को ज्वाइन करने वाले छात्रों का डेटा वेरिफाई करेगा।

दूसरे राउंड की काउंसलिंग के लिए सीट वेरिफिकेशन प्रक्रिया 9 से 11 अगस्त तक और रजिस्ट्रेशन 12 से 18 अगस्त तक चलेगा। 13 से 18 अगस्त तक छात्रों को अपनी पसंद के अनुसार मेडिकल और डेंटल कॉलेजों के विकल्प भरने होंगे। पहले राउंड में पहले पंजीकृत उम्मीदवारों को सिक्योरिटी फीस वापस जमा करने की कोई आवश्यकता नहीं होगी।

हाथ कटने के बाद भी प्रेमिका ने प्रेमी का नहीं छोड़ा साथ, बिहार के हीर-रांझा नीरज और सुमित्रा की कहानी बनीं मिसाल

जमुई, एजेंसी। दोस्ती, प्यार और धोखे की कहानियां आपने बहुत सुनी होंगी, लेकिन आज हम आपको जमुई निवासी नीरज और सुमित्रा की सच्ची प्रेम कहानी के बारे में बताने जा रहे हैं. नीरज और सुमित्रा का प्रेम समर्पण और विश्वास का प्रतीक है. यही कारण है कि इन दिनों ये प्रेम कहानी खूब चर्चा में बनी हुई है. इंस्टाग्राम से शुरू हुई लवस्टोरी- दरअसल नीरज कुमार गांव ढीबा निवासी हैं, जबकि सुमित्रा कुमारी गांव धोबटिया की रहने वाली हैं. उनकी लवस्टोरी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम से शुरू हुई।

पहले दोनों की जान-पहचान हुई फिर मुलाकात हुई. इसके बाद दोनों दोस्त बन गए, लेकिन दोस्ती प्यार में कब बदल गई, इसका पता ही नहीं चला. परिजनों ने सुमित्रा को भेजा गुजरात- दोनों एक दूसरे को प्यार करने लगे. वहीं, जब सुमित्रा के परिजनों को इस संबंध में पता चलता तो उन्होंने सुमित्रा को गुजरात के वापी शहर उसकी बहन के पास भेज दिया. सुमित्रा के गुजरात में होने की भनक लगते ही प्रेमी नीरज भी वापी पहुंच जाता है.

मशीन में नीरज का कट जाता है हाथ- नीरज वापी शहर में किराये का कमरा लेता है और एक कंपनी में नौकरी भी करने लगता है. प्रेमिका सुमित्रा भी बहन का घर छोड़कर नीरज के साथ 6 महीने से लिव इन में रहने लगती है. इसी बीच फैक्ट्री में काम करते समय नीरज का दाहिना हाथ मशीन की चपेट में आ गया.

सुमित्रा ने नीरज का हर कदम पर दिया साथ- नीरज के इस मुश्किल समय में जब कोई साथ में नहीं था, तब प्रेमिका सुमित्रा ने उसका हर कदम पर साथ दिया. नीरज के इलाज से लेकर हर जरूरत की जिम्मेदारी उसने अपने ऊपर ले ली. मंदिर में दोनों ने की शादी- एक दिन नीरज ने घर वापस आने की बात कही तो सुमित्रा भी साथ चलने की जिद करने लगी. बहन के विरोध के बावजूद दोनों जमुई लौट आए और एक मंदिर में पहले सात फेरे लिए फिर कोर्ट मैरेज की.

दो साल से चल रही थी प्रेम कहानी- प्रेमिका सुमित्रा कुमारी ने आगे बताया कि इंस्टाग्राम पर चैटिंग के दौरान दोनों की पहचान बढ़ी. बात हुई और प्यार हो गया. दो साल से हम दोनों में प्रेम था. मैने शादी कर ली ये बात बहन-भाई को पता है, लेकिन मम्मी पापा को नहीं पता है.

बाबा गरीबनाथ की भूमि पर सामयिक परिवेश के कलाकारों ने कांवरियों को झुमाया

निज संवाददाता | पटना

मुजफ्फरपुर शहर के राम दयालु सिंह महाविद्यालय में पर्यटन विभाग, बिहार सरकार की ओर से टेंट सिटी लगाया गया है। बाबा गरीबनाथ की पावन धरती पर श्रावणी मेला 2025 में कला संस्कृति एवं युवा विभाग के तत्वावधान में सामयिक परिवेश की विशेष प्रस्तुति ने समां बांध दिया। शिव भजनों की भावपूर्ण प्रस्तुति से श्रद्धालु कांवरिया झूमने लगे। कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना 'आहो गणनायक देवता, सुमिरन में होई न सहाय' से हुई। तत्पश्चात शिव भजनों की प्रस्तुति शुरू हुई भोलेनाथ और माता पार्वती पर आधारित एक से बढ़कर एक भक्ति गीतों की प्रस्तुति लोकगायिका डॉ. नीतू कुमारी नवगीत ने दी। भक्ति जगाके मन में पेंह ल केसरिया चल हो सखियां, बाबा गरीबनाथ के नगरिया चल हो सखियां। भोले नाथ के नचारी गीत 'का ले के शिव के मनाइब हो, शिव मानत नाही' को भक्तों ने बेहद पसंद किया। नीतू नवगीत ने माता पार्वती पर आधारित भी गीत भी गाये। छोटी सी मेरी पार्वती शंकर जी की पूजा करती थीं। गौरा करीके सिंगार अंगना में पीसेली हरदिया। बाबा बैजनाथ हम आयल छी भिखरिया, भोला के देखेल बेकल भईले जियारा, डिम डिम डमरू बजाबे ला हमार जोगिया, खोली नाहीं मातल हो नयनवां शिव शंकर दानी, कोहबर गीत एवं अन्य गीतों को दर्शकों ने बहुत पसंद किया। सामयिक परिवेश की ओर से सविता राज ने भी भजनों और गजलों की अपनी शानदार प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोहा। डॉ. नीतू कुमारी नवगीत ने दर्शकों की फरमाइश पर संस्था की अध्यक्षा एवं वरिष्ठ साहित्यकार ममता मेहरोत्रा के गजलों का भी पाठ किया।

11बिहार की नर्स उषा सुमन, कैंसर के फोर्थ स्टेज में भी ड्यूटी और सेवा का जज्बा बरकरार

गया, एजेंसी। बिहार के गया की एक नर्स उषा सुमन हौसले की मिसाल पेश करती हैं. वो कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी के चौथे स्टेज से जूझते हुए भी अपनी ड्यूटी और सामाजिक जिम्मेदारी को पूरी लगन के साथ निभा रही हैं. 40 वर्षीय उषा सुमन पिछले 15 सालों से इस अस्पताल में नर्स के पद पर कार्यरत हैं और उनकी प्रेरणादायी कहानी न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे समाज के लिए एक मिसाल है.

कैंसर के बावजूद ड्यूटी में कोई कमी नहीं- उषा सुमन अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल के ब्लड बैंक विभाग में कार्यरत हैं. कैंसर के चौथे चरण में होने के बावजूद, वह हर दिन नियमित रूप से अपनी ड्यूटी पर पहुंचती हैं. उनके सहकर्मियों का कहना है कि उषा अपनी बीमारी का जिक्र तक नहीं करतीं और पूरे लगन के साथ काम करती हैं, जैसे कि वह पूरी तरह स्वस्थ हों. उनकी इस लगन को देखकर अस्पताल के कई कर्मचारियों को उनकी बीमारी के बारे में पता ही नहीं है.

परिवार की चिंता, उषा की बुलंद हिम्मत- कटारी हिल रोड की निवासी उषा सुमन के परिवार में उनके पति और बच्चे उनकी सेहत को लेकर हमेशा चिंतित रहते हैं. अस्पताल प्रबंधन भी उन्हें ज्यादा मेहनत करने से मना करता है, लेकिन उषा अपनी जिम्मेदारियों से पीछे नहीं हटतीं हैं. वह कहती हैं, ÷मैं अपनी बीमारी को अपने कर्तव्यों के बीच नहीं आने देती. मेरा काम मेरे लिए सिर्फ नौकरी नहीं, बल्कि एक सामाजिक जिम्मेदारी है.÷

2020 में बिगड़ी तबीयत- उषा सुमन की कहानी 2020 के कोरोना काल से शुरू होती है, जब अस्पताल में एक मरीज के रिश्तेदारों ने हंगामा किया और एक डॉक्टर बेहोश हो गए. उषा ने उस डॉक्टर की मदद की, जो बाद में कोरोना पॉजिटिव पाए गए. इसके बाद उषा की तबीयत भी बिगड़ने लगी.

2020 में चला कैंसर का पता- शुरू में उषा को लगा कि शायद उन्हें भी कोरोना हुआ है, लेकिन जांच में कोरोना की पुष्टि नहीं हुई. हालांकि, उनकी खांसी ठीक नहीं हुई। पटना में जांच के बाद डॉक्टरों ने किसी गंभीर बीमारी की आशंका जताई. वहीं दिल्ली में टेस्ट के बाद पता चला कि उन्हें चौथे चरण का कैंसर है.

डॉक्टरों ने दी थी चंद हफ्तों की मोहलत- दिल्ली के एक अस्पताल में इलाज के दौरान डॉक्टरों ने उषा को चंद हफ्तों का मेहमान बताया था. यह सुनकर उनका परिवार सदमे में चला गया लेकिन उषा ने हार नहीं मानी. वह कहती हैं, ÷मैंने जीने की इच्छा और हिम्मत के साथ इस बीमारी से लड़ने का फैसला किया.÷ हर दो महीने में वह दिल्ली इलाज के लिए जाती हैं और फिर वापस आकर अपनी ड्यूटी निभाती हैं. 15 साल के बेटे से मिली प्रेरणा- उषा की हिम्मत का सबसे बड़ा आधार उनका 15 वर्षीय बेटा रहा. जब उन्हें कैंसर का पता चला, तब उनके बेटे ने न केवल उनका हौसला बढ़ाया, बल्कि इलाज के लिए रिश्तेदारों से कर्ज लेकर आर्थिक मदद भी की. उषा बताती हैं, ÷मेरे बेटे ने मेरे लिए अपनी पढ़ाई छोड़ दी और पिता की दुकान संभालने लगा। उसकी मेहनत और हिम्मत देखकर मुझे जीने की प्रेरणा मिली.महिलाओं के लिए ब्लड की व्यवस्था- उषा सुमन न केवल अपनी ड्यूटी निभाती हैं, बल्कि उन महिला मरीजों की मदद भी करती हैं जो खून की कमी (एनीमिया) से जूझ रही होती हैं. ब्लड बैंक में कार्यरत होने के कारण, वह ऐसी महिलाओं के लिए ब्लड की व्यवस्था करती हैं जिनके पास डोनर नहीं होता. वह अपने परिवार के सदस्यों को भी रक्तदान के लिए प्रेरित करती हैं।

संक्षिप्त समाचार

झारखंड का स्वास्थ्य मॉडल असम में लागू, बकाया राशि के नाम पर शव रोकने पर रोक

रांची, एजेंसी। झारखंड सरकार के स्वास्थ्य विभाग द्वारा लागू किए गए एक सफल मॉडल ने न केवल राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को मानवीय संवेदनाओं से जोड़ा है, बल्कि इसे अब असम सरकार ने भी अपनाया है। इस मॉडल के तहत, मरीज की मृत्यु के बाद अस्पतालों द्वारा बकाया राशि के बहाने शव रोके रखने की घटनाओं पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ। इरफान अंसारी की इस पहल को अपनाते हुए असम सरकार ने अपने राज्य में भी ऐसा ही आदेश जारी किया है। इस कदम को न केवल प्रशासनिक, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। झारखंड में लंबे समय से अस्पतालों द्वारा बकाया राशि के बहाने शव रोके रखने की शिकायतें सामने आ रही थीं। आर्थिक तंगी के कारण कई परिवार अपने परिजनों के शवों को समय पर दाह संस्कार के लिए नहीं ले जा पाते थे, जिससे उनकी परेशानी और बढ़ जाती थी। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए स्वास्थ्य मंत्री डॉ। इरफान अंसारी ने जून में एक सख्त निर्देश जारी किया था, जिसमें सभी अस्पतालों को मृत्यु के बाद शव तुरंत परिजनों को सौंपने का आदेश दिया गया था। इस निर्णय का उद्देश्य गरीब और जरूरतमंद परिवारों को सम्मानजनक तरीके से अंतिम संस्कार की सुविधा प्रदान करना था।
इस नीति को लागू करने के लिए डॉ। इरफ़ान अंसारी ने न केवल अस्पताल संचालकों से बात की, बल्कि स्वयं कई बार अस्पतालों का दौरा भी किया और संचालकों को इसके लिए राजी किया। उनके इस कदम ने न केवल स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता को बढ़ावा दिया, बल्कि मानवीय संवेदनशीलता को भी प्राथमिकता दी। उन्होंने एक्स पर लिखा कि यह निर्णय कांग्रेस की सेवा भावना और मानवीय संवेदनशीलता से प्रेरित है। हमारा उद्देश्य हर वर्ग को सम्मानजनक विदाई देना है। झारखंड के लिए यह गर्व की बात है कि अन्य राज्यों ने भी हमारी पहल को अपनाना शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के मार्गदर्शन में हम अंतिम पायदान पर बैठे लोगों तक स्वास्थ्य सुविधाएँ पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।
झारखंड सरकार स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार पर निरंतर काम कर रही है, और इसका लक्ष्य जन कल्याण है। डॉ। अंसारी ने यह भी कहा कि यह उनके लिए संतोष और गर्व की बात है कि उनके द्वारा किए गए प्रयासों का अनुसरण अन्य राज्य भी कर रहे हैं। झारखंड सरकार ने हाल के वर्षों में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य में मेडिकल कॉलेजों और जिला अस्पतालों की सुविधाओं को बढ़ाने पर ज़ोर दिया जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ। इरफान अंसारी ने भी जनता दरबार जैसे आयोजनों के ज़रिए लोगों की समस्याओं को सुनने और उनका समाधान करने की कोशिश की है। हाल ही में उनके जनता दरबार में एक युवती ने अपने पिता के कैंसर के इलाज के लिए मदद मांगी थी, जिस पर उन्होंने तुरंत कार्रवाई की।

दुमका से बासुकीनाथ तक बनेगी फोरलेन सड़क, आ गया रूट चार्ट; जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया हुई तेज

दुमका, एजेंसी। देवघर से बासुकीनाथ तक बन रहा फोरलेन सड़क का निर्माण आने वाले दिनों में दुमका तक होगा। मतलब देवघर से लेकर दुमका तक फोरलेन सड़क का निर्माण कराया जाएगा। पहले फेज में अभी देवघर से बासुकीनाथ तक फोरलेन सड़क का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। इसके बाद दूसरे फेज में बासुकीनाथ से दुमका तक फोरलेन सड़क निर्माण की स्वीकृति मिल गई है। स्वीकृति मिलने के बाद दुमका से बासुकीनाथ के बीच फोरलेन सड़क के लिए जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरु कर दी गई है। इसके अलावा दुमका के एडीबी दुमका-रामपुरहाट से चिगलपहाड़ी चूटोनाथ रिंग रोड और जरमुंडी-बेलदाहा-नीमानाथ पथ निर्माण के लिए भी जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। दुमका जिला भू-अर्जन कार्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक दुमका-बासुकीनाथ फोरलेन पथ के लिए मुख्य रूप से दुमका, जामा और जरमुंडी प्रखंड के 23 मौजों की जमीन अधिग्रहित करने की प्रक्रिया शुरु कर दी गई है ।इसके लिए सरकारी जमीन तकरीबन 112 ।4427616 एकड़ और निजी जमीन तकरीबन 21 ।2247096 एकड़ जमीन अधिग्रहित की जाएगी। विभाग की ओर जमीन अधिग्रहण के लिए प्रारंभिक अधिसूचना प्रकाशित करने की प्रक्रिया शुरु कर दी गई है।

बासुकीनाथ समेत गिरिडीह के हरिहर धाम में भक्तों का तांता,

प्रदेश के विभिन्न शिवालयों में भी हो रहा बाबा भोले का जलाभिषेक

दुमका,गिरिडीह, एजेंसी। पवित्र सावन महीने की पहली सोमवारी आज है। ऐसे में इलाके के विभिन्न शिवालयों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी है। उनके द्वारा बाबा भोले पर जलाभिषेक किया जा रहा है एवं पूजा अर्चना की जा रही है।

गिरिडीह जिला के अनोखे शिव मंदिर हरिहर धाम में भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़नी शुरू हो गई है। मंदिर का पट खुलते ही श्रद्धालु यहां पहुंचने लगे हैं और बाबा भोले पर जलाभिषेक कर सुखमय जीवन की कामना करने लगे हैं।

बगोदर से 2 किलोमीटर दूरी पर रांची-दुमका मेन रोड पर बाबा भोले की मंदिर है। जिसे हरिहर धाम मंदिर कहा जाता है। मंदिर का आकार शिव लिंगाकर है। ऐसे में इस मंदिर के प्रति लोगों की अटूट आस्था है। श्रद्धालुओं का मानना है कि यहां पूजा-अर्चना करने से मन्नतें पूरी होती है। मंदिर के पुजारी विजय कुमार पाठक ने बताया कि मंदिर का पट खुलते ही श्रद्धालुओं का आगमन यहां शुरू हो गया है और उनके द्वारा बाबा भोले पर जलाभिषेक किया जा रहा है। मंदिर के प्रबंधक भीम यादव ने श्रद्धालुओं से अपील किया है कि वह सावन महीने के सोमवारी के मौके पर पूजा-अर्चना के लिए महंगी वस्तुएं साथ लेकर मंदिर नहीं पहुंचे। चूंकि भीड़- भाड़ में चोर-उचक्कों की नजर कीमती वस्तुओं पर रहता है और कभी-कभार उनके द्वारा उन वस्तुओं की चोरी कर ली जाती है।

विश्व प्रसिद्ध बाबा बासुकीनाथ धाम मंदिर में सावन माह की प्रथम सोमवारी पर जलअर्पण के लिए सुबह से ही कांवरियों की लंबी कतार लगी है। पवित्र सावन माह के पहली सोमवारी पर बाबा बासुकीनाथ धाम में श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ पड़ा है। सावन माह की सोमवारी के दिन का हिंदू धर्म में खास महत्व समझा जाता है और भोलेनाथ को जलार्पण के लिए श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

श्रद्धालु देर रात से ही कांवरिया रूट लाइन में कतार बद्ध होकर अपनी बारी का इंतजार करते दिखे। सुबह मंदिर का पट खुलते ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए प्रशासन द्वारा अरघा के माध्यम से जलार्पण कराया जा रहा है। सुरक्षा के दृष्टिकोण से सभी प्वाइंटों पर दंडाधिकारी के साथ पुलिस बल की तैनाती की गई है।गेरुआ धारी भक्तों से बासुकीनाथ नगरी शिवमय नजर आ रही है, चहुंओर बोल बम के नारे गूंजायमान हो रहे हैं। डीडीसी दुमका सह बरिया दंडाधिकारी अनिकेत सचान ने कहा कि हम लोगों ने प्रशासनिक व्यवस्था काफी अच्छी कर रखी है ताकि आने वाले देवतुल्य श्रद्धालुओं को जल अर्पण करने में किसी प्रकार की सुविधा न हो। वहीं पंडा समाज और श्रद्धालुओं ने भी प्रशासनिक व्यवस्था की काफी सराहना की। आज मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से फूलों से सजाया गया है।

दुमका में वज्रपात से दो महिला समेत तीन की मौत, छह घायल

दुमका, एजेंसी। रविवार की शाम दुमका में मेघ गर्जना के साथ अचानक आई तेज बारिश के दौरान हुए वज्रपात में अलग-अलग तीन घटनाओं में दो महिला समेत तीन की मौत हो गई। जबकि छह लोग घायल हुए। घायलों में दो की स्थिति गंभीर बनी हुई है।

दुमका जिला के मसलिया थाना क्षेत्र के मोहनपुर गांव में रविवार की शाम वज्रपात से 23 साल के चंदन मरांडी की मौत हो गई। शाम में जिस समय पानी बरस रहा था, उस समय चंदन खेत से घर लौट रहा था। वज्रपात के बाद घरवाले उसे जल्दी से फूलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल लेकर आए। चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल कर्मियों ने घरवालों को पोस्टमार्टम कराने के लिए बहुत समझाया लेकिन तैयार नहीं हुए। अंत में स्वजन बिना पोस्टमार्टम के शव लेकर चले गए। जिले के सरैयाहाट में वज्रपात की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई है। जबकि चार अन्य महिला गंभीर रूप से घायल हो गई है। यह घटना मानिकपुर गांव की है। मृतक महिला मानिकपुर गांव के भरत चंद्र कापरी की 33 वर्षीय पत्नी शकुन्ती देवी है। वहीं घायल रूपा कुमारी और प्रभा देवी और भरत कापरी हैं। घटना के संबंध में बताया गया कि सभी खेत में काम कर रहे थे, अचानक बारिश के दौरान वज्रपात होने से सभी चपेट में आ गये। सभी घायलों को उठाकर सरैयाहाट सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। घायलों का प्राथमिक उपचार के बाद देवघर रेफर कर दिया। इसमे भरत कापरी की हालत नाजुक बताई जा रही है।जरमुंडी थाना क्षेत्र में रविवार को वज्रपात से एक 42 वर्षीया महिला की मौत हो गई। जबकि दो अन्य ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गए।

12 फीट के अजगर का रेस्क्यू, पुआल में छुपकर बैठा था

पलामू, एजेंसी। लातेहार जिले के बारेसाढ़ के परेवाटांड़ से वन विभाग की टीम ने 12 फीट के एक अजगर का रेस्क्यू किया है। यह अजगर परेवाटांड़ के अर्जुन सिंह के पुआल के टाल में छुपा हुआ था। सोमवार को पलामू टाइगर रिजर्व में 12 साल से तैनात वनपाल परमजीत तिवारी और उनकी टीम को सूचना मिली थी कि अर्जुन सिंह नामक व्यक्ति के घर के पास एक विशाल अजगर देखा गया है। इसकी सूचना मिलने के बाद रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची थी। टीम ने 12 फीट लंबे और करीब 18 किलो वजनी अजगर का रेस्क्यू किया। बाद में रेस्क्यू टीम ने अजगर को कुम्हरमारा जंगल में छोड़ दिया।

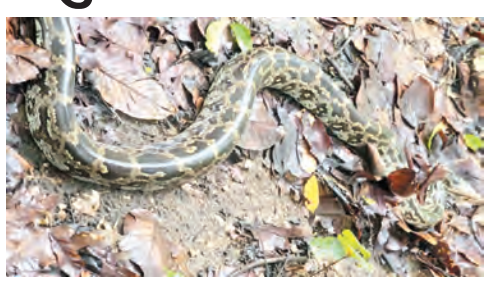

अजगर मिट्टी के घर में लगने वाली कंडी के बराबार मोटा था। यह बकरी, छोटे मवेशी के बराबर किसी भी जीव को निगल सकता था। रेस्क्यू टीम में फॉरेस्टर परमजीत तिवारी, वाइल्डलाइफर शेरा गुप्ता, ट्रैकर अमन कुमार, क्यूआरटी सदस्य मुखराज यादव और लक्ष्मण यादव, ग्रामीण आकाश कुमार शामिल थे।

पिछले एक महीने से पलामू प्रमंडल में लगातार बारिश हो रही है। इस कारण सभी जलस्रोत भर गए हैं। अजगर और सांप के बिलों में भी पानी भर गया है। इस कारण वे अपने बिलों से बाहर निकल कर रहे हैं। भींगे पत्ते और पुआल जैसी वस्तु के बीच सांप आसानी से छुप जाते हैं।

स्वच्छता के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन वाले शहर होंगे सम्मानित, जमशेदपुर को मिलेगा सम्मान

रांची, एजेंसी। नगर विकास एवं आवास विभाग लगातार शहरों की स्वच्छता को लेकर बेहद संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रहा है और इसका नतीजा यह है कि हर वर्ष भारत सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा कराए जाने वाले स्वच्छ सर्वेक्षण में झारखंड के शहर अपना परचम लहरा रहे हैं।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 का परिणाम 17 जुलाई 2025 को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में घोषित हो रहा है, जिसमें झारखंड के जमशेदपुर को महामहिम राष्ट्रपति महोदया और बुंडू को केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री के हाथों सम्मानित किया जाएगा। इसी दिन शहरों की स्वच्छता रैंकिंग भी जारी होगी।

शहरी स्वच्छता को और बेहतर करने के लिए राज्य के सभी 49 नगर निकायों में कई प्रयास किए जा रहे हैं। हाल के दिनों में शहरों में डोर टू डोर कचरा उठाव उसके सेग्रीगेशन और डिस्पोजल को लेकर तेजी से कार्य हुआ है।

इसके साथ ही, ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन पर कई महत्वपूर्ण कार्य हुए हैं। कई शहरों में इसके लिए प्लांट स्थापित किया गया है तो ज्यादातर शहरों में ऐसे प्लांट निर्माणाधीन हैं। स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 से पहले सभी निकायों में बैठक, कार्यशाला और कैंपेन आयोजित हुआ। समाज के हर वर्ग की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए कार्यक्रम चलाए गए। डोर टू डोर वैस्ट कलेक्शन सुनिश्चित कराया गया। सेग्रिगेशन एंड प्रोसेसिंग आफ वैस्ट को प्राथमिकता दी गयी। पीट कंपोस्टिंग एंड ऑनसाइट कंपोस्टिंग के लिए नगर निकायों और नागरिकों को प्रोत्साहित किया गया। रीसाइक्लर्स को नगर निकायों के साथ जोड़ा गया।

कैरी बैग को वैन किया गया और सिंगल यूज प्लास्टिक के इस्तेमाल में कमी लाई गयी। स्वच्छता एप के माध्यम से सफाई से जुड़ी समस्याओं का त्वरित निदान किया गया।

गौरतलब है कि स्वच्छ सर्वेक्षण 2016 में झारखंड की स्थिति बहुत प्रशंसनीय नहीं थी पर लगातार स्वच्छ सर्वेक्षण 2017, 2018, 2019, 2020, 2021, 2022 और 2023 में राज्य की जनता के सहयोग और शहरी निकायों तथा राज्य सरकार के कुशल मार्गदर्शन में राज्य ने स्वच्छता के क्षेत्र में कई सम्मान प्राप्त किए हैं।

झारखंड सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा की बैठक में आंदोलन की बनी रणनीति, सरकार का किया जाएगा घेराव

रांची, एजेंसी। झारखंड सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा की राज्यस्तरीय बैठक रविवार को मोरहाबादी मैदान में आयोजित की गई। बैठक में राज्य के सभी 24 जिलों के जिला अध्यक्ष, सचिव, प्रखंड कमेटी सदस्य और लगभग 500 सहायक अध्यापकों ने भाग लिया। बैठक की अध्यक्षता वरीय सदस्य विनोद बिहारी महतो ने की, जबकि संचालन विनोद तिवारी और संजय दुबे ने संयुक्त रूप से किया।

बैठक में वक्ताओं ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि अब तक समान कार्य के बदले समान वेतन, अनुकंपा पर नियुक्त शिक्षकों की सेवा अवधि 65 वर्ष तक करने जैसी मांगों पर कोई ठोस पहल नहीं की गई है। नेताओं ने कहा कि सरकार के साथ जो समझौता हुआ था, उसकी 90 प्रतिशत शर्तें अब तक अधूरी हैं। इससे पूरे राज्य में सहायक अध्यापकों के बीच आक्रोश है।

बैठक में सबसे अधिक विरोध राज्य के उन लगभग 2000 सहायक अध्यापकों की सेवा समाप्ति को लेकर दर्ज किया गया, जिन्हें प्रमाणपत्र जांच के नाम पर कार्यमुक्त कर दिया गया है। मोर्चा के नेताओं का कहना है कि यह फैसला न केवल असंवेदनशील है, बल्कि हजारों शिक्षकों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 19 और 20 जुलाई को सभी जिला और प्रखंड कमेटी सदस्य सत्ता पक्ष और विपक्ष के विधायकों और मंत्रियों को मांग पत्र सौंपेंगे। इसके बाद झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान रांची में जोरदार घेराव किया जाएगा। यह जानकारी सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा के नेता संजय दुबे ने दी।

उन्होंने बताया कि इसके बाद भी सरकार सहायक अध्यापकों की मांगों पर वार्ता नहीं करती या समाधान नहीं निकलता, तो 5 सितंबर को सभी सहायक अध्यापक मुख्यमंत्री आवास का घेराव करेंगे। इसके बाद 15 नवंबर को मोरहाबादी मैदान में विशाल प्रदर्शन आयोजित कर सभी सरकारी कार्यक्रमों का विरोध और काला झंडा दिखाने का निर्णय लिया गया है।

झारखंड में खुलेआम हो रहा अवैध खून का धंधा ! मालामाल हो रहे निजी अस्पताल

धनबाद, एजेंसी। जिले में ब्लड डोनेशन कैंप लगाकर लोगों के खून का सौदा किया जा रहा है। जिसका सीधा फायदा निजी अस्पताल को पहुंच रहा है। निजी अस्पतालों को फायदा पहुंचाने के मकसद से ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन किया जा रहा है। मामले को सिविल सर्जन ने खुद उठाया है।

ब्लड डोनेशन कैंप में भोले-भाले, गरीब और मजदूर तबके के लोगों से ब्लड डोनेट कराया जा रहा है और उनके द्वारा डोनेट किए गए ब्लड को निजी अस्पतालों को बेचा जा रहा है। जहां ऐसे संग्रहित ब्लड की बिक्री की जाती है। यह खुलासा जिले के सिविल सर्जन ने किया है। सिविल सर्जन ने ऐसे ब्लड डोनेशन कैंप को गैर कानूनी बताया है। जांच के दौरान पकड़े जाने पर ऐसे ब्लड डोनेशन कैंप लगाने वाले संस्थान पर कानूनी कार्रवाई करने की भी बात सिविल सर्जन ने कही है।

सिविल सर्जन डॉ आलोक विश्वकर्मा ने कहा कि जिले में रक्त दान शिविर हर दो या तीन दिन के अंतराल में लगाया जा रहा है, जिसकी जानकारी सिविल सर्जन कार्यालय को नहीं दी जाती है और ना ही ब्लड डोनेशन कैंप की स्वीकृति ली जाती है। उन्होंने बताया कि एक ब्लड डोनेशन कैंप के निरीक्षण के दौरान पाया गया कि गरीब और मजदूर वर्ग के डोनर से ब्लड लिया जा रहा है।

सिविल सर्जन ने कहा कि लगाए गए इस रक्त दान शिविर की जांच पड़ताल की गई। जिसमें पाया कि कॉमर्शियल या प्राइवेट अस्पताल या फिर प्राइवेट सुपर स्पेशलिटी अस्पताल को डोनेट की गई ब्लड की सप्लाई होती है।

प्रदेश में इस हफ्ते खुल जाएगी शराब की दुकानें, नई आबकारी नीति से उत्पाद विभाग को भारी राजस्व की संभावना

रांची, एजेंसी। उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग को झारखंड सरकार की नई उत्पाद नीति झारखंड उत्पाद (मदिरा की खुदरा बिक्री हेतु दुकानों की बंदोबस्ती एवं संचालन) नियमावली 2025 के अंतर्गत एक सितंबर 2025 से 31 मार्च 2026 तक बंपर राजस्व हासिल करने की उम्मीद है।

इस नियमावली के तहत राज्य में निजी हाथों से शराब की खुदरा बिक्री होगी। निजी हाथों से शराब की खुदरा बिक्री से उत्पाद विभाग को बड़ी उम्मीदें है। यही वजह है कि वर्तमान वित्तीय वर्ष के सिर्फ सात महीने में ही विभाग को 2402 करोड़ रुपये का राजस्व लक्ष्य हासिल करने की उम्मीद है।

इसे देखते हुए विभाग ने 13 जुलाई (रविवार) को नया व संशोधित राजस्व लक्ष्य घोषित किया है। इसके तहत चालू वित्तीय वर्ष में पहले से घोषित राजस्व लक्ष्य जहां 2985 करोड़ रुपये था, उस लक्ष्य को संशोधित करते हुए विभाग ने उसे 3585 करोड़ रुपये कर दिया है।

चालू वित्तीय वर्ष में 2985 करोड़ का राजस्व लक्ष्य पुरानी उत्पाद नीति के आधार पर रखा गया था। पुरानी उत्पाद नीति झारखंड उत्पाद (झारखंड राज्य बिवरेजेज कारपोरेशन लिमिटेड के माध्यम से खुदरा उत्पाद दुकानों का संचालन) नियमावली 2022 से 31 अगस्त 2025 तक राज्य में खुदरा शराब दुकानें संचालित होंगी।

इस पांच महीने में यानी एक अप्रैल 2025 से 31 अगस्त 2025 तक के लिए विभाग ने 1183 करोड़ रुपये का राजस्व लक्ष्य रखा है। वित्तीय वर्ष के शेष सात महीने यानी एक सितंबर 2025 से 31 मार्च 2026 तक के लिए विभाग ने 2402 करोड़ रुपये का राजस्व लक्ष्य रखा है।

यह वही अवधि है, जिसमें शराब की खुदरा बिक्री निजी हाथों से होगी। यानी इस सात महीने अवधि में पिछले पांच महीने की तुलना में दोगुने से भी अधिक का राजस्व लक्ष्य रखा गया है।

राज्य में शराब की खुदरा बिक्री से चालू वित्तीय वर्ष में अब तक कितने का राजस्व आया, यह आंकड़ा अब तक अस्पष्ट है। यह तभी स्पष्ट होगा, जब तक ऑडिट व सुनवाई पूरी नहीं हो जाती। इसमें करीब आठ से दस दिन और लगने की उम्मीद है।

उत्पाद अधिकारी की मानें तो वर्तमान में हैंडओवर-टेकओवर के बाद बड़ी अनियमितता सामने आई है, जिसपर जिम्मेदार प्लेसमेंट एजेंसियों से हिसाब लिया जा रहा है। झारखंड उच्च न्यायालय के आदेश के आलोक में आयुक्त उत्पाद की अध्यक्षता में बनी कमेटी हर दिन प्लेसमेंट एजेंसियों के साथ बैठकर हिसाब का मिलान कर रही है।

प्लेसमेंट एजेंसी अपना तर्क दे रहे हैं, ऑडिट टीम अपना हिसाब दे रही है। कहां हिसाब में, किस वजह से अंतर आ रहा है, उसका मिलान किया जा रहा है। जब तक सुनवाई पूरी नहीं हो जाती, हिसाब का मिलान पूरा नहीं हो जाता, तब तक राजस्व संग्रहण का फाइनल आंकड़ा स्पष्ट नहीं होगा।

राज्य में शराब दुकानों की ऑडिटिंग व हैंडओवर-टेकओवर की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। नई व्यवस्था के तहत झारखंड राज्य बिवरेजेज कॉरपोरेशन लिमिटेड (जेएसबीसीएल) के अधीन दैनिक वेतनभोगी कर्मियों के माध्यम से शराब की खुदरा बिक्री हो रही है।

उत्पाद अधिकारियों ने यह संभावना जताई है कि इस हफ्ते सभी शराब दुकानें खुल जाएंगी। राज्य में शराब आपूर्ति सामान्य हो जाएगी। शराब दुकान में रखे जाने वाले कर्मियों का जेएसबीसीएल आपराधिक इतिहास व पुराने आरोपों को भी खंगाल रहा है, जिसके चलते इसमें विलंब हो रहा है।जिन कर्मियों पर पहले से केस या कोई दाग है, उन्हें दुकान में नहीं रखा जा रहा है। साफ-सुथरी छवि वाले कर्मी ही दुकानों में रखे जा रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

हिमाचल में 17 जुलाई तक तेज बारिश का खतरा, किन जिलों में ऑरेंज और कहां येलो अलर्ट?

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में एक बार फिर भारी बारिश का खतरा मंडरा रहा है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने चेतावनी दी है कि 14 से 17 जुलाई तक प्रदेश में कई स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। इस दौरान कांगड़ा और सिरमौर जिलों में 14 जुलाई को भारी से बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है जबकि मंडी, शिमला और सोलन जिलों के लिए येलो अलर्ट घोषित किया गया है। 15 जुलाई को चम्बा, कांगड़ा, मंडी, शिमला, सोलन और सिरमौर में भारी बारिश का येलो अलर्ट रहेगा। 16 जुलाई को लाहौल-स्पीति और किन्नौर को छोड़कर बाकी सभी 10 जिलों में येलो अलर्ट रहेगा। वहीं 17 जुलाई को चम्बा, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और सिरमौर में फिर से येलो अलर्ट जारी किया गया है। 18 और 19 जुलाई को हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई गई है, लेकिन इन दिनों के लिए कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है। रविवार को मानसून की रफ्तार कुछ धीमी रही और प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में मौसम साफ बना रहा। इससे लोगों ने राहत की सांस ली। बीते 24 घंटों के दौरान चम्बा जिला के जोत में सर्वाधिक 30 मिमी, शिमला के कुफरी में 20 मिमी और शिमला, चौपाल, कंडाघाट, पांवटा, सोलन और नारकंडा में 10 मिमी वर्षा रिकॉर्ड हुई। इस बीच प्रदेश में भूस्खलन के चलते जनजीवन प्रभावित हो रहा है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार रविवार को भूस्खलन के कारण एक नेशनल हाईवे समेत 227 सड़कें बंद रहीं। मंडी जिला सबसे अधिक प्रभावित है, जहां 172 सड़कें और एनएच-22 ठप पड़े हैं। मंडी के सराज उपमंडल में ही 93 सड़कें बाधित हैं। बिजली और पानी की आपूर्ति भी बुरी तरह प्रभावित हुई है। यहां 30 जून को बादल फटने से जनजीवन अस्त-व्यस्त है। प्रदेश में 76 बिजली ट्रांसफार्मर और 787 पेयजल योजनाएं बंद पड़ी हैं। अकेले मंडी में 68 ट्रांसफार्मर और 175 पेयजल योजनाओं पर असर पड़ा है, जबकि कांगड़ा में 612 पेयजल योजनाएं और हमीरपुर में 166 ट्रांसफार्मर प्रभावित हुए हैं।

ओडिशा के पुरी में एच5एन1 वायरस से हड़कंप, सरकारी आदेश पर 6700 मुर्गियां मारी

पुरी, एजेंसी। ओडिशा के पुरी जिले में बर्ड फ्लू (एच5एन1 वायरस) की पुष्टि के बाद प्रशासन ने तत्काल आपातकालीन नियंत्रण अभियान शुरू कर दिया है। जिला पशु चिकित्सा अधिकारी के अनुसार, संक्रमण को रोकने के लिए 6700 से अधिक मुर्गियों को मारा गया है। सूत्रों के अनुसार, पिछले एक हफ्ते से गांव में मुर्गियों की रहस्यमयी मौतें हो रही थीं, लेकिन बर्ड फ्लू की पुष्टि तब हुई जब ग्रामीणों ने चिंता जताई और प्रशासन ने सैंपल लिए। जानकारी के अनुसार, पुरी जिले के डेलंगा ब्लॉक के बड़ा अंकुला गांव में बीते हफ्ते मुर्गियों की असामान्य मौतें देखने को मिली थीं। ग्रामीणों की शिकायत पर 9 जुलाई को लिए गए सैंपल जांच के लिए भोपाल स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाई सिक्योरिटी एनिमल डिजीज भेजे गए थे। रिपोर्ट में एच5एन1 एवियन इन्फ्लुएंजा वायरस की पुष्टि हुई। पुरी के मुख्य जिला पशु चिकित्सा अधिकारी शरत कुमार बेहेरा ने बताया कि क्षेत्र में 5 रैपिड रिस्पॉन्स टीम और स्वास्थ्य विभाग की टीमें तैनात की गई हैं। उन्होंने बताया, संक्रमित क्षेत्र में जीवित पक्षियों की आवाजाही पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। सभी संक्रमित पक्षियों को 1 किलोमीटर के दायरे में मारने की कार्रवाई पूरी कर ली गई है। इसके साथ ही आसपास के 5 गांवों से और सैंपल लिए गए हैं ताकि वायरस के फैलाव का पता लगाया जा सके। राज्य के मत्स्य एवं पशु संसाधन विकास मंत्री गोकुलानंद मल्लिक ने संक्रमित क्षेत्र का दौरा किया और नियंत्रण उपायों का जायजा लिया।

छत्तीसगढ़ में भाजपा विधायक खुशवंत साहेब पर हमला, गाड़ी का शीशा टूटा, हाथ में आई चोट

बेमेतरा, एजेंसी।
छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में आरंग से भारतीय जनता पार्टी के विधायक और अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष गुरु खुशवंत साहेब की गाड़ी पर हमला हुआ है। उनकी कार में असामाजिक तत्वों ने पथराव किया है, जिससे कार का शीशा टूट गया है। विधायक के हाथ में चोट भी लगी है। सूचना पर पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंची। इस घटना ने जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा पर भी सवाल उठाने के साथ राजनीतिक गलियारों में खलबली मचा दी है। मिली जानकारी के मुताबिक बेमेतरा जिले के नवागढ़ में एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद विधायक गुरु खुशवंत साहेब वापस रायपुर लौट रहे थे। नवागढ़ ब्लाक के चारभांठा ढोलिया और भोईनाभांठा के बीच बायपास रोड पर अचानक उनकी गाड़ी पर पत्थरबाजी की घटना हुई। वहीं इस मामले को लेकर गुरु खुशवंत साहेब का बयान सामने आया है।

उन्होंने कहा कि मुझे टारगेट किया गया या असामाजिक तत्वों ने हमला किया। यह जांच का विषय है। कार में जिस जगह पर मैं बैठा था, वहीं पत्थर

से हमला हुआ। हमले के बाद गाड़ी फिसली, गाड़ी स्पीड होती तो बड़ी घटना हो सकती थी। विधायक गुरु खुशवंत साहेब ने कहा- पुलिस जांच कर हमलावरों पर कार्रवाई करें। उन्होंने आगे बताया कि सीएम विष्णुदेव साय ने फोन करके घटना की जानकारी ली है। आरंग विधायक गुरु खुशवंत साहेब की गाड़ी पर असामाजिक तत्वों ने पत्थरबाजी कर दिया। वे बेमेतरा जिले के नवागढ़ में एक सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद रायपुर स्थित निवास लौट रहे थे। वापसी में चारभांठा ढोलिया और भोईनाभांठा के बीच बायपास रोड पर अचानक उनकी गाड़ी पर पत्थरबाज़ी की गई। पत्थर इतनी तेज़ी से फेंके गए कि यदि गाड़ी धीमी होती तो सीधा कांच तोड़ते हुए पत्थर विधायक को लग सकता था। यह हमला अत्यंत गंभीर माना जा रहा है। इस घटना के तुरंत बाद विधायक के पर्सनल स्टाफ ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और जांच प्रारंभ कर दी गई है। विधायक खुशवंत फिलहाल सुरक्षित हैं, लेकिन इस हमले ने जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। घटनास्थल पर फोरेंसिक और पुलिस की टीम मौके भी पहुंची। विधायक पर पत्थरबाजी करने वाले आखिर कौन हैं या कोई बड़ी योजना थी... यह जांच के बाद ही पता चल पायेगा।

आंध्र प्रदेश में आमों से लदा ट्रक पलटा, नीचे दबकर 9 मजदूरों की मौत और 10 लोग घायल

अन्नमय्या, एजेंसी।
आंध्र प्रदेश के अन्नमय्या जिले में रविवार रात दर्दनाक हादसा हो गया। आमों से लदा एक ट्रक पलट गया जिससे 9 मजदूरों की मौत हो गई और 10 अन्य घायल हैं। मृतकों में 5 महिलाएं शामिल हैं। घायलों को राजमपेट के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह हादसा पुल्लमपेटा मंडल के रेड्डी चेरुवु कट्टा में हुआ, जो कडपा शहर से लगभग 60 किमी दूर है। पुलिस के अनुसार, आमों के ढेर के ऊपर बैठे मजदूर ट्रक पलटने से उसके नीचे दब गए।

रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रक चालक इस हादसे में बच गया। ड्राइवर ने पुलिस को बताया कि सामने से आ रही कार से टक्कर से बचने की कोशिश में नियंत्रण खो दिया। रेलवे कोडुरु और तिरुपति जिले के वेंकटगिरी मंडल के 21 दिहाड़ी मजदूर एसुकापल्ली और आसपास के गांवों में आम तोड़ने गए थे। ट्रक आमों के साथ रेलवे कोडुरु बाजार जा रहा था और मजदूर इसके ऊपर बैठे थे। हादसे में मजदूर 30-40 टन आमों के नीचे दब गए। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जेसीबी की मदद से बचाव कार्य शुरू किया। ट्रक और आमों के ढेर के नीचे दबने से 8 मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई। इनकी पहचान गज्जाला दुर्गैया, गज्जाला लक्ष्मी देवी, गज्जाला रमना, गज्जाला श्रीनु, राधा, वेंकट सुब्बम्मा, चित्तेम्मा और सुब्बा रत्नम्मा के रूप में हुई। मुनिचंद्र की मौत राजमपेट के अस्पताल में हुई। घायलों को बेहतर इलाज के लिए कडपा के रिम्स में शिफ्ट किया गया है। परिवहन मंत्री मंडिपल्ली रामप्रसाद रेड्डी और जिला प्रभारी मंत्री बीसी जनार्दन रेड्डी ने हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने पीड़ित परिवारों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया। पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने भी शोक व्यक्त करते हुए घायलों के लिए बेहतर इलाज और मृतकों के परिवारों के लिए सहायता की मांग की।

सांपों से खेल, फूल और पत्तियों का भोजन, कैसे सालों जंगल और गुफा में रही रूसी महिला

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले में गोकर्ण के पास रामतीर्थ पहाड़ी की गुफा में रूसी महिला अपने बच्चों के साथ मिली। 40 साल की नीना कुटिना को मोही के नाम से भी जाना जाता है, जो यहां अपनी दो छोटी बेटियों 6 वर्षीय प्रेया और 4 वर्षीय अमा के साथ रह रही थी। तीनों इस गुफा में बीते 2 महीने से छिपे हुए थे। कुटिना साल 2016 में बिजनेस वीजा पर भारत आई थी और 2017 में वीजा अवधि समाप्त हो गई। इसके बाद उन्होंने देश छोड़ने के बजाय जंगल में शरण ले ली। 9 जुलाई को पुलिस गश्त के दौरान उन पर नजर पड़ी। अधिकारियों ने गुफा के पास साड़ियां और प्लास्टिक कवर देखे तो उन्हें संदेह हुआ। गुफा में रुद्र की मूर्ति, रूसी किताबें और हिंदू देवी-देवताओं की तस्वीरें भी मिलीं।

नीना कुटिना ने अपनी बेटियों को जंगल में ही जन्म दिया। उसने उन्हें योग, ध्यान, चित्रकला और आध्यात्मिक शिक्षा सिखाई। वह अपने परिवार के लिए राशन के तौर पर इंस्टेंट नूडल्स और प्राकृतिक संसाधनों (फल, फूल और पत्तियों) पर निर्भर थी। तीनों प्लास्टिक शीट पर सोते थे और प्राकृतिक रोशनी का इस्तेमाल करते थे। कुटिना ने पुलिस को बताया, ,सांप तो हमारे दोस्त हैं। वे हमें नुकसान नहीं पहुंचाते जब तक कि हम उन्हें परेशान न करें।, खतरनाक वन्यजीवों और भूस्खलन वाले इलाके में भी वे सुरक्षित रहीं। पुलिस ने अब उन्हें बच्चों के साथ कुमटा तालुका के एक आश्रम में भेज दिया है, जहां 80 वर्षीय स्वामीजी उनकी देखभाल कर रही हैं। पुलिस ने गुफा और आसपास के जंगल की तलाशी ली। इस दौरान नीना कुटिना का पासपोर्ट और समाप्त हो चुका वीजा बरामद हुआ, जिसकी समय सीमा 17 अप्रैल, 2017 को खत्म हो गई थी।

एक सप्ताह में निकल जाओ, मराठी विवाद के बीच पंजाब के गांव में प्रवासियों को फरमान

चंडीगढ़, एजेंसी।
महाराष्ट्र में हिंदी बनाम मराठी का विवाद पैदा करने की कोशिशें पिछले कुछ दिनों में हुई हैं। इसके अलावा राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने उत्तर भारतीयों को भी निशाने पर लिया है। इस बीच पंजाब के फतेहगढ़ साहिब से भी ऐसी ही खबर है, जहां के एक गांव से प्रवासियों को निकलने का फरमान सुनाया गया है। फतेहगढ़ साहिब जिले के गांव लखनपुर गारचा पट्टी की पंचायत ने गांव में रह रहे प्रवासियों को एक सप्ताह के अंदर निकल जाने को कहा है। पंचायत ने प्रस्ताव पारित किया है कि गांव में काफी लोग अवैध तौर पर रहे हैं और इन्हें एक सप्ताह में निकलने का आदेश दिया जाता है। स्थानीय पुलिस का कहना है कि उसे इस मामले की जानकारी नहीं है।

ग्रामीणों की पंचायत में पारित प्रस्ताव में कहा गया है कि ये प्रवासी लोग महिलाओं से बदसलूकी करते हैं। गांव के सरपंच बरिंदर सिंह बिंडा ने कहा कि ये प्रवासी लोग यहां खेतों में काम करने के लिए आए थे, लेकिन अब ये स्थायी तौर पर यहीं बस गए हैं। उन्होंने कहा कि इनमें से तमाम ऐसे हैं, जो गांव में घूमते रहते हैं। सिगरेट और बीड़ी पीते हैं। इसके अलावा इनमें से कई लोगों को ड्रग्स

की लत लग गई है और उसके प्रभाव में आकर ये लोग चोरियां तक कर रहे हैं। ड्रग तस्करी से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि तमाम प्रयासों के बाद भी इन पर लगाम नहीं लग पाई है। ऐसी स्थिति में हम गांव वालों ने प्रस्ताव पारित किया है कि ये लोग निकल ही जाएं।

सरपंच बरिंदर सिंह बिंडा ने कहा कि उन लोगों को ही यहां रुकने दिया जाएगा, जिनके पास आधार कार्ड हैं या फिर अन्य दस्तावेज हैं। बिना आईडी प्रूफ वाले लोगों को यहां रुकने की परमिशन नहीं होगी। इसके अलावा जो भी ग्रामीण इन लोगों से काम लेंगे, उन्हें पहचान पत्र देखने होंगे और अपने पास रखने होंगे। ऐसा इसलिए ताकि कानून व्यवस्था से जुड़ी कोई समस्या यदि खड़ी होती है तो उसके बारे में आसानी से पता लगाया जा सके। इस मामले में कुछ संगठनों ने दखल देने की कोशिश की है, लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि आखिर इस बात की गारंटी कौन लेगा कि बिना किसी आईडी प्रूफ के यहां रहने वाले लोग कोई समस्या पैदा नहीं करेंगे।

गाजियाबाद शहर को सेक्टरों में बांटकर विकास का नया प्लान

गाजियाबाद, एजेंसी।
गाजियाबाद शहर का योजनाबद्ध तरीके से विकास करने के लिए अब जोन को सेक्टरों में बांटने की तैयारी की जा रही है। इसकी शुरुआत पायलट प्रोजेक्ट के रूप में जोन एक से होगी। माना जा रहा है कि इस जोन को चार सेक्टर में विभाजित किया जा सकता है। इससे जहां अवैध निर्माण पर लगाम लगेगी, वहीं साफ-सफाई और स्ट्रील लाइटों का भी खासा ध्यान रखा जाएगा।

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) क्षेत्र में कुल आठ जोन हैं, जिनमें प्रर्वतन, अनियंत्रण और संपत्ति अनुभाग की टीम अपना कार्य करती हैं। इसके बाद भी क्षेत्र में विकास की रफ्तार काफी धीमी रहती है। विकास की रफ्तार तेज करने और सुविधाएं बढ़ाने के लिए जीडीए ने योजना बनाई है। इसे पायलट प्रोजेक्ट के रूप में जोन एक में लागू

किया जाएगा। यहां सफलता के बाद अन्य जोन में भी लागू किया जा सकता है।

जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने जोन एक को करीब चार सेक्टर में विभाजित कर सुविधाएं मुहैया कराने के निर्देश दिए हैं। अधिकारी बताते हैं कि जोन एक में राजनगर एक्सटेंशन, नंदग्राम समेत आसपास क्षेत्र के कई गांव आते हैं। ऐसे में इन्हें सेक्टर में विभाजित किया जा रहा है, ताकि सेक्टर के अनुसार टीम क्षेत्र में काम कर सके।

जीडीए अधिकारी ने बताया कि क्षेत्र में तैनात अवर अभियंता, सहायक अभियंता आदि का दायित्व होगा कि वह सुपरवाइजरों द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली रिपोर्ट की समीक्षा करें। साथ ही इस रिपोर्ट के आधार पर वरिष्ठ अधिकारी क्षेत्र का औचक निरीक्षण करेंगे, ताकि क्षेत्र की वर्तमान स्थिति का पता चल सके।

प्राधिकरण जिन योजना की देखरेख करता है, वहां की साफ-सफाई, स्ट्रील लाइट, कूड़ा निस्तारण और निर्माण कार्य बेहतर और योजनाबद्ध तरीके से हो सकेगा। साथ ही अवैध निर्माण पर भी नजर रखी जा सकेगी। सुपरवाइजरों को रोजाना घूमना होगा, जिसकी रिपोर्ट तैयार कर अधिकारियों को सौंपनी होगी। अतुल वत्स, उपाध्यक्ष, जीडीए, जीडीए क्षेत्र को योजनाबद्ध तरीके से विकास किया जाएगा। जोन एक को सेक्टर में बांटकर विकसित करने की तैयारी है। इसकी सफलता के बाद अन्य जोन में भी इसे लागू किया जा सकता है।

गुरु पूजा पर विवाद, राज्यपाल और राज्य सरकार फिर आमने-सामने

तिरुअनंतपुरम, एजेंसी।
केरल के दो स्कूलों में छात्रों द्वारा की गई गुरु पूजा की प्रथा का राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने बचाव किया है। उन्होंने कहा कि गुरुओं की पूजा करना, शिक्षकों के चरणों में पुष्पांजलि अर्पित करना भारतीय संस्कृति का एक अहम हिस्सा है। राज्यपाल का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब केरल में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के नेतृत्व वाले गठबंधन, वाम लोकतांत्रिक मोर्चे (एलडीएफ) की सरकार ने राज्य के दो सीबीएसई स्कूलों में हाल ही में ,पद पूजा, (पैर धोने की रस्म) किए जाने की कड़ी आलोचना की है।

राज्यपाल ने रविवार को बलरामपुरम में बालगोकुलम द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, ''गुरु पूजा हमारी संस्कृति का हिस्सा है, जहां हम अपने गुरुओं के चरणों में पुष्प अर्पित करते हैं... लेकिन कुछ लोगों को इस पर आपत्ति है। मुझे समझ नहीं आता कि वे किस संस्कृति से हैं?''

शिक्षकों के सम्मान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए आर्लेकर ने कहा कि गुरु महान आत्माएं हैं और सम्मान के पात्र हैं। अगर हम अपनी परंपराएं और संस्कृति ही भूल जाएंगे, तो फिर हम इस विश्व में कहीं नहीं रह जाएंगे।

राज्यपाल की इस टिप्पणी पर माकपा और कांग्रेस पार्टी ने उनकी तीखी आलोचना की। दोनों पार्टियों ने राज्यपाल के ऊपर संघ का एजेंडा लागू करने और राज्य का अंधकार युग की ओर वापस ले जाने का आरोप लगाया।

हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम ने अपने 49 होटलों में 20 से 40 फीसदी तक की छूट देने का फैसला लिया

शिमला , एजेंसी।
हिमाचल प्रदेश घूमने आने वाले टूरिस्टों के लिए जेब को बड़ी राहतभरी खबर है। हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम (एचपीटीडीसी) ने 15 जुलाई से 12 सितंबर, 2025 तक अपने 56 में से 49 होटलों में 20 से 40 फीसदी तक की छूट देने का फैसला लिया है, ताकि ज्यादा से ज्यादा टूरिस्ट मॉनसून में भी प्रदेश का रुख करें। बता दें कि, हिमाचल प्रदेश में 15 अप्रैल से 15 जुलाई तक आधिकारिक टूरिस्ट सीजन के बाद मॉनसून में पर्यटकों की आमद घट जाती है।

एचपीटीडीसी की ओर से 20 फीसदी की छूट उन होटलों में दी जाएगी, जहां पहले से टूरिस्टों की संख्या अपेक्षाकृत अधिक रहती है। इनमें रोहड़ू का होटल चांशल, दाड़लाघाट का होटल बघाल, रिवालसर का टूरिस्ट इन, रामपुर का बुशहर रीजेंसी, मनाली का होटल रोहतांग मनालसू, कुल्लू का होटल सिल्वरमून, कुल्लू का होटल सरवारी, सराहन का होटल श्रीखंड और मनाली का होटल रोहतांग शामिल हैं।

30 फीसदी की छूट सबसे ज्यादा होटलों में दी जाएगी। इनमें नुरपुर का होटल नुपुर, चंबा का होटल इरावती, चिंतपुरी हाइट्स बरवानी, ज्वालामुखी का होटल ज्वालाजी, स्वारघाट का होटल हिलटॉप, धर्मशाला का होटल कुनाल, परवाणू का होटल शिवालिक, पांवटा साहिब का होटल यमुना, बिलासपुर का लेक व्यू, पालमपुर का होटल नीलग, शिमला का होटल हॉलिडे होम, पॉग डैम का कैंपिंग साइट, खरापत्थर का होटल गिरीगंगा, पालमपुर का होटल टी-बड, चामुंडा जी का यात्री निवास, कसौली का होटल रोज कॉमन, धर्मशाला का होटल धौलाधार, जोगिंद्रनगर का होटल उहल, मैक्लोडगंज का होटल भागसू, चिंडी का होटल ममलेश्वर, खज्जियार का होटल देवदार, कुल्लू का होटल सरवारी,

कसौली का होटल न्यू रोज कॉमन, शिमला का होटल पीटरहॉफ, रेणुकाजी का होटल रेणुका, मैक्लोडगंज का होटल क्लब हाउस, राजगढ़ का टूरिस्ट इन, भरमौर का होटल गौरीकुंड, नग्गर का द कैसल, मनाली का होटल कुंजम, क्यारीघाट का होटल मेघदूत, मनाली का हडिम्बा कॉटेज और मनाली का लॉग हट्स शामिल हैं। 40 फीसदी की सबसे बड़ी छूट कुछ चुनिंदा लग्जरी होटलों में दी जा रही है। इनमें कसौली का होटल न्यू रोज कॉमन, नारकंडा का होटल हाटू, चायल का पैलेस होटल और पैलेस होटल एनक्स, द गोल्फ ग्लेड नालदेहरा, डलहौजी का होटल मणिमहेश और गीताजंलि, फागु का होटल एप्पल ब्लॉसम शामिल हैं।हालांकि कुछ होटलों में किसी भी तरह की छूट नहीं दी जाएगी। इनमें हमीरपुर का होटल हमीर, सुंदरनगर का द सुकैत, चंबा का होटल चंपक, शिमला का विली पार्क, किन्नर कैलाश कल्पा, काजा का द स्पीति और केलंग का चंद्रभागा होटल शामिल हैं। एचपीटीडीसी के प्रबंध निदेशक राजीव कुमार द्वारा जारी आदेश के मुताबिक, मिंजर मेले के दौरान चंबा के होटल इरावती और होटल चंपक में 27 जुलाई से 3 अगस्त, 2025 तक तथा भरमौर के होटल गौरीकुंड में 11 अगस्त से 1 सितंबर, 2025 तक चलने वाली मणिमहेश यात्रा के दौरान किसी भी तरह की छूट लागू नहीं होगी। इसके अलावा कुछ होटलों में यह छूट नवीनीकरण के लिए बंद होने तक ही लागू रहेगी। इनमें होटल नगर कैसल, कुल्लू, सिल्वर मून कुल्लू, रोहतांग मनालसू मनाली और हडिम्बा कॉटेज मनाली शामिल हैं। एचपीटीडीसी ने अपने सभी होटलों को निर्देश दिए हैं कि मॉनसून सीजन में इस छूट का ज्यादा से ज्यादा प्रचार किया जाए ताकि पर्यटक हिमाचल की सुंदर वादियों का लुत्फ उठाने के साथ-साथ कम खर्च में आरामदायक ठहराव का भी लाभ उठा सकें।

विचार-मंथन

संपादकीय

रूढ़िवादी लोग, कई मामलों में मानसिक रूप से जी रहे हैं दशकों पीछे

अंतरिक्ष में पांव रख चुके भारत में आज भी कई तरह की रूढ़ियां आम दिखती हैं, तो इसकी वजह यही है कि हम कई मामलों में मानसिक रूप से दशकों पीछे जी रहे हैं। अन्यथा एक प्रगतिशील समाज में और वह भी स्कूल जैसी जगह पर माहवारी की जांच के नाम पर स्कूली छात्राओं के कपड़े नहीं उतरवाए जाते। इससे अधिक अफसोसनाक बात क्या हो सकती है कि ठाणे जिले के जिस विद्यालय में पढ़ने वाली बच्चियों को भावनात्मक रूप से ठेस पहुंचाया गया, वहां प्रधानाचार्य खुद एक महिला हैं। परिसर में उनके रहते यह सब हुआ। विचित्र यह है कि शौचालय में फर्श पर खून के धब्बे होने की जानकारी के बाद जहां प्रधानाचार्य और अन्य शिक्षिकाओं को बेहद संवेदनशील तरीके से पेश आने की जरूरत थी, वहां बच्चियों को न केवल स्कूल सभागार में बुलाया गया, बल्कि सार्वजनिक रूप से उनसे यह पूछा गया कि क्या उनमें से कोई मासिक धर्म चक्र से गुजर रही है। जिन छात्राओं ने इनकार किया, उनकी अभद्र तरीके से जांच की गई। निस्संदेह बच्चियों से यह व्यवहार अक्षम्य है, इसलिए महाराष्ट्र सरकार ने उचित कार्रवाई की और इस मामले में प्रधानाचार्य सहित एक महिला कर्मी को गिरफ्तार किया गया। पूरे मामले की जांच के आदेश भी दिए गए है। इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि महिलाओं के जिस प्राकृतिक चक्र या अवस्था को समझने-जानने और बच्चियों को उचित तरीके से शिक्षित करने की जरूरत है, वहां स्कूल जैसी जगह में भी उनके साथ ऐसा बर्ताव किया जाता है, जिससे इस अवस्था के प्रति कम उम्र की लड़कियों के भीतर नाहक आशंका पैदा होती है। ठाणे के स्कूल में माहवारी की जांच के नाम पर जिन बच्चियों के साथ अवांछित हरकत की गई, उनके मन-मस्तिष्क पर इसके असर का अंदाजा लगाया जा सकता है। पारंपरिक जड़ता के घेरे में घरों-परिवारों में महावारी के दौरान लड़कियों के प्रति कई तरह के दुराग्रह पहले ही मौजूद रहे हैं। जबकि यह सिर्फ स्वास्थ्य से जुड़ा विषय है। अफसोसनाक यह है कि जब किसी स्कूल की प्रधानाचार्य और शिक्षिकाओं की समझ ही इस विषय पर पूर्वाग्रहों से भरी है, तो जड़ मानसिकता वाले समाज से क्या उम्मीद की जाएगी।

जानलेवा पुल लोगों के जीवन कर रहे समाप्त

किसी भी हादसे का सबसे बड़ा सबक यह होना चाहिए कि वैसी घटना दोबारा न हो, इसके लिए सभी स्तर पर हरसंभव उपाय किए जाएं। मगर ऐसा लगता है कि बार-बार के हादसों के बावजूद सरकारी तंत्र के लिए इस पर गौर करना कोई जरूरी काम नहीं है और उसकी नींद तभी खुलती है, जब किसी बड़े हादसे से लोगों के बीच उपजा आक्रोश तूल पकड़ने लगता है। गुजरात के वडोदरा में एक पुल ढह जाने और उससे हुए जानमाल के नुकसान की घटना सरकारी तंत्र की इसी व्यापक लापरवाही और संवेदनहीनता का सबूत है। गौरतलब है कि वडोदरा में आणंद और पादरा को जोड़ने वाले व्यस्त पुल का एक हिस्सा अचानक ढह गया। इसकी चपेट में कई वाहन आए और टूटते पुल से महिसागर नदी में गिर गए। खबरों के मुताबिक, इसमें कम से कम सोलह लोगों की जान चली गई और कई अन्य घायल हुए। इस घटना को भी किसी आम हादसे की तरह देखा जाएगा, मरने और घायल होने वालों के लिए मुआवजे की घोषणा और जांच का आश्वासन जारी कर दिया जाएगा। मगर आमतौर पर ऐसी घोषणाओं के बाद सरकारी रवैया कुछ ही दिन में फिर अपने पुराने ढर्रे पर लौट जाता है और शायद किसी अगले हादसे का इंतजार किया जाने लगता है। यह समझना मुश्किल है कि जिस पुल के जर्जर होने और कभी भी हादसे का शिकार होने की आशंका से जुड़ी खबरें आ चुकी थीं, उस पर यातायात को रोकने और अन्य सुरक्षा इंतजाम करने की जरूरत क्यों महसूस नहीं की गई। यह बेवजह नहीं है कि अब ऐसे सवाल तीखे रूप में उठाए जा रहे हैं कि गुजरात में इस तरह के खराब गुणवत्ता वाले जानलेवा पुल के बनने और भरभरा कर ढहने का सिरा सरकार के किन-किन महकमों और उसके कर्ता-धर्ता से जुड़ा है और इसके जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं होती। जिस राज्य के विकास को देश भर में उदाहरण के रूप में पेश किया जाता है, वहां सिर्फ चालीस साल पहले बना पुल इस हालत में पहुंच जाता है तो इसका जिम्मेदार कौन है? क्या ऐसे लोगों की पड़ताल कर उन्हें कानून के कठघरे में खड़ा किया जाएगा? दरअसल, वडोदरा में पुल गिरने की घटना देश भर में ऐसे हादसों की महज एक कड़ी है। इससे पहले अक्तूबर, 2022 में गुजरात के ही मोरबी शहर में मच्छू नदी पर बना एक पुल नदी में गिर गया था, जिसमें एक सौ पैंतीस लोगों की जान चली गई थी। तब यह खबर आई थी कि सरकार ने सभी पुलों को मजबूती से जांचने और रखरखाव पुख्ता करने का दावा किया है।

भगवंत मान के गैर-जिम्मेदाराना बयान से मोदी के कूटनीतिक प्रयासों पर फिर सकता है पानी

(नीरज कुमार दुबे)

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राओं पर कटाक्ष करते हुए एक बेहद गैर-जिम्मेदाराना टिप्पणी की है जिसको लेकर विवाद गहरा गया है। देखा जाये तो राजनीति में एक दूसरे की आलोचना करना या विचारों से असहमति जताना स्वाभाविक है, लेकिन जब यह टिप्पणी देश की विदेश नीति या प्रधानमंत्री की अंतरराष्ट्रीय कूटनीति से जुड़ी हो, तब यह सिर्फ आंतरिक राजनीति तक सीमित नहीं रहती, बल्कि इसके राजनयिक प्रभाव भी हो सकते हैं। उल्लेखनीय है कि भगवंत मान ने एक मीडिया ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि वह 140 करोड़ लोगों वाले देश में नहीं रहते, बल्कि 10,000 की आबादी वाले देशों का दौरा करते हैं।

इस बयान पर भारतीय विदेश मंत्रालय ने आपत्ति जताई है और अपने बयान में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विदेश यात्राओं की आलोचना वाली टिप्पणी की निंदा करते हुए इसे 'गैरजिम्मेदाराना' करार दिया है। भगवंत मान का नाम लिए बिना मंत्रालय ने कहा कि भारत सरकार ''राज्य के एक उच्च पदाधिकारी'' द्वारा की गई उन अनुचित टिप्पणियों से खुद को अलग करती है, जिसमें मित्र देशों के साथ भारत के संबंधों की अनदेखी की गई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, हमने ग्लोबल साउथ के मित्र देशों के साथ भारत के संबंधों के बारे में राज्य के एक उच्च पदाधिकारी द्वारा की गई कुछ टिप्पणियां देखी हैं। उन्होंने भगवंत मान की टिप्पणी पर मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा, ये टिप्पणियां गैरजिम्मेदाराना और खेदजनक हैं तथा राज्य के किसी पदाधिकारी को शोभा नहीं देतीं। जायसवाल ने कहा, भारत सरकार मित्र देशों के साथ भारत के संबंधों को कमजोर करने वाली ऐसी अनुचित टिप्पणियों से खुद को अलग करती है। देखा जाये तो भगवंत मान को समझना चाहिए कि प्रधानमंत्री की विदेश यात्राएं केवल द्विपक्षीय या बहुपक्षीय बैठकें नहीं होतीं, बल्कि वे भारत की वैश्विक स्थिति, रणनीतिक भागीदारी, निवेश संभावनाओं और सांस्कृतिक सॉफ्ट पावर को मजबूत करने का माध्यम भी होती हैं। प्रधानमंत्री के विदेशी दौरों के दौरान दिये गये बयान और घोषणाएं भारत की विदेश नीति का चेहरा बनती हैं। ऐसे में जब देश का एक मुख्यमंत्री सार्वजनिक रूप से इन यात्राओं की खिल्ली उड़ाता है, तो विदेशी सरकारें और कूटनीतिक संस्थान भारत की आंतरिक एकता, राजनीतिक परिपक्वता और स्थायित्व पर सवाल उठा सकते हैं।

> **इस बयान पर भारतीय विदेश मंत्रालय ने आपत्ति जताई है और अपने बयान में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विदेश यात्राओं की आलोचना वाली टिप्पणी की निंदा करते हुए इसे 'गैरजिम्मेदाराना' करार दिया है।**

भगवंत मान को समझना चाहिए कि विदेशी राष्ट्र भारत के भीतर के राजनीतिक मतभेदों को सावधानी से परखते हैं। भगवंत मान जैसे नेताओं की टिप्पणियां यह संकेत दे सकती हैं कि भारत की विदेश नीति पर विपक्षी दलों में विश्वास की कमी है। इससे भारत की राजनयिक विश्वसनीयता प्रभावित हो सकती है, विशेष रूप से तब, जब भारत ग्लोबल साउथ का नेतृत्व करने और G20 जैसे मंचों पर मुखर भूमिका निभा रहा हो।

भगवंत मान को समझना चाहिए कि एक लोकतांत्रिक देश में आलोचना और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जरूरी है। लेकिन यह भी उतना ही जरूरी है कि नेता राष्ट्रीय मंचों और अंतरराष्ट्रीय मामलों पर सार्वजनिक बयान देते समय राष्ट्रीय हितों की मर्यादा का ध्यान रखें। प्रधानमंत्री विदेश में न केवल सरकार का प्रतिनिधित्व करते हैं, बल्कि पूरे भारत का भी। ऐसे में उनके प्रयासों का उपहास उड़ाना अंततः देश के सामूहिक सम्मान को नुकसान पहुंचा सकता है। विदेशी मीडिया भारतीय नेताओं की ऐसी टिप्पणियों को उद्धृत करता है और कई बार उन्हें संदर्भ से बाहर पेश कर भारत को नुकसान पहुँचाया जाता है। भगवंत मान की टिप्पणी भी इसी श्रेणी में आ सकती है, जिससे भारत की विदेश नीति को लेकर भ्रम फैल सकता है। यह बात निवेशकों, रणनीतिक भागीदारों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों की भारत के प्रति धारणा को भी प्रभावित कर सकती है। भगवंत मान को समझना चाहिए कि भारत जैसी उभरती वैश्विक शक्ति के लिए यह आवश्यक है कि उसके आंतरिक राजनीतिक मतभेद अंतरराष्ट्रीय छवि को प्रभावित नहीं करें। विदेश यात्रा जैसे संवेदनशील विषयों पर राजनीतिक बयानबाज़ी भारत की एकजुटता पर सवाल खड़े कर सकती है। इससे यह संदेश जा सकता है कि भारत का राजनीतिक नेतृत्व राष्ट्रीय हितों पर राजनीतिक लाभ को प्राथमिकता देता है, जो किसी भी देश की छवि के लिए सकारात्मक संकेत नहीं होता। हम आपको यह भी बता दें कि भगवंत मान ने पहली बार हल्के स्तर का बयान नहीं दिया है। इससे पहले भी वह विवादित बयान दे चुके हैं जिससे भारतीय कूटनीति के लिए असहज स्थिति बनी है। इंटरनेट पर खोजने पर ऐसी मीडिया रिपोर्टें मिलती हैं कि भगवंत मान ने अपने विदेश दौरों पर (विशेषकर जर्मनी और यूके) अप्रत्यक्ष रूप से भारत में लोकतंत्र के हालात पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कथित रूप से कहा था कि हम पंजाब में लोकतंत्र को जिंदा रखे हुए हैं जबकि अन्य राज्य दबाव में हैं। इससे विदेशी राजनयिक समुदाय में यह संदेश गया था कि भारत के भीतर लोकतांत्रिक स्थिति पर निर्वाचित नेता भी असहमति जताते हैं। देखा जाये तो यह भारत के विरुद्ध प्रचार को बल देता है।

बहरहाल, मुख्यमंत्री भगवंत मान की प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्राओं पर की गई टिप्पणी एक सीमित राजनीतिक फायदे की मंशा से की गई हो सकती है, लेकिन इसके प्रभाव व्यापक और बहुआयामी हो सकते हैं। लोकतंत्र में आलोचना आवश्यक है, लेकिन ऐसा राष्ट्रीय हितों के साथ संतुलन बनाकर किया जाना चाहिए। कूटनीति केवल विदेश मंत्रालय की ही नहीं बल्कि सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों की भी जिम्मेदारी होती है इसलिए सभी को देश की वैश्विक प्रतिष्ठा के संरक्षण में अपनी भूमिका समझनी चाहिए और उसी के अनुरूप आचरण करना चाहिए। व्यक्तिगत बयानबाज़ी का खामियाजा पूरे देश को भुगतना पड़ सकता है यह बात भगवंत मान जैसे नेताओं को समझनी चाहिए।

टैरिफ से दुनिया में तनाव बढ़ाते ट्रंप

(हर्ष वी पंत)

भारत के साथ संभावित व्यापार समझौते की खबरों के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फिर से टैरिफ (सीमा शुल्क) बढ़ाने की धमकी दी है। स्टील और एल्युमीनियम के बाद उन्होंने तांबे पर 50 फीसदी, साथ ही अगले साल से आयातित दवाओं पर 200 फीसदी तक शुल्क-वृद्धि की चेतावनी दी है। बेशक, ऐसे बयानों पर अभी स्पष्टता आनी शेष है, लेकिन सीमा शुल्क में यदि इस तरह की बढ़ोतरी होती है, तो भारत पर भी इसका कुछ हद तक असर पड़ सकता है, खासकर दवा उद्योग पर। दरअसल, भारत का सबसे बड़ा दवा बाजार अमेरिका ही है। वित्त वर्ष 2025 में उसने 9.8 अरब डॉलर की दवाइयां मंगवाई थीं, जो पिछले साल के मुकाबले 21 फीसदी ज्यादा थी। भारत जितनी दवाइयां दूसरे देशों को बेचता है, उसका 40 फीसदी हिस्सा अमेरिकी बाजार को जाता है। इनमें भी जेनेरिक दवाइयों की मात्रा काफी ज्यादा 45 प्रतिशत तक होती है। ऐसे में, सीमा शुल्क बढ़ाने से अमेरिकी बाजार में भारतीय दवाइयां महंगी हो सकती हैं, जिससे उनकी मांग भी प्रभावित होगी।

रही बात तांबे की, तो साल 2024-25 में भारत ने वैश्विक स्तर पर दो अरब डॉलर मूल्य का तांबा और तांबे से बने उत्पादों का निर्यात किया था, जिनमें से 36 करोड़ डॉलर मूल्य का, यानी 17 फीसदी निर्यात अमेरिकी बाजारों को किया गया था। आंकड़ों की मानें, तो तांबा निर्यात के लिहाज से अमेरिका भारत का तीसरा सबसे बड़ा बाजार है। हमसे ज्यादा तांबा सऊदी अरब (26 प्रतिशत) और चीन (18 प्रतिशत) अमेरिका भेजते हैं।

मगर अच्छी बात यह है कि तांबे की गिनती काफी महत्वपूर्ण खनिजों में होती है और इसका ऊर्जा, विनिर्माण व बुनियादी ढांचे सहित तमाम क्षेत्रों में व्यापक रूप से इस्तेमाल किया जाता है। नए शुल्क के बाद यदि अमेरिकी बाजार में इसकी मांग घटती भी है, तो घरेलू उद्योग से उसकी भरपायी की जा सकेगी। लिहाजा, ट्रंप यदि अपनी धमकी को अमल में लाते हैं, तब भी हमें कुछ हद तक ही परेशानी होगी।

मगर मूल सवाल तो यह है कि क्या वह ऐसा करेंगे? दरअसल, ट्रंप अब तक टैरिफ को लेकर अपने बयान बार-बार बदलते रहे हैं। वह कभी नई टैरिफ का एलान करते हैं, तो अगले ही दिन उसे टाल देने की बात भी कहने लगते हैं। इससे लगता है कि वह दो कदम आगे बढ़ते हैं और एक कदम पीछे हट जाते हैं। उनकी उलझन वाजिब भी दिखती है। असल में, उन्होंने पद संभालने के साथ ही सख्त टैरिफ नीति लाने का एलान किया था। उनका मानना था कि ऐसा कहने से तमाम देश अमेरिका के साथ नया समझौता करने को बाध्य होंगे और वाशिंगटन को अपने व्यापार-घाटा से पार पाने में मदद मिलेगी। उस वक्त उन्होंने 90 दिनों में 90 समझौते करने की उम्मीद जताई थी। मगर ऐसा हो नहीं सका। अब तक बमुश्किल दो-तीन समझौते ही वह कर सके हैं, वे भी पूरी तरह से लागू नहीं हो सके हैं। मसलन, ब्रिटेन व वियतनाम के साथ उन्होंने संधि का एलान किया, जबकि चीन के साथ सीमित प्रावधानों पर सहमति बन सकी है। जाहिर है, ट्रंप अपनी नीतियों पर मनमर्जी आगे नहीं बढ़ सके हैं। उनकी यह सोच साकार होती नजर नहीं आ रही कि सख्त टैरिफ नीति के जवाब में अन्य देश अमेरिका के आगे झुकने को मजबूर होंगे। अब तो उनके ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने भी दावा किया है कि ट्रंप का ध्यान मूलतः उन्हीं 18 देशों पर है, जो अमेरिका के 95 फीसदी व्यापार घाटा के कारक रहे हैं। जाहिर है, ट्रंप अपने वायदों से पीछे हटने को मजबूर हो रहे हैं। बाजार भी उनकी इस उलझन से गाफिल नहीं है। जिन देशों के साथ अमेरिका का व्यापार घाटा है, उनमें भारत भी एक अहम देश है।

नई दिल्ली के साथ जल्द ही समझौते होने की उम्मीद है, लेकिन यह सीमित ही होगा, समग्र नहीं। मुमकिन है कि इसमें भारत की मंशा के अनुरूप कृषि और डेयरी उद्योग जैसे बड़े क्षेत्र शामिल नहीं किए जाएंगे। यह हमारे लिए आर्थिक रूप से भी मुफीद नहीं है और इससे देश में राजनीतिक भूचाल आ सकता है। हां, कपड़ा व फार्मास्यूटिकल्स जैसे मुद्दों पर भारत पीछे हट सकता है, जो आश्चर्य की बात नहीं, क्योंकि किसी भी समझौते में दोनों पक्षों के हितों को तवज्जो मिलती है। यही वजह है कि संभावित समझौते को 'मिनी ट्रेड डील' कहा जा रहा है।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5792

		2		6	1			9
8		5	4				7	6
6		4						
		3		5	2			
			8		7			
			9	3		2		
						1		2
3	6				8	4		7
2			1	4		9		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5791

1	4	2	7	3	9	5	6	8
5	3	9	1	6	8	2	7	4
7	6	8	2	5	4	9	3	1
3	1	4	9	8	6	7	2	5
8	9	5	3	7	2	1	4	6
2	7	6	4	1	5	3	8	9
4	5	3	6	9	7	8	1	2
9	2	7	8	4	1	6	5	3
6	8	1	5	2	3	4	9	7

वर्ग पहेली 5792

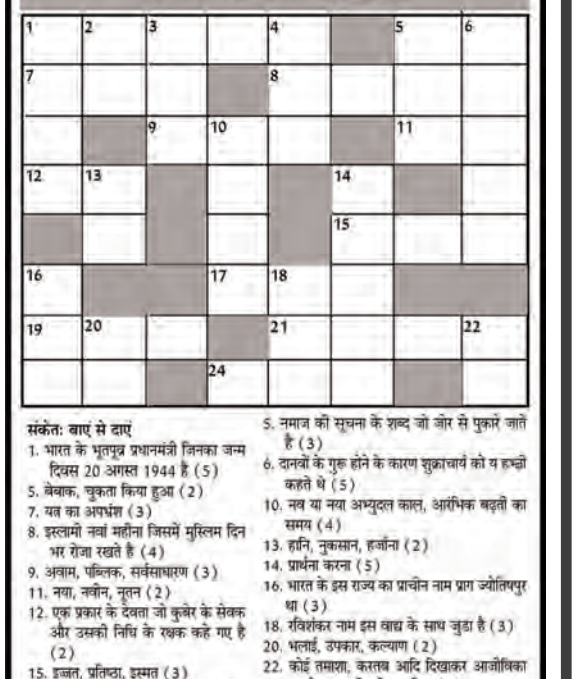

संकेत: बाएं से दाएं
1. भारत के भूतपूर्व प्रधानमंत्री जिनका जन्म दिवस 20 अगस्त 1944 है (5)
5. बेबाक, चुकता किया हुआ (2)
7. यत का अपभ्रंश (3)
8. इस्लामी नवां महीना जिसमें मुस्लिम दिन भर रोजा रखते है (4)
9. अवाम, पब्लिक, सर्वसाधारण (3)
11. नया, नवीन, नूतन (2)
12. एक प्रकार के देवता जो कुबेर के सेवक और उसकी निधि के रक्षक कहे गए है (2)
15. इज्जत, प्रतिष्ठा, इस्मत (3)
17. काव्यमर्मज्ञ, रसपान रकने वाला (3)
19. समेत, संग-संग, समाविष्ठ, संयुक्त (3)
21. गंधा बिरोजा, पायस, लक्ष्मीवेस्ट (4)
23. दार्शनिक प्रणाली, वोट, राय (2)
24. पानी के साथ निचोड़ना या घिसना, गलाना (3)

ऊपर से नीचे
1. शासकीय, राज्यीय (4)
2. फतह, विजय, यह फिल्म करीना कपूर की अभिनेत्री मां की अंतिम फिल्म थी 1972)(2)
3. वन में उत्पन्न वस्तु (3)
4. धैर्य, धीरज, ढ़ाढस (3)
5. नमाज की सूचना के शब्द जो जोर से पुकारे जाते है (3)
6. दानवों के गुरु होने के कारण शुक्राचार्य को य हम्झो कहते थे (5)
10. नव या नया अभ्युदल काल, आरंभिक बढ़ती का समय (4)
13. हानि, नुकसान, हर्जाना (2)
14. प्रार्थना करना (5)
16. भारत के इस राज्य का प्राचीन नाम प्राग्ज्योतिषपुर था (3)
18. रविशंकर नाम इस वाद्य के साथ जुड़ा है (3)
20. भलाई, उपकार (2)
22. कोई तमाशा, करतब आदि दिखाकर आजीविका चलाने वाला, डिगरी, बाजीगर (2)

वर्ग पहेली 5791 का हल

आज का राशिफल

मेष
मेष राशि के जातकों के लिए दिन प्रतिस्पर्धात्मक रहने वाला है। अटके हुए काम पूरे होने से मन में संतोष रहेगा। व्यवसाय में नई रणनीतियां प्रभावशाली रहेंगी, जिससे आय में वृद्धि हो सकती है। नौकरीपेशा लोगों को अधिकारियों का सहयोग मिलेगा और प्रमोशन की बात शुरू हो सकती है। राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में मान-सम्मान बढ़ेगा।

वृष
दिन पारिवारिक सुख लेकर आएगा। घर का माहौल अच्छा रहने से मनोबल बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में पुराने प्रॉजेक्ट फिर से शुरू हो सकते हैं, जिससे कमाई के अवसर मिलेंगे। शेयर बाजार या लॉटरी जैसे जोखिम भरे निवेश से दूर रहें, क्योंकि दोपहर के बाद नुकसान हो सकता है। नौकरी में स्थिति सामान्य रहेगी, लेकिन प्रमोशन या ट्रांसफर को लेकर संदेह बना रहेगा।

मिथुन
आज किसी बहुमूल्य वस्तु या संपत्ति की प्राप्ति हो सकती है। भगवान की कृपा से व्यापार में अचानक बड़ा लाभ या नया कॉन्ट्रैक्ट मिल सकता है। हालांकि, ज्यादा व्यस्त रहने के कारण फैसले लेने में जल्दबाजी न करें। फिजूलखर्ची से बचना जरूरी है, क्योंकि परिवार में कोई बड़ा खर्चा आ सकता है। मार्केटिंग, मीडिया, विज्ञापन या संचार क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन फायदेमंद रहेगा।

तुला
आज शिक्षा और प्रतियोगिता में सफलता मिलने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में आपकी बातचीत करने की कला आपकी सबसे बड़ी ताकत बनेगी। नौकरी में प्रमोशन या बोनस मिलने की संभावना है। आय के नए स्रोत खुल सकते हैं, खासकर ऑनलाइन काम, ई-कॉमर्स या डिजिटल क्षेत्र में काम करने वाले लोगों के लिए।

वृश्चिक
आज आज आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और रुका हुआ पैसा या प्रोजेक्ट पूरा होने से संतोष मिलेगा। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ तालमेल बढ़ेगा। व्यापारियों को नई डील या पार्टनरशिप मिल सकती है। हिसाब-किताब ठीक रखने की जरूरत है, क्योंकि टैक्स से जुड़ी कोई गलती नुकसान पहुंचा सकती है। बैंकिंग, निवेश, बीमा क्षेत्र के लोगों के लिए दिन अच्छा है।

धनु
आज खर्च घरेलू सुविधाओं पर बढ़ सकता है, जिससे बजट बिगड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में अनावश्यक विवादों से बचें, खासकर अपने कर्मचारियों या ग्राहकों से। नौकरी में बदलाव की योजना न बनाएं। व्यापारी वर्ग के लिए कोई पुराना विवाद सुलझ सकता है। कोर्ट-कचहरी के मामले आपके पक्ष में जाने के संकेत हैं, जिससे आर्थिक राहत मिलेगी।

कर्क
आज जातकों के लोगों के लिए ग्रहों की स्थिति बहुत फायदेमंद रहेगी। कार्यक्षेत्र में आपकी इज्जत बढ़ेगी और पुराने निवेश से अचानक लाभ मिल सकता है। व्यापारियों को सरकार से मदद या किसी बड़े अधिकारी से अप्रत्याशित सहयोग मिल सकता है। अगर आप नई साझेदारी की योजना बना रहे हैं, तो बातचीत आगे बढ़ सकती है।

सिंह
आज दूसरों की मदद करने के लिए आगे आएंगे और परोपकारी कार्यों में खर्च कर सकते हैं। कार्यस्थल पर आपके व्यवहार से सहकर्मी खुश रहेंगे। करियर में बदलाव की संभावना है, जिससे कुछ अस्थिरता रह सकती है। तकनीकी और रचनात्मक क्षेत्रों में काम करने वाले लोगों को नए अवसर मिल सकते हैं। अगर आपने हाल ही में निवेश किया है, तो उसका फायदा दिख सकता है।

कन्या
आज बुजुर्गों की सेवा करने से पुण्य मिलेगा। व्यवसाय में आप नए विचारों को साकार करने में सफल होंगे। आपकी संगठन क्षमता और प्रबंधन कौशल से वरिष्ठ अधिकारी प्रभावित होंगे। आय के स्रोत बढ़ सकते हैं, खासकर अगर आप विदेशी संपर्कों से जुड़े हैं। शेयर बाजार में सोच-समझकर निवेश करें। दांपत्य जीवन में सहयोग से आप किसी महत्वपूर्ण व्यवसायिक निर्णय में सफलता पा सकते हैं।

मकर
आज कार्यक्षेत्र में अच्छे परिणाम मिलने से उत्साह बढ़ेगा। व्यवसाय में लाभ होगा और आर्थिक स्थिति स्थिर रहेगी। कोई नया प्रॉजेक्ट शुरू करने के लिए दिन अच्छा है। सरकारी योजना या सब्सिडी का लाभ मिल सकता है। नौकरी में स्थिरता मिलेगी और किसी इंटरव्यू या मीटिंग में आपकी तैयारी सफल होगी।

कुंभ
आज शनि के प्रभाव से भाई के स्वास्थ्य पर खर्च करना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में समय और संसाधनों का समझदारी से इस्तेमाल करें, नहीं तो नुकसान हो सकता है। व्यापार में कोई नई डील सोच-समझकर करें। किसी संपत्ति में निवेश करने से पहले दस्तावेजों को ध्यान से जांच लें। नौकरी करने वाले लोगों को कुछ अतिरिक्त काम दिया जा सकता है, लेकिन इससे फायदा भी होगा। शाम के बाद माता के स्वास्थ्य में सुधार होगा।

मीन
आज दिन सुखद रहेगा, जिससे मनोबल बढ़ेगा। व्यापार में लाभ की स्थिति बन रही है और किसी पुरानी डील से अप्रत्याशित मुनाफा मिल सकता है। छात्रों को करियर प्लानिंग में सफलता मिलेगी। आईटी, शिक्षा, या सलाहकार सेवा में काम करने वाले लोगों के लिए दिन भाग्यशाली रहेगा। फ्रीलांसिंग, पार्टटाइम या घर से किए जाने वाले कार्यों से भी होगी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, उप संपादक- साकेत अम्बष्ट फोन/फैक्स-06186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, RNI-BIHHIN/1998/03009

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

यानिक सिनर ने पहला विम्बलडन खिताब जीता, दो बार के गत चैंपियन अल्काराज को हराया

लंदन, एजेंसी। शीर्ष रैंकिंग खिलाड़ी यानिक सिनर ने रविवार को यहां पुरुष एकल के फाइनल में दो बार के गत चैंपियन कार्लोस अल्काराज को 4-6, 6-4, 6-4, 6-4 से हराकर पहला विम्बलडन और चौथा ग्रैंडस्लैल खिताब जीता। इस तरह इटली के खिलाड़ी सिनर ने पांच हफ्ते पहले हुए फ्रेंच ओपन के ऐतिहासिक फाइनल के नतीजे को भी बदल दिया। अब सिनर दूसरी रैंकिंग पर काबिज स्पेनिश खिलाड़ी अल्काराज से कुल ग्रैंडस्लैम खिताब से एक कदम दूर हैं। इस जीत से सिनर ने 22 वर्षीय अल्काराज के लगातार खिताब जीतने के सिलसिले को भी तोड़ दिया। अल्काराज ने सिनर के खिलाफ पिछले पांच मुकाबले जीते थे जिसमें हालिया जीत आठ जून को रोलां गैरां में लगभग साढ़े पांच घंटे तक चली पांच सेटों की भिड़ंत में आई थी। सिनर ने उस मैच में दो सेट की बढ़त बना ली थी लेकिन जीत हासिल नहीं कर सके। इससे अल्काराज का मेजर फाइनल में स्कोर 5-0 हो गया था।

सिनर ने ऑल इंग्लैंड क्लब में ऐसे मैच में अपनी छाप छोड़ी जिसमें दोनों खिलाड़ियों ने शानदार खेल दिखाया। हालांकि बीच-बीच में चूक भी हुई। अल्काराज ने सेंटर कोर्ट में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 24 मैच की जीत के साथ उतरे थे। उन्होंने ऑल इंग्लैंड

क्लब में लगातार 20 मैच जीते थे जिसमें 2023 और 2024 के फाइनल में नोवाक जोकोविच के खिलाफ जीत भी शामिल है।

विंबलडन में पिछली बार अल्काराज को हराने वाले खिलाड़ी सिनर हैं जिन्होंने 2022 में चौथे दौर में उन्हें शिकस्त दी थी। यह सिनर के लिए एक यादगार जीत साबित हुई जिसने उनकी उस बात को साबित कर दिया कि पेरिस में हारने का कोई असर नहीं होगा। हालांकि यह कल्पना करना मुश्किल है कि रविवार को उस हार का जरा भी ख्याल उनके दिमाग में नहीं था, विशेषकर जब तब चौथे सेट में 4-3, 15-40 के स्कोर पर सर्विस करते हुए उन्हें दो ब्रेक प्वाइंट का सामना करना पड़ा। लेकिन सिनर ने शांति से अगले चार प्वाइंट अपने नाम कर जीत हासिल कर ली। जब सेट खत्म हुआ तो सिनर ने दोनों हाथ अपनी सफेद टोपी पर रख लिए। नेट पर अल्काराज को गले लगाने के बाद सिनर सिर झुकाकर कोर्ट पर झुक गए और फिर अपनी दाहिनी हथेली घास पर रख दी। सिनर ने फ्रेंच ओपन की हार को सच में पीछे छोड़ दिया और दिखा दिया कि अल्काराज के साथ उनका मुकाबला आने वाले वर्षों तक टेनिस प्रशंसकों को खुश कर सकता है।

दिलचस्प बात है कि पिछली सात ग्रैंड स्लैम ट्रॉफियों को दोनों ने आपस में बांटा है जिसमें पिछली 12 में से नौ ट्रॉफियां शामिल हैं। संयोग से यह पहली बार है जब दो पुरुष खिलाड़ियों ने एक ही वर्ष में रोलां गैरां के क्ले कोर्ट और ऑल इंग्लैंड क्लब के ग्रास कोर्ट पर खिताबी मुकाबले खेले। इससे पहले रोजर फेडरर और राफेल नडाल ने 2006, 2007 और 2008 में ऐसा किया था। सिनर ने पिछले चार मेजर फाइनल में से प्रत्येक में भाग लिया है और यह सिलसिला पिछले सितंबर में अमेरिकी ओपन में जीत के साथ शुरू हुआ और उसके बाद उन्होंने इस जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन में एक और जीत हासिल की।

सॉफ्टबाल में शिमला और सिरमौर की दो बेटियां चीन में दिखाएंगी दम

शिमला/सांगला, एजेंसी। शिमला जिले के कोटखाई की कविता ठाकुर और सिरमौर की कृषिका को एशिया कप महिला सॉफ्टबाल चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में चुना गया है।

चीन के शियान में होने वाली एशिया कप महिला सॉफ्टबाल चैंपियनशिप में जिला शिमला और सिरमौर की बेटियां हिस्सा लेंगी। कप 14 से 20 जुलाई तक होगा। शिमला जिले के कोटखाई की कविता ठाकुर और सिरमौर की कृषिका को एशिया कप महिला सॉफ्टबाल चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में चुना गया है। छह दिनों तक चलने वाली चैंपियनशिप में 10 देशों की टीमों के बीच कड़े मुकाबले खेले जाएंगे।

वर्ल्ड कप खेलेंगी शीर्ष दो टीमें शीर्ष दो में स्थान पाने वाली टीमें साल 2026 में होने वाले वर्ल्ड कप वुमन सॉफ्टबाल के लिए क्वालीफाई करेंगी। भारतीय टीम की नजर न सिर्फ पदक पर बल्कि वर्ल्ड कप के टिकट पर भी टिकी हुई हैं।

साइना नेहवाल अपने पति कश्यप परुपल्ली से होंगी अलग, सोशल मीडिया पर शेयर की भावुक पोस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय बैडमिंटन आइकन साइना नेहवाल ने पति और साथी शटलर कश्यप परुपल्ली से अलग होने की घोषणा की है। यह जोड़ा, जो एक दशक से अधिक समय से साथ है और 2018 में शादी के बंधन में बंधा था। साइना ने रविवार को इंस्टाग्राम पर साझा किए गए एक भावुक बयान के माध्यम से अलग होने के अपने फैसले की पुष्टि की। साइना ने कहा, जीवन हमें कभी-कभी अलग दिशाओं में ले जाता है। बहुत सोचने और विचार करने के बाद कश्यप परुपल्ली और मैंने अलग होने का फैसला किया है। हम अपने और एक-दूसरे के लिए शांति, विकास और उपचार का चयन कर रहे हैं। मैं यादों के लिए आभारी हूं और आगे बढ़ने के लिए शुभकामनाएं देती हूं। साइना और कश्यप भारत की सबसे प्रमुख बैडमिंटन हस्तियों में से हैं जिन्हें अक्सर टूर्नामेंटों में एक-दूसरे का समर्थन करते और पेशेवर उपलब्धियों का जश्न साथ मिलकर मनाते देखा गया है।

अलगाव का कारण निजी है, साइना के संदेश में आपसी सम्मान और सकारात्मक रूप से आगे बढ़ने के साझा इरादे पर जोर दिया गया है। इस पोस्ट को प्रशंसकों, साथी एथलीटों और शुभचिंतकों का भरपूर समर्थन मिला, जिनमें से कई ने स्थिति को संभालने में दोनों की शालीनता और परिपक्वता की प्रशंसा की। पूर्व विश्व नंबर एक और ओलंपिक कांस्य पदक विजेता साइना नेहवाल खेलों में भारतीय महिलाओं के लिए एक पथप्रदर्शक रही हैं। कश्यप पारुपल्ली का भी एक विशिष्ट करियर रहा है उन्होंने ओलंपिक और राष्ट्रमंडल खेलों सहित कई अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। अलग-अलग निजी यात्राओं पर निकल पड़े साइना और कश्यप दोनों ही बैडमिंटन समुदाय और उसके बाहर अपार सम्मान अर्जित करते हैं।

लिवरपूल ने प्री-सीजन की शुरुआत प्रेस्टन पर 3-1 की जीत के साथ की, जोटा-सिल्वा को दी गई श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, एजेंसी। लिवरपूल ने अपने 2025-26 प्री-सीजन की शुरुआत डीपडेल में प्रेस्टन नॉर्थ एंड पर 3-1 से जीत के साथ की। यह जीत लिवरपूल के लिए बेहद भावनात्मक थी। लिवरपूल के खिलाड़ी डिओगो जोटा की पिछले सप्ताह स्पेन में एक कार दुर्घटना में मौत हो गई थी। हादसे में जोटा के भाई आंद्रे सिल्वा की भी मौत हो गई थी। मैच शुरू होने से पहले, स्टेडियम का माहौल बेहद भावुक था।

प्रेस्टन और लिवरपूल के खिलाड़ियों ने प्रशंसकों के सामने एक मिनट का मौन रखा और जोटा के लिए पुष्पांजलि अर्पित की। मैच से पहले यू विल नेवर वॉक अलोन का भावपूर्ण लाइव प्रदर्शन हुआ। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने बांह पर काली पट्टी बांध रखी थी। 20वें मिनट में, जब दोनों भाइयों की तस्वीर दिखाई गई, तो पूरा स्टेडियम तालियों की गड़गड़ाहट से भर गया। जोटा के लिए भावुक गीत भी गाया गया। डिओगो और आंद्रे को दी जाने वाली श्रद्धांजलि यहीं नहीं रुकी। लिवरपूल के डार्विन नुनेज ने दूसरे हाफ में जोटा के प्रतिष्ठित गोल सेलिब्रेशन की नकल करके अपने गोल का जश्न मनाया, जबकि कोडी गाकपो ने बाद में जोटा की शर्ट नंबर - 20 का इशारा करते हुए अपने गोल का जश्न मनाया, जिससे प्रशंसक खुशी से झूम उठे।

मैदान पर, रेड्स ने शानदार प्रदर्शन किया। कॉनर ब्रैडली ने पहले हाफ के आखिर में स्कोरिंग की शुरुआत की, जिसमें किशोर रियो नुमोहा और फेडेरिको चिएसा ने भी मदद की। ब्रेक के बाद नुनेज ने रक्षात्मक गलती का फायदा उठाकर बढ़त दोगुनी कर दी और गैकपो ने अंतिम मिनटों में प्रेस्टन के लियाम लिंडसे द्वारा एक शक्तिशाली हेडर से गोल करने के बाद तीसरा गोल दागा।

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी स्कॉट बोलैंड ने रचा इतिहास, सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी औसत का बनाया रिकॉर्ड

जमैका, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड ने इतिहास रच दिया है। वह साल 1915 के बाद से 2000 गेंदें फेंकने वाले क्रिकेटर्स में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी औसत वाले टेस्ट खिलाड़ी बन गए हैं। स्कॉट बोलैंड ने यह उपलब्धि सबीना पार्क में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टेस्ट में हासिल की, जहां उन्होंने 13.1 ओवरों में 34 रन देकर तीन विकेट अपने नाम किए। बोलैंड का टेस्ट में गेंदबाजी औसत 17.33 का है, जो टेस्ट क्रिकेट के पिछले 110 वर्षों (कम से कम 2000 गेंदें) में किसी भी गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ है। 1900 के बाद से बोलैंड से आगे इस सूची में केवल इंग्लैंड के सिड बार्न्स ही हैं। इनके अलावा बोलैंड से ऊपर मौजूद अन्य छह गेंदबाज 1800 के दशक से हैं। जमैका में ऑस्ट्रेलिया-वेस्टइंडीज के बीच खेले जा रहे तीसरे टेस्ट में टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम पहली पारी में 225 रन पर ढेर हो गई।

ऑस्ट्रेलिया के लिए स्टीव स्मिथ ने सर्वाधिक 48 रन बनाए, जबकि कैमरून ग्रीन ने 46 रन की पारी खेली। मेजबान टीम की ओर से शमार जोसेफ ने सर्वाधिक चार विकेट झटके। इसके

जवाब में, वेस्टइंडीज की पहली पारी 143 रन पर सिमट गई। टीम के लिए जॉन कैंपबेल ने सर्वाधिक 36 रन बनाए। बोलैंड सर्वाधिक तीन विकेट चटकाने वाले ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज रहे। पहली पारी में बढ़त हासिल करने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे दिन की समाप्ति तक दूसरी पारी में छह विकेट खोकर 99 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से दूसरी पारी में कैमरून ग्रीन नाबाद 42 रन बना चुके हैं। दिन की समाप्ति तक दूसरे छोर पर उनके साथ कप्तान पैट कमिंस (5) थे। मेहमान टीम के पास फिलहाल 181 रन की बढ़त है। ऑस्ट्रेलिया पहले ही इस सीरीज पर 2-0 से अपना कब्जा कर चुका है। ऐसे में वेस्टइंडीज के पास इस मुकाबले को जीतकर सम्मान बचाने का मौका है।

मुंबई इंडियंस का वर्चस्व कायम

नई दिल्ली, एजेंसी। फ्रेंचाइजी क्रिकेट में मुंबई इंडियंस का झंडा दिन पर दिन बुलंद होता जा रहा है। 17 साल में वह 13 खिताब जीत चुकी है। अमेरिका की मेजर लीग में उसकी टीम एमआई न्यूयॉर्क ने रविवार (13 जुलाई) को वाशिंगटन फ्रीडम को 5 रन से हराकर 2025 में 5 में से तीसरा खिताब अपने नाम किया।

इससे पहले एमआई केपटाउन ने एसए20 का खिताब जीता। वुमेंस प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस चैंपियन बनीं। आईएलटी20 में एमआई अमीरात और इंडियन प्रीमियर लीग मुंबई इंडियंस में प्लेऑफ तक पहुंचीं। एमआई न्यूयॉर्क ने मेजर लीग का दूसरी बार खिताब जीता। इससे पहले उसने 2023 में यह खिताब जीता था। मुंबई इंडियंस की फ्रेंचाइजी 14 साल से फाइनल नहीं हारी है। 2011 में उसकी टीम पहली बार फाइनल में पहुंची थी।

लगातार 13वां फाइनल जीता:

सचिन तेंदुलकर की कप्तानी में आईपीएल 2011 में मुंबई इंडियंस को हराकर चेन्नई सुपर किंग्स चैंपियन बनी थी। इसके बाद से वह 13 बार फाइनल खेली है और हर बार जीती है। आईपीएल वाली मुंबई इंडियंस की टीम 7 ट्रॉफी जीती है। आईपीएल का 5 बार और चैंपियंस लीग का दो बार खिताब जीता है। इसके अलावा डब्ल्यूपीएल और एमएलसी का 2-2 खिताब जीता है। आईएलटी और एसए 20 में का एक बार खिताब जीता है।

एमआई न्यूयॉर्क ने वाशिंगटन फ्रीडम को 5 रन से हराया

एमएलसी 2025 के फाइनल की बात करें तो एमआई न्यूयॉर्क ने 5 रन से जीत दर्ज की। वाशिंगटन फ्रीडम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। क्विंटन डिकॉक के 77 रन की पारी के बदौलत एमआई न्यूयॉर्क ने 7 विकेट पर 180 रन बनाए। वाशिंगटन फ्रीडम रचिन रविंद्र की 70 रन की पारी के बाद भी 5 विकेट पर 175 रन ही बना पाई।

चेल्सी ने पीएसजी को हराकर फीफा क्लब विश्व कप जीता

न्यू जर्सी, एजेंसी। कोल पाल्मर के शानदार प्रदर्शन की बदौलत चेल्सी ने सोमवार को पेरिस सेंट-जर्मेन पर 3-0 की शानदार जीत के साथ फीफा क्लब विश्व कप अपने नाम किया। मेटलाइफ स्टेडियम में हुए इस धमाकेदार फाइनल में, पाल्मर ने शुरुआती हाफ में आठ मिनट के अंतराल में दो गोल किए। मुकाबले के 22वें मिनट मॉलो गुस्टो की मदद से पाल्मर ने पहला गोल दागा।

इसके बाद 30वें मिनट पाल्मर ने एक बार फिर गोल करते हुए टीम की बढ़त को दोगुना कर दिया। जोआओ पेड्रो ने मुकाबले के 43वें मिनट गोल दागते हुए टीम की बढ़त को 3-0 कर दिया। जोआओ पेड्रो के इस गोल ने चेल्सी की जीत को लगभग पक्का कर दिया था। पीएसजी की टीम इस

पूरे मुकाबले में कोई गोल नहीं दाग सकी। चेल्सी 17 गोल के साथ टूर्नामेंट में शीर्ष स्कोरर रही। यह मुकाबला करीब 81 हजार दर्शकों से भरे स्टेडियम में खेला गया, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी शामिल थे। फाइनल में पहली बार हाफ-टाइम शो का आयोजन किया गया, जिसने मुकाबले को सुपर बाउल जैसा अनुभव दिया। ट्रंप ने विजेता टीम को ट्रॉफी दी। क्लब को इस जीत के साथ करीब 125 मिलियन अमेरिकी डॉलर की इनामी राशि भी मिली।चेल्सी ने दूसरी बार क्लब ट्रॉफी अपने नाम की है।

इससे पहले उसने साल 2021 में खिताब जीता था। पीएसजी की टीम इस खिताब को जीत नहीं सकी, लेकिन चैंपियंस लीग और फ्रेंच लीग कप डबल जीतना, उसके सीजन की बड़ी उपलब्धि रही है। चेल्सी के युवा खिलाड़ी कोल पाल्मर को गोल्डन बॉल से सम्मानित किया गया। यह अवॉर्ड टूर्नामेंट के बेस्ट खिलाड़ी को दिया जाता है। इस टूर्नामेंट में पाल्मर ने तीन गोल के साथ दो असिस्ट भी किए। वहीं, चेल्सी के गोलकीपर रॉबर्ट सांचेज को गोल्डन ग्लव पुरस्कार मिला।

कबड्डी विश्वकप खेल सकती हैं हिमाचल की 5 से 6 बेटियां, अंतिम कोचिंग कैंप के लिए हुआ चयन

धर्मशाला, एजेंसी। कबड्डी विश्व कप के लिए भारतीय टीम के चयन के लिए अंतिम कोचिंग कैंप में हिमाचल की छह खिलाड़ियों का चयन हुआ है। भारत में होने वाले कबड्डी विश्व कप के लिए भारतीय टीम के चयन के लिए अंतिम कोचिंग कैंप में हिमाचल की छह खिलाड़ियों का चयन हुआ है।

उम्मीद जताई जा रही है कि इनमें से पांच से छह खिलाड़ियों को भारतीय टीम में जगह मिल सकती है। ये सभी खिलाड़ी फाइनल कोचिंग कैंप में भाग लेंगी और अपने खेल के दम पर टीम में जगह बनाने का प्रयास करेंगी। पहले विश्व कप जुलाई में होना प्रस्तावित था। इस बीच कुछ कारणों से अब इसे अगस्त में आयोजित किया जा रहा है।

यह प्रतियोगिता अब 3 से 10 अगस्त तक हैदराबाद में होगी। इससे पूर्व एशियन कबड्डी चैंपियनशिप में भी पांच खिलाड़ियों पुष्पा, ज्योति, भावना, साक्षी और रितु नेगी ने भारतीय टीम की ओर से स्वर्ण पदक जीता था। भारतीय खेल प्राधिकरण धर्मशाला की कबड्डी खिलाड़ी पूजा ठाकुर ने बताया कि महिला कबड्डी विश्व कप के लिए आयोजित अंतिम कोचिंग कैंप में प्रदेश की छह खिलाड़ियों का चयन हुआ है। इनमें से चार खिलाड़ी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस धर्मशाला में प्रशिक्षण ले रही हैं।

विंबलडन 2025: वेरोनिका कुदेरमेतोवा और एलिस मर्टेंस ने महिला युगल खिताब जीता

लंदन, एजेंसी। 8वीं वरीयता प्राप्त वेरोनिका कुदेरमेतोवा और एलिस मर्टेनस ने विंबलडन 2025 के महिला युगल का खिताब जीत लिया। इस जोड़ी ने चौथी वरीयता प्राप्त सीह सु-वेई और जेलेना ओस्टापेंको को 3-6, 6-2, 6-4 से हराया। पहला सेट हारने के बाद, कुदेरमेतोवा और मर्टेन्स ने दृढ़ता दिखाई और दूसरे सेट में हसीह की सर्विस दो बार तोड़कर मैच बराबरी पर ले आई। कुदेरमेतोवा के नेट प्ले और मर्टेन्स की बेसलाइन पर लगातार स्थिरता ने मैच का रुख उनके पक्ष में मोड़ना शुरू कर दिया।

तीसरे सेट में एक और मोड़ आया जब हसीह और ओस्टापेंको ने 4-2 की बढ़त बना ली, लेकिन आठवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी ने वापसी की। कुदेरमेतोवा ने चैंपियनशिप पॉइंट पर वॉली विनर के साथ जीत पक्की की और अंततः डब्ल्यूटीए के अनुसार अपना पहला ग्रैंड स्लैम युगल खिताब जीता। यह जीत कुदेरमेतोवा के लिए विशेष महत्व रखती है, जो 2021 के विंबलडन फाइनल में बुरी तरह से हार गई थीं। इस बीच, उनकी जोड़ीदार मर्टेन्स ने अपना पांचवां प्रमुख युगल खिताब और विंबलडन में अपना दूसरा खिताब हासिल किया।

FIFA Club World Cup:

ट्रंप ने चेल्सी की जीत के जश्न में डाला खलल! ट्रॉफी सौंपने के बाद पोडियम से हटे ही नहीं

ईस्ट रदरफोर्ड (अमेरिका), एजेंसी। ट्रंप ने विजेता टीम चेल्सी को ट्रॉफी तो सौंपी, लेकिन पोडियम से हटने को तैयार ही नहीं हुए। फिर फीफा के अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो उन्हें पोडियम पर ही पीछे के हिस्से में ले गए। इस घटना ने न सिर्फ फैंस को, बल्कि चेल्सी के खिलाड़ियों को भी चौंका दिया।

कोल पामर के दो गोल और जोआओ पेड्रो के एक गोल की मदद से चेल्सी ने यूरोपीय चैंपियन पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) को 3-0 से हरा कर क्लब विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता। फीफा क्लब विश्व कप का फाइनल किसी फिल्म से कम नहीं रहा। इसमें रोमांच, ड्रामा, मारपीट..सब देखने को मिला। मैच के दौरान पीएसजी और चेल्सी के खिलाड़ी और स्टाफ आपस में भिड़ गए। वहीं, एक अप्रत्याशित चीज भी हुई। अमेरिका के ईस्ट रदरफोर्ड में हुए इस मैच को देखने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी पहुंचे थे। उन्होंने विजेता टीम चेल्सी को ट्रॉफी तो सौंपी, लेकिन पोडियम से हटने को

तैयार ही नहीं हुए। फिर फीफा के अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो उन्हें पोडियम पर ही पीछे के हिस्से में ले गए। इस घटना ने न सिर्फ फैंस को, बल्कि चेल्सी के खिलाड़ियों को भी चौंका दिया। मैच में क्या हुआ? इमर ने 22वें और 30वें मिनट में पेनल्टी क्षेत्र के अंदर से बाएं पैर से लगभग एक जैसे गोल किए। इसके बाद उन्होंने तीसरा गोल करने में भी मदद की। उनके पास पर जोआओ पेड्रो ने 43वें मिनट में गोलकीपर जियानलुइगी डोनारुम्मा को छकाकर गोल किया जो दो जुलाई को चेल्सी से जुड़ने के बाद इंग्लैंड के इस क्लब की तरफ से उनका तीसरा गोल रहा। दो साल पहले मैनचेस्टर सिटी से चेल्सी में शामिल हुए 23 वर्षीय पामर ने इस सत्र में 18 गोल किए। पीएसजी ने अपनी तरफ से वापसी के हर संभव प्रयास किए, लेकिन चेल्सी की मजबूत रक्षा पंक्ति के सामने उसकी एक नहीं चली।

न्यूज बाइट्स

हत्याकांड का नामजद आरोपी गिरफ्तार

हसपुरा (औरंगाबाद) (नि. सं.)। हसपुरा प्रखंड के चनहट गांव में 17 मार्च को हुई मारपीट की घटना में गंभीर रूप से घायल चंद्रदीप पाल की मौत गयाजी में इलाज के क्रम में हो गई थी। मामले में पुलिस प्रशासन पर भी पथराव किया गया था। इसे लेकर हसपुरा थाना में कांड संख्या 77/ 25 दर्ज करते हुए 33 लोगों को नामजद आरोपी बनाया गया था। मामले में उसी समय छह आरोपियों की गिरफ्तारी हुई थी। इसके बाद पुलिस ने लगातार अपनी छापामारी जारी रखते हुये दो और आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। हसपुरा थानाध्यक्ष दिनेश कुमार ने बताया कि हत्या के मामले में नामजद आरोपी चनहट गांव निवासी 37 वर्षीय जगजीवन पासवान उर्फ बच्चू पासवान को गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार कर थाना लाया गया है। मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

प्रधान न्यायाधीश ने किया पदभार ग्रहण

औरंगाबाद (एसवीवी. सं.)। औरंगाबाद व्यवहार न्यायालय के परिवार न्यायालय के नये प्रधान न्यायाधीश अरूण कुमार ने सोमवार को पदभार ग्रहण कर लिया। इसके बाद उन्होंने न्यायिक कार्य किए। अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि व्यवहार न्यायालय में परिवार न्यायालय के 13वें प्रधान न्यायाधीश सत्य भूषण आर्य का तबादला बांका व्यवहार न्यायालय के प्रधान जिला जज पद पर हो गया था, जिससे 30 जून से यह कोर्ट वैकेंट था। सोमवार को न्यायाधीश अरूण कुमार ने व्यवहार न्यायालय, परिवार न्यायालय के 14वें प्रधान न्यायाधीश का पदभार ग्रहण किया। उनके पदभार ग्रहण करने पर लोक अभियोजक पुष्कर अग्रवाल, सरकारी अधिवक्ता बृजा प्रसाद, जिला विधिज्ञ संघ के अध्यक्ष विजय कुमार पांडेय, महासचिव जगनारायण सिंह, अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष संजय कुमार सिंह, सचिव सिद्धेश्वर विधार्थी सहित कार्यसमिति सदस्यों ने बधाई देते हुए शुभकामनाएं दी।

समाहरणालय में जिलाधिकारी ने की संयुक्त समीक्षा बैठक

निर्माण स्थलों पर श्रमिकों का निबंधन अनिवार्य : जिलाधिकारी

- बाल श्रम उन्मूलन, श्रमिक कल्याण और रोजगार पर जोर
- कुशल युवा कार्यक्रम (केवाईपी) की समीक्षा पर सख्ती
- डीआरसीसी को अधिक सक्रियता का निर्देश

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

उन्मूलन और रोजगार सृजन के प्रयासों की समीक्षा की गई। समाहरणालय स्थित सभागार में श्रम विभाग, जिला नियोजनालय और डीआरसीसी कार्यालय के अधिकारियों के साथ बैठक में जिलाधिकारी श्रीकांत शास्त्री ने जिले में बाल श्रम के खिलाफ चलाए गए अभियान की जानकारी ली। उन्होंने बताया कि सात दलों के गठन से 34 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया, आठ बाल श्रमिकों को मुक्त कराया गया और दोषी नियोजकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। इसके साथ ही तीन नियोजकों ने पांच बाल श्रमिकों के पुनर्वास के लिए एक लाख रुपये जिला कोष में जमा कराया। जिलाधिकारी ने इस कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि बाल श्रम सिर्फ अपराध नहीं, बल्कि समाज की चेतना पर कलंक है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों की भागीदारी से जागरूकता अभियान तेज करने के निर्देश दिए।

निर्माण कार्यों पर भी विशेष जोर दिया गया। सभी निर्माण स्थलों पर श्रमिकों का पंजीकरण कराए जाने को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए ताकि उन्हें छात्रवृत्ति, मातृत्व सहायता, पेंशन और स्वास्थ्य बीमा जैसी सुविधाओं का लाभ मिल सके। इसी के साथ, कुशल युवा कार्यक्रम (केवाईपी) की समीक्षा में यह तथ्य सामने आया कि कुछ प्रशिक्षण केंद्रों की उत्तीर्ण दर 70% से कम थी, जिस पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त की और जिन केंद्रों का प्रदर्शन निरंतर खराब रहा है, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का आदेश दिया।

डीआरसीसी को भी सक्रिय भूमिका निभाने का निर्देश दिया गया। श्रम और स्वरोजगार योजनाओं से युवाओं को जोड़ने तथा स्वयं सहायता भत्तों की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। जिलाधिकारी ने युवा शक्ति को सही मार्गदर्शन और अवसर प्रदान करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए डीआरसीसी के प्रयासों को अत्यावश्यक बताया। बैठक में श्रम अधीक्षक, नियोजनालय व डीआरसीसी टीम, कार्यपालिका और पुलिस सहित अन्य सीनियर अधिकारी उपस्थित रहे।

इस समीक्षा बैठक से स्पष्ट होता है कि औरंगाबाद जिला प्रशासन बाल श्रम उन्मूलन, श्रमिक कल्याण और कौशल सृजन को लेकर संकल्पित है और लगातार निगरानी व कार्यवाही के माध्यम से प्रदेश स्तर पर अपनी प्रतिबद्धता निभा रहा है।

पहली सोमवारी पर दूधेश्वरनाथ मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब

60 हजार से अधिक श्रद्धालु पहुंचे, हर-हर महादेव से गूंजा मंदिर प्रांगण

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद।

भक्तिभाव सावन की पहली सोमवारी पर औरंगाबाद जिले के प्रसिद्ध देवकुंड स्थित बाबा दूधेश्वरनाथ धाम में देखने को मिला, जहां श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही "बोल बम" और "हर-हर महादेव" के जयकारों से मंदिर प्रांगण गूंज उठा। हजारों कांवड़िए व श्रद्धालु बाबा भोलेनाथ के दर्शन और जलाभिषेक के लिए मंदिर पहुंचे।

मठाधीश कन्हैयानंद पुरी के रुद्राभिषेक के बाद ही आम भक्तों के लिए गर्भगृह खोला गया। महिला और पुरुष श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग प्रवेश द्वार बनाए गए हैं ताकि भीड़ में कोई अव्यवस्था न हो। सावधानी और सुरक्षा के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। सीओ अजय कुमार सिंह ने बताया कि श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की असुविधा न हो, इसके लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। पुलिस की सहायता से कतारबद्ध जलाभिषेक कराया जा रहा है। थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार ने जानकारी दी कि देवकुंड आने वाले सभी रास्तों पर आठ ड्रॉप गेट बनाए गए हैं, और इस बार अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात किए गए हैं। प्रत्येक संवेदनशील स्थान पर मजिस्ट्रेट के साथ पुलिस मौजूद है।

देवकुंड बना मिनी बाबाधाम

श्रद्धा का ऐसा दृश्य शायद ही कहीं और देखने को मिले। फूलों से सजा बाबा दूधेश्वरनाथ मंदिर आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। देवकुंड को "मिनी बाबाधाम" भी कहा जाता है। कुंड घाट पर वाटरप्रूफ पंडाल लगाया गया है, जहां श्रद्धालु लाइन में खड़े होकर "बम भोले" के जयकारे के साथ अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं।

स्वर्गीय प्रो. टीएन सिन्हा की स्मृति में बनेगा मेमोरियल फाउंडेशनः प्रशांत कुमार

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

औरंगाबाद जिला मुख्यालय में देखने को मिली, जहां स्वर्गीय प्रो. टीएन सिन्हा की स्मृतियों को सहेजने और उनके शैक्षणिक एवं सामाजिक मूल्यों को जीवंत बनाए रखने हेतु एक मेमोरियल फाउंडेशन गठित करने की घोषणा की गई। इस आशय की जानकारी उनके सुपुत्र प्रशांत कुमार ने दी, जो जिले में सामाजिक व सांस्कृतिक गतिविधियों से जुड़े रहे हैं।

यह घोषणा स्वर्गीय प्रो. सिन्हा के आवास पर आयोजित एक आत्मीय बैठक के दौरान की गई, जहां जिले के कई बुद्धिजीवी, सामाजिक कार्यकर्ता और उनके पुराने सहकर्मी व शिष्य उपस्थित हुए। बैठक की अध्यक्षता प्रशांत कुमार ने की, जिन्होंने बताया कि उनके पिताजी 1960 के दशक में औरंगाबाद के प्रतिष्ठित सिन्हा कॉलेज से प्रोफेसर के रूप में अपने कैरियर की शुरुआत की थी और वहीं से सेवानिवृत्त हुए। उनका जीवन औरंगाबाद की धरती से आत्मिक रूप से जुड़ा रहा और वे आम जनजीवन में पूरी तरह घुलमिल गए थे। प्रशांत कुमार ने बताया कि पिता की स्मृति और आदर्शों को जीवंत रखने के उद्देश्य से इस सप्ताह के अंत तक प्रोफेसर टी. एन. सिन्हा मेमोरियल फाउंडेशन का गठन किया जाएगा। यह फाउंडेशन शिक्षा, समाज सेवा, सांस्कृतिक पुनर्जागरण और युवाओं के मार्गदर्शन जैसे क्षेत्रों में कार्य करेगा। फाउंडेशन के गठन में प्रो. मनोज कुमार सिंह, पीएम श्री अनुग्रह मध्य विद्यालय के प्राचार्य उदय कुमार सिंह, और अभिषेक ऑटो के प्रमुख अभिषेक रंजन जैसे सम्मानित व्यक्तियों का सहयोग लिया जा रहा है, जो स्वयं भी इसके सम्मानित सदस्य होंगे।

» प्रो. सिन्हा ने 1960 के दशक में औरंगाबाद के सिन्हा कॉलेज में प्रोफेसर के रूप में कार्य शुरू किया था और सेवानिवृत्ति तक वहीं से जुड़े रहे। वे औरंगाबाद के समाज में पूरी तरह घुलमिल गए थे।

इस अवसर पर प्रशांत कुमार ने कहा कि फाउंडेशन के माध्यम से समाज सेवा को एक नई दिशा देने की कोशिश की जाएगी। साथ ही, हर वर्ष प्रो. टीएन सिन्हा की पुण्यतिथि पर एक स्मृति कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

कृषि, सामाजिक सुरक्षा, दिव्यांग सशक्तिकरण एवं बाल संरक्षण पर जिला प्रशासन की प्रेस वार्ता

जिले में डीएपी और यूरिया खाद की कोई कमी नहीं : डीएम

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

सोमवार को समाहरणालय सभागार में एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। इस प्रेस वार्ता की अध्यक्षता जिला पदाधिकारी श्रीकांत शास्त्री ने की। उन्होंने जिले में चल रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की अद्यतन स्थिति और प्रशासन की तत्परता की जानकारी साझा की। प्रेस वार्ता में मुख्य रूप से कृषि, सामाजिक सुरक्षा, दिव्यांगजन सशक्तिकरण और बाल संरक्षण से संबंधित योजनाओं पर चर्चा की गई। डीएम ने कहा कि अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं की पहुंच बनाना प्रशासन की पहली प्राथमिकता है।

डीएम का संदेश

जिला पदाधिकारी श्रीकांत शास्त्री ने प्रेस वार्ता के अंत में कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं का मुख्य उद्देश्य यही है कि इनका लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचे। हमारा लक्ष्य है कि पारदर्शी और सक्रिय प्रशासन के माध्यम से हर नागरिक को उसकी पात्रता के अनुसार लाभ दिलाया जा सके। इस मौके पर जिले के विभिन्न विभागों के पदाधिकारी, मीडिया प्रतिनिधिगण एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। प्रशासन द्वारा जनहित में जारी की गई जानकारी से यह स्पष्ट है कि औरंगाबाद जिले में जनकल्याण की योजनाएं गंभीरता से लागू की जा रही हैं और आने वाले समय में इसके और भी प्रभावी परिणाम देखने को मिल सकते हैं।

कृषि विभाग के कार्यों पर दिया गया जोर

जिला पदाधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत जिले के हजारों किसानों को नियमित आर्थिक सहायता दी जा रही है। इसके साथ ही डीजल अनुदान, बीज वितरण, जैविक खेती को बढ़ावा देने और कृषक पाठशालाओं का आयोजन कर किसानों को तकनीकी जानकारी दी जा रही है।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जिले में डीएपी और यूरिया खाद की कोई कमी नहीं है। सभी वितरण केंद्रों पर खाद की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की गई है ताकि किसानों को किसी तरह की परेशानी न हो।

सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की पारदर्शिता पर विशेष ध्यान

वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन और दिव्यांगजन पेंशन योजनाओं के लाभार्थियों को समय पर भुगतान हो रहा है। वहीं, लंबित मामलों के समाधान के लिए विशेष शिविर भी आयोजित किए जा रहे हैं। प्रत्येक प्रखंड में इन योजनाओं की सख्त निगरानी हो रही है ताकि कोई पात्र व्यक्ति लाभ से वंचित न रहे।

प्रेस वार्ता के दौरान यह जानकारी दी गई कि दिव्यांगजनों को ट्राई साइकिल, व्हीलचेयर, श्रवण यंत्र आदि उपकरण वितरित किए जा रहे हैं। इसके साथ ही स्वरोजगार सहायता, छात्रवृत्ति, आवासीय विद्यालय जैसी योजनाएं भी सतत रूप से संचालित की जा रही हैं। समावेशी विकास के उद्देश्य से विशेष प्रशिक्षण एवं पुनर्वास केंद्रों की भूमिका को भी मजबूती दी जा रही है।

बाल संरक्षण पर प्रशासन की संवेदनशील नजर

जिला बाल संरक्षण इकाई द्वारा 1098 चाइल्डलाइन के माध्यम से संकटग्रस्त बच्चों को त्वरित सहायता प्रदान की जा रही है। बाल विवाह, बाल श्रम और उत्पीड़न के विरुद्ध प्रशासन संवेदनशील और सशक्त कार्रवाई कर रहा है। पुनर्वास, संरक्षण गृह और परामर्श सेवाओं की नियमित निगरानी भी सुनिश्चित की जा रही है।

संस्कार विद्या में धूमधाम से मनाया गया वन महोत्सव

- वृक्षारोपण व पर्यावरण संरक्षण का लिया गया संकल्प

निज संवाददाता | दाउदनगर(औरंगाबाद)

दाउदनगर के नवरतनचक स्थित संस्कार विद्या नॉलेज सिटी के प्रांगण में सोमवार को वन महोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास और सांस्कृतिक माहौल में मनाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि दाउदनगर थानाध्यक्ष विकास कुमार द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर, दीप प्रज्ज्वलित कर और एक विशेष वृक्षारोपण के साथ किया गया। उन्होंने इस वृक्ष को 'एक वृक्ष संस्कार' का नाम देते हुए कहा कि यह पेड़ भविष्य में संस्कार

का प्रतीक बनेगा, जिसे देखकर छात्र-छात्राएं प्रेरणा लें। कार्यक्रम में विद्या निकेतन ग्रुप ऑफ स्कूल्स के सीएमडी सुरेश कुमार गुप्ता, मेडिकल ऑफिसर डॉ. मनोज कुमार, सीईओ आनंद प्रकाश, डिप्टी सीईओ इंजीनियर विद्यासागर, टेक्निकल एडवाइजर विनय प्रकाश, प्रिंसिपल एके मिश्रा, उप प्राचार्य संतोष पांडेय एवं अन्य शिक्षक-शिक्षिकाओं की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने पर्यावरण पर जागरूकता फैलाने के लिए पोस्टर बनाए, जिन्हें वृक्षों के पास सजाया गया। विद्यालय की दसवीं कक्षा की छात्रा श्रेयसी कुमारी ने मंच संचालन करते हुए अपने शब्दों से सभी का मन मोह लिया। कक्षा 9 और 10 के छात्र-छात्राओं ने हेड बॉय और हेड गर्ल के नेतृत्व में आयोजन को सफल बनाने में अग्रणी भूमिका निभाई। सीएमडी सुरेश कुमार गुप्ता ने कहा कि जलवायु परिवर्तन एक गंभीर वैश्विक मुद्दा है और वृक्षारोपण ही इसका समाधान है। उन्होंने छात्रों से अपील की कि वे हर साल एक वृक्ष अवश्य लगाएं। सीईओ आनंद प्रकाश ने कहा कि हर परिवार के हर सदस्य के नाम पर एक वृक्ष अवश्य लगाना चाहिए ताकि भावनात्मक जुड़ाव के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बल मिल सके। मेडिकल ऑफिसर डॉ. मनोज कुमार ने बच्चों को देश का भविष्य बताते हुए पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनने की आवश्यकता पर जोर दिया।

नहर में डूबकर युवक की हुई मौत

औरंगाबाद(एसवीवी सं.)। औरंगाबाद में रविवार को नहर में डूबकर एक युवक की मौत हो गई। वो नहर में नहाने गया था। नहाने के दौरान तेज धार बहकर वो लापता हो गया था। घटनास्थल से 1 किमी दूर लपुरा गांव के पास युवक की लाश सोमवार को मिली। मृतक की पहचान लपुरा गांव निवासी महेंद्र ठाकुर के 25 वर्षीय बेटे संजय कुमार के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया, संजय बड़की नहर फॉल के पास गया था। उसे तैरना नहीं आता था। नहर में पानी का बहाव तेज था। नहाते समय वह बह गया। थोड़ी देर में लापता हो गया। देर रात तक घर नहीं लौटा तो परिजन परेशान हुए। खोजबीन शुरू की गई। कुछ लोगों ने मुफस्सिल थाना को सूचना दी। पुलिस रातभर खोजबीन करती रही, लेकिन शव नहीं मिला था।

महापरिवर्तन आंदोलन की बैठक में लिया गया निर्णय, 16 जुलाई को सभी बीडीओ, सीओ, बीईओ और थानाध्यक्ष को सौंपा जाएगा ज्ञापन

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

औरंगाबाद के योद्धा बिगहा में सोमवार को महापरिवर्तन आंदोलन की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक संगठन के उपाध्यक्ष अरुण कुमार यादव के आवास पर संपन्न हुई, जिसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अजय कुमार श्रीवास्तव ने की। बैठक में संगठन के विस्तार, सामाजिक सरोकार और आगामी योजनाओं को लेकर गंभीर विमर्श हुआ। बैठक में जानकारी दी गई कि संगठन के सूत्रधार आईपीएस विनय कुमार सिंह के नेतृत्व में बिहार को एक आदर्श राज्य के रूप में विकसित करने के लिए पांच सूत्रीय कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में संगठन ने निर्णय लिया है कि 16 जुलाई को पूरे राज्य में एक दिवसीय ज्ञापन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसके तहत प्रत्येक प्रखंड में बीडीओ, सीओ, बीईओ और थानाध्यक्ष को स्मार पत्र सौंपा जाएगा। बैठक का संचालन कर रहे संतोष कुमार सिंह ने बताया कि यह स्मार पत्र सामाजिक सुधार, प्रशासनिक पारदर्शिता और भ्रष्टाचार उन्मूलन की दिशा में एक ठोस पहल होगी। उन्होंने यह भी कहा कि अगली बैठक में जिले के सभी प्रखंडों के शिष्टमंडल और जिला संरक्षक मंडल के गठन की रूपरेखा प्रस्तुत की जाएगी।

नगर परिषद क्षेत्र में मतदाता जागरूकता अभियान शुरू

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

औरंगाबाद नगर परिषद क्षेत्र में मतदाता जागरूकता को लेकर एक नई लहर शुरू की गई है, जिसका उद्देश्य योग्य नागरिकों को मतदाता सूची में नाम जोड़वाने के लिए प्रेरित करना है। यह पहल भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार शुरू की गई है, खास तौर से उन्हीं इलाकों में जहां मतदाता संख्या अपेक्षाकृत कम पाई गई है। इस अभियान के तहत नगर परिषद प्रशासन, जनप्रतिनिधि और बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) ने घर-घर जाकर संपर्क करने, माइकिंग करने तथा जागरूकता रथ चलाने जैसी सक्रिय गतिविधियाँ प्रारंभ की हैं।

वहीं, मतदान केंद्रों पर विशेष शिविरों का आयोजन भी किया गया है, ताकि प्रवासी, नए निवासी या अन्य किसी कारण से सूची में नाम न होने वाले नागरिक आसानी से फॉर्म-6, 7 और 8 भरवा सकें। बीएलओ और जनप्रतिनिधि इन शिविरों में अपने-अपने वार्ड के नागरिकों से सीधे जुड़कर उन्हें चुनावी प्रक्रिया का हिस्सा बनने को प्रेरित कर रहे हैं। अभियान के दौरान विशेष रूप से कुछ स्थाई केंद्रों का चयन किया गया है, जिनमें अनुमंडल इंटर कॉलेज, कन्या उच्च विद्यालय और जिला परिषद कार्यालय शामिल हैं।

इस व्यापक प्रयास का मूल उद्देश्य यही है कि एक भी योग्य मतदाता मतदाता सूची से वंचित न रहे। प्रशासन का मानना है कि लोकतंत्र की नींव मजबूत होती है तब, जब सभी नागरिक अपने मताधिकार का प्रयोग करें। इसलिए जनता से विशेष अपील की गई है कि वे अपने वार्ड के बीएलओ से संपर्क करते हुए अपने नाम मतदाता सूची में दर्ज करवाएं और इस अभियान में सहयोग दें। इस दिशा में लोगों का उत्साह देखना उत्साहजनक है और इस प्रयास की सफलता इसी से तय होगी। आप भी "पहचान बनाएं – नाम जुड़वाएं" के इस संदेश को आगे बढ़ाएँ, क्योंकि आपका एक वोट लोकतंत्र को सशक्त करता है।

बिहार सरकार
पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग
पशुपालन ज्ञान
पशुपालक कल्याण

बाढ़/आपदा के कारण पशु मृत्यु होने पर सहाय्य अनुदान की व्यवस्था एवं प्रक्रिया

प्राकृतिक आपदा एवं राज्य सरकार द्वारा अधिसूचित स्थानीय आपदाओं में पशुपालकों के पशुओं की मृत्यु की स्थिति में सरकार द्वारा सहाय्य अनुदान दिये जाने का प्रावधान है। सहाय्य अनुदान के दावा एवं भुगतान की प्रक्रिया तथा दर निम्नवत है :

आवेदन एवं भुगतान की प्रक्रिया

1 पशु मृत्यु के पश्चात् अगर शव प्राप्त हो :

(क) पशुपालक द्वारा निकटतम पशुचिकित्सा पदाधिकारी को सूचना दी जायेगी तथा विहित प्रपत्र (प्रपत्र–क) में आवेदन दिया जायेगा।

(ख) पशुचिकित्सा पदाधिकारी शव का पोस्टमार्टम करेंगे तथा आवेदन अंचलाधिकारी को प्रेषित करेंगे। पशु शव अन्त्य परीक्षण की स्थिति में नहीं रहने (कई दिन पुराने होने/सड़ जाने आदि) पर पशुचिकित्सा पदाधिकारी द्वारा प्रमाण–पत्र के साथ मृत पशुओं की संख्या से संबंधित स्पष्ट प्रतिवेदन अंचलाधिकारी एवं जिला पशुपालन पदाधिकारी को दिया जायेगा।

(ग) अंचलाधिकारी प्रतिवेदन के अनुसार स्वीकृति हेतु आवश्यक कार्रवाई करेंगे।

2. पशु शव प्राप्ति नहीं होने की स्थिति में :

(क) पशुपालक द्वारा स्थानीय थाना में पशु क्षति के संबंध में सनहा/प्राथमिकी दर्ज करायी जायेगी।

(ख) पशुपालक का आवेदन स्थानीय मुखिया/पंचायत समिति सदस्य/जिला परिषद् सदस्य/सरपंच/पंच/वार्ड सदस्य द्वारा अग्रसारित होना चाहिये (प्रपत्र–क)।

(ग) सनहा/प्राथमिकी की प्रति संलग्न करते हुए पशुपालक द्वारा आवेदन संबंधित अंचलाधिकारी को दी जायेगी। अंचलाधिकारी राजस्व कर्मचारी/अन्य कर्मी से वास्तविक रूप से पशु क्षति संबंधी जाँचोंपरान्त स्वीकृति हेतु अग्रेतर कार्रवाई करेंगे (प्रपत्र–ग)।

(घ) अंचलाधिकारी पशु क्षति संबंधी सूचना को ससमय जिला पदाधिकारी को उपलब्ध करायेंगे (प्रपत्र–ख/प्रपत्र–ग)। जिला पदाधिकारी द्वारा आवश्यक जाँचोपरान्त अभिलेख स्वीकृत कराकर घटना के एक सप्ताह के अन्दर सहाय्य अनुदान का भुगतान किया जायेगा।

3. अन्य आपदाओं यथा सुखाड़/वज्रपात/अग्निकाण्ड आदि की स्थिति में यथासंभव अन्त्य परीक्षण कराना आवश्यक होगा। बड़ी संख्या में एक ही स्थान में एक ही तरह की परिस्थिति में पशुओं की मृत्यु होने पर रैण्डम रूप से यथासंभव पाँच से दस प्रतिशत पशुओं/मुर्गियों का अन्त्य परीक्षण करते हुए मृत्यु का कारण निर्धारित किया जाएगा।

बाढ़/आपदा के कारण पशु मृत्यु होने पर सहाय्य अनुदान की दर

क्रं.	पशु का प्रकार	राशि प्रति इकाई	अधिकतम अनुमान्य (प्रति परिवार)	अभ्युक्ति
1	दुग्धकारी पशु क) गाय/भैंस/ऊँट/याक/मिथुन आदि	37,500/–	3 पशु तक सीमित	1. आर्थिक रूप से उत्पादक पशुओं की वास्तविक क्षति के अनुसार सीमित होगी। 2. किसी अन्य सरकारी योजना से प्राप्त होने वाली सहायता (यथा एवियन इन्फ्लूएन्जा से पक्षियों की मृत्यु या अन्य बीमारियों से मृत्यु) की स्थिति में यह सहाय्य अनुदान देय नहीं होगा।
	ख) बकरी/भेंड़/सुकर	4,000/–	30 पशु तक सीमित	
2	भारवाही पशु क) बैल/ऊँट/घोड़ा आदि	32,000/–	3 पशु तक सीमित	
	ख) बछड़ा/खच्चड़/गदहा/टट्टु	20,000/–	6 पशु तक सीमित	
3	पॉल्ट्री	100/–	अधिकतम सीमा 5000/– रूपये	
4	घर के साथ संलग्न पशु शेड अग्निकांड हेतु	3,000/–	प्रति पशु शेड	

टिप्पणी :

1. विहित प्रपत्र–क, ख एवं ग तथा विस्तृत मानक संचालन प्रक्रिया विभागीय वेबसाईट (www.ahd.bih.nic.in), जिला पशुपालन कार्यालय एवं भ्रमणशील पशु चिकित्सा पदाधिकारी/प्रखण्ड पशुपालन पदाधिकारी के कार्यालय में उपलब्ध है।
2. आवेदन में वांछित विवरण यथा नाम, पता, मोबाईल नं., आधार नं., मृत पशु से संबंधित विवरण, मृत्यु का कारण तथा बैंक खाता का ब्योरा इत्यादि अंकित रहना आवश्यक है।

विशेष जानकारी पशुपालन निदेशालय, बिहार, पटना स्थित आपदा कोषांग (दूरभाष संख्या 0612–2230942) या पशु स्वास्थ्य एवं उत्पादन संस्थान, बिहार, पटना (दूरभाष संख्या 0612–2226049) से प्राप्त की जा सकती है।

PR No.- 007880 (Animal)D. 2025-26